RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

» वर्ष : 11 » अंक : 1

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» नवंबर 2020 » मूल्य : 40 रु.

हरियाली के रास्ते

10 वीं वर्षगाँठ

अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह

मासिक पत्रिका
'हरियाली के रास्ते'
की 10वीं वर्षगाँठ
पर हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसान भाइयों को
दीपावली की
शुभकामनाएँ
सहकारिता
विशेषांक के
प्रकाशन पर
हार्दिक
बधाइयाँ
साँची
SANCHI
श्री तँवरसिंह चौहान
(अध्यक्ष म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव
डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल)
एवं संचालक
श्री मोतीसिंह पटेल
(अध्यक्ष)
स्वाद और शक्ति से भरपूर साँची
संचालकगण
श्री रामेश्वर गुर्जर
श्री किशोर परिहार
श्री विक्रम मुकाती
श्री जगदीश जाट
श्री राजेन्द्रसिंह पटेल
श्री रामेश्वर रघुवंशी
श्री सुरेश पटेल
श्री प्रहलादसिंह पटेल
श्री कृपालसिंह सेंधव
श्री महेन्द्र चौधरी
श्री ए.एन. द्विवेदी
(मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्या.
तलावली चांदा, मांगलिया, जिला इन्दौर (फोन : 0731-2811189, टोल फ्री नं. : 1800 233 2535

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 11 » अंक : 1 » नवंबर 2020 » मूल्य : 40 रु.

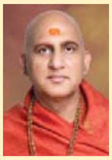

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
306/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

14
बढ़ें, पोषण करें और साथ रहें

18
कोरोना की दूसरी लहर का कहर

22
कोविड महामारी, आत्मनिर्भर भारत और सहकारिता

33
गेहूँ उत्पादन की नवीन तकनीक

42
गुजरात में किसान सर्वोदय योजना की शुरुआत

76
शाहरुख ने 2 साल से साइन नहीं की कोई फिल्म

संपादकीय

इकाई, दहाई, सैकड़ा...

इस बार नवंबर माह शुभ अवसरों की त्रिवेणी लेकर आया है। पहला प्रसंग है आपकी प्रिय पत्रिका हरियाली के रास्ते के स्थापना दिवस का एक दशक पूर्व इसी माह में हमने कृषि, सहकारिता और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण त्रिगुणी क्षेत्र की समस्याओं और उपलब्धियों को केंद्र बनाकर इस पत्रिका की शुरुआत की थी। यह कदम हमने वैसे तो अकेले बढ़ाया था लेकिन लोग जुड़ते गए कारवां बनता गया। कोई भी कार्य बगैर सहकार के संभव ही नहीं है। आप सबके सहयोग से हमने सफलता का एक दशक पूरा कर लिया। एक दशक किसी के भी जीवन में बड़ा महत्व रखता है। अब आपकी यह पत्रिका इकाई से दहाई की ओर कदम बढ़ा रही है। इस एक दशक के सफर में जो-जो हमारे हमसफर रहे उनके हम हृदय से आभारी हैं। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आगे के सफर में भी आपका सहकार सदैव हमारे साथ रहेगा। आपके सहयोग से हम कृषि, सहकारिता और शिक्षा की त्रिगुणी को हरियाली के रास्तों पर सदैव अग्रसर रखेंगे। दूसरा शुभ प्रसंग है सहकारिता सप्ताह हर वर्ष यह सप्ताह समूचे देश में पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर से 20 नवंबर तक मनाया जाता है। सहकारिता के गुणधर्मों को जन जन तक पहुंचाना ही इस सप्ताह की विशेषता होती है। सहकारिता के इस अलख को जगाने के लिए मीडिया की भूमिका को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है। इसलिए दोनों का रिश्ता अन्योन्याश्रित है। तीसरा शुभ प्रसंग है दीपों का त्योहार दीपावली। समूचे भारतवर्ष में यह त्योहार भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। पिछले नौ माह कोरोना महामारी के संकट से पूरी दुनिया जूझती रही। अब इसका प्रकोप कुछ कम हुआ है। नौ माह की लंबी अवधि में देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था जो बेपटरी हो गई थी अब धीरे-धीरे पुनः पटरी पा आ रही है। देवयोग से मानसून की पर्याप्त वर्षा हुई और खरीफ की फसलें अच्छी हुई है। वर्षाकाल देर तक चलने से जलाशयों में जलराशि भरपूर है अर्थात रबी की फसलों के लिए भी आसार अच्छे हैं। केंद्र सरकार ने खेती किसानी के हित में जो तीन बड़े फैसले लिए उनसे भी कुछ अपवाद को छोड़कर कृषि जगत में उत्साह की लहर है। तो आइए प्रसंगों की इस त्रिवेणी पर हम एक दूसरे का अभिनंदन करते हुए जगत कल्याण की कामना करें।

शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल-462004

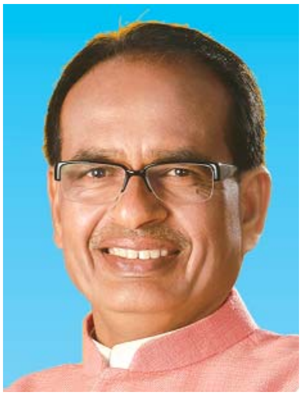

शुभकामना संदेश

मुझे जानकर बड़ा हर्ष हुआ कि कृषि, सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के अपने दस वर्ष पूर्ण कर ग्यारहवें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है।

उक्त संग्रहणीय विशेषांक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर प्रकाशित लेख, संस्मरण एवं रचनाएँ रुचिकर होने के साथ ही शिक्षाप्रद भी होगी तथा कृषि और सहकारिता क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए उपयोगी साबित होगी।

विशेषांक की सफलता के लिए और समस्त प्रदेश वासियों को दीपावली पर्व की मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(शिवराज सिंह चौहान)

डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया
मंत्री
सहकारिता, संसदीय कार्य
एवं सामान्य प्रशासन विभाग
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-28, 74 बंगले
स्वामी दयानंद नगर,
भोपाल-462003

शुभकामना संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' अपने सफलतम 10 वर्ष पूर्ण कर 11वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। इस अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

इन 10 वर्षों में 'हरियाली के रास्ते' ने अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से पाठकों में एक अलग पहचान बनाई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगे भी पत्रिका अपनी परंपरा और विश्वसनीयता को बनाए रखेगी।

मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

सही/-
(डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया)

गोपाल भार्गव
मंत्री
लोक निर्माण एवं कुटीर उद्योग
विभाग
मध्यप्रदेश शासन

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हुआ कि 'हरियाली के रास्ते' लगातार पिछले 10 वर्षों से प्रकाशित हो रही है।

आपकी पत्रिका के माध्यम से कृषि, सहकारिता, स्थानीय प्रशासन एवं जन उपयोगी कल्याणकारी योजनाओं के विषयक सामयिक विषयों से एवं जन हितैषी सूचनाओं से समाज को लाभान्वित करते आ रहे हैं।

पत्रिका के ग्यारहवें वर्ष में प्रवेशांक को विशेषांक के रूप में प्रकाशित किये जाने पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

(गोपाल भार्गव)

नरोत्तम मिश्रा
मंत्री
गृह विभाग
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी-4, चार इमली
भोपाल
दूरभाष : 0755-2464232

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि 'हरियाली के रास्ते' विगत कई वर्षों से निरंतरता के साथ प्रकाशित हो रही है।

आपकी पत्रिका के माध्यम से कृषि, सहकारिता, स्थानीय प्रशासन एवं जन उपयोगी कल्याणकारी योजनाओं के विषयक सामयिक विषयों से एवं जन हितैषी सूचनाओं से समाज को लाभान्वित करते आ रहे हैं।

पत्रिका के 11वें वर्ष में प्रवेशांक को विशेषांक के रूप में प्रकाशित किये जाने पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

(नरोत्तम मिश्रा)

कमल पटेल
मंत्री
किसान कल्याण तथा कृषि
विकास विभाग
मध्यप्रदेश शासन

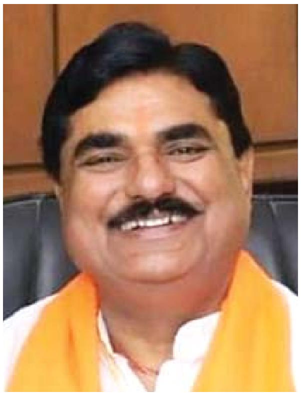

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2020 में अपने प्रकाशन के ग्यारहवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पत्रिका में कृषि , सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित सामग्री समय-समय पर प्रकाशित हो रही है जिससे इन क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिला है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका द्वारा प्रकाशित 'सहकारिता विशेषांक 2020' में भी जनोपयोगी आलेख प्रकाशित होंगे।

इस विशेषांक के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(कमल पटेल)

उषा ठाकुर
मंत्री
पर्यटन एवं संस्कृति विभाग
मध्यप्रदेश शासन

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2020 में अपने प्रकाशन के ग्यारहवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। पत्रिका में कृषि , सहकारिता और स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित सामग्री समय-समय पर प्रकाशित हो रही है जिससे लोगों को काफी लाभ मिला है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि पत्रिका द्वारा प्रकाशित 'सहकारिता विशेषांक 2020' में भी जनोपयोगी आलेख प्रकाशित होंगे।

इस विशेषांक के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

सही/-
(उषा ठाकुर)

एम.के. अग्रवाल
आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक
सहकारी संस्थाएँ,
मध्यप्रदेश

कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, म.प्र.
विंध्याचल भवन, भोपाल
दूरभाष : 0755-2551513

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कृषि, सहकारिता और अन्य विषयों पर केन्द्रित मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' नवंबर 2020 में अपने 10 वर्ष पूर्ण कर 11वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस अवसर पर 'सहकारिता विशेषांक 2020' का प्रकाशन भी किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उक्त पत्रिका में शासन की कृषक हितैषी कल्याणकारी योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश में कृषि उत्पादन में वृद्धि एवं खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में किये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने हेतु महती भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है। पुनः बधाई स्वीकारें।

(एम.के. अग्रवाल)

प्रदीप नीखरा
प्रबंध संचालक
म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या.
भोपाल

अपेक्स बैंक

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' अपने प्रकाशन के 11वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। कोई भी प्रकाशन लंबे समय तक सफलतापूर्वक तभी कार्य कर सकता है जब उसके द्वारा प्रकाशित सामग्री समसामयिक एवं उपयोगी हो। 'हरियाली के रास्ते' पत्रिका में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, कृषि एवं सहकारिता से संबंधित उपयोगी जानकारियाँ प्रकाशित होती रही हैं। पत्रिका भविष्य में भी उपयोगी विशेषांक प्रकाशित कर कृषि एवं सहकारिता के क्षेत्र में अपनी भूमिका का निर्वहन करती रहेगी। मेरी शुभकामनाएँ हैं कि यह पत्रिका उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो।

(प्रदीप नीखरा)

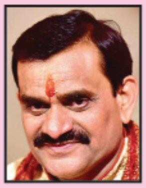

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

दीप पर्व की मंगल कामनाएँ

सौजन्य से

श्री एम.आर. मानकर (शा.प्र. प्रभातपट्टन)
श्री वीरेन्द्र पाटिल (शा.प्र. शाहपुर)
श्री संतोष पदमाकर (शा.प्र. भीमपुर)
श्री आर.के. लालवानी (शा.प्र. बैतूल बाजार)
श्री प्रवीण वर्मा (शा.प्र. बड़ौरा)

श्री बी.एस. शुक्ला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री के.व्ही. सोरते (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. प्रभातपट्टन, जि.बैतूल श्री रमेश भुसारे (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बीजादेही, जि.बैतूल श्री सुरेश पंवार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिवरखेड़, जि.बैतूल श्री डी.एस. काले (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भीमपुर, जि.बैतूल श्री नरेन्द्र आर्य (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरखेड़, जि.बैतूल श्री एम.आर. वाघमारे (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रतनपुर, जि.बैतूल श्री सर्वराज सोनारे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमरी, जि.बैतूल श्री के.आर. घोड़की (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिल्लौर, जि.बैतूल श्री यदुराज विश्वकर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घाटाबिरोली, जि.बैतूल श्री एस.आर. बागद्रे (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दामजीपुरा, जि.बैतूल श्री मदन परते (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झिल्पा बिरोली, जि.बैतूल श्री रवि परिहार (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बैतूल बाजार, जि.बैतूल श्री अभय पात्रीकर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दापका, जि.बैतूल श्री पंकज राठौर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोहागपुर, जि.बैतूल श्री योगेश गड़ेकर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहपुर, जि.बैतूल श्री अमरलाल यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बारव्ही, जि.बैतूल श्री यादवराव मालवीय (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भौरा, जि.बैतूल श्री सुनील पंवार (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेहरा, जि.बैतूल श्री मनोज सूर्यवंशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पाढ़र, जि.बैतूल श्री अजय मालवीय (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोढ़ा, जि.बैतूल श्री प्रदीप मालवीय (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चौपना, जि.बैतूल श्री उमेश साकरे (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खण्डारा, जि.बैतूल श्री संजय भिकोड़े (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. कनोजिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

दीपावली की शुभकामनाएँ

श्री राजू डाबर
(सहायक आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.के. ओझा
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से
श्री मुन्नालाल जैन (शा.प्र. नरसिंहगढ़)
श्री जवाहरलाल राय (शा.प्र. नोहटा)
श्री राकेश बड़ेराय (शा.प्र. हिंडोरिया)
श्री रामकृपाल चिरोलिया (शा.प्र. मड़ियादो)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पिपरिया चम्पत, जि.दमोह श्री अशोक पटेल (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सिमरी जालम, जि.दमोह** श्री हमीरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कुआखेड़ा नायक, जि.दमोह** श्री आलोक सिंह (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिरोला, जि.दमोह श्री टेकचन्द्र पटेल (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पटना भानगढ़, जि.दमोह** श्री सुरेश उपाध्याय (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बांदकपुर, जि.दमोह** श्री दिनेश गर्ग (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खेजराकलां, जि.दमोह श्री माधव पटेरिया (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खमरिया बिजौरा, जि.दमोह** श्री हमीरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मड़ियादो, जि.दमोह** श्री लक्ष्मण अग्रवाल (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सीतानगर, जि.दमोह श्री माधव पटेरिया (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. घटेरा बनवार, जि.दमोह** श्री सत्तार खान (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भिलौनी खमरिया, जि.दमोह** श्री जगदीश प्रसाद दुबे (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नोहटा, जि.दमोह श्री राकेश जैन (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. हिंडोरिया, जि.दमोह** श्री आलोक सिंह (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. देवरी फतेहपुर, जि.दमोह** श्री कमलेश पटेल (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. रोड, जि.दमोह श्री देवेन्द्र जैन (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गुंजी नोनपानी, जि.दमोह** श्री महेन्द्र सोनी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. वर्धा, जि.दमोह** श्री अजीज खान (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अभाना, जि.दमोह श्री राकेश जैन (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. टिकरी पिपरिया, जि.दमोह** श्री तालिब खान (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. रजपुरा, जि.दमोह** श्री अजीज खान (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मौसीपुरा, जि.दमोह श्री सुरेश उपाध्याय (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बिलाई, जि.दमोह** श्री महेन्द्र सोनी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सनकुईया, जि.दमोह** श्री दिनेश दुबे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

शनिवार की दिवाली का दुर्लभ संयोग

रोशनी सूर्य का प्रतीक है। रोशनी यानी कि प्रकाश को बुद्धि और ज्ञान के प्रतीक रूप में भी जाना जाता है। वैसे भी हमारा देश प्रकाश पूजकों का देश माना जाता है। वैदिककाल से आज तक किसी न किसी रूप में हम सूर्य की पूजा करते रहे हैं। कार्तिक अमावस्या के दिन जब भगवान राम चौदह वर्ष का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे तो अयोध्यावासियों ने उनके स्वागत में दीपमालाएँ जलाकर अपनी खुशी का इजहार किया था। इसी समय से दीपक जलाने की परंपरा शुरू हो गई। छोटी दीपावली से ही लोग अपने घरों के बाहर दीपक रखना शुरू कर देते हैं और भाईदूज के खत्म होने तक दीपक जलाकर रखते हैं। इसके पीछे एक कथा है कि अमावस्या से पितरों की रात आरंभ हो जाती है। हमारे पूर्वज जब हमें आशीर्वाद देने के लिए आएँ तो उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो और वह मार्ग में न भटकें, इसके लिए भी प्रकाश किया जाता है। मनुष्य जीवनपर्यंत अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का ही प्रयत्न करता रहता है। 'तमसो मां ज्योर्तिगमय' **''हे प्रभु, मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।''**

इस वर्ष दीपावली शनिवार को मनाई जाएगी। यह बेहद दुर्लभ संयोग है। इस साल दिवाली (दीपावली) 14 नवंबर 2020 को पड़ रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, शनिवार और शनि का स्वराशि मकर में होना सभी के लिए लाभकारी रहेगा। इसके अलावा 17 साल बाद दिवाली सर्वार्थ सिद्धि योग में सेलिब्रेट की जाएगी। इसके पहले ऐसा शुभ मुहूर्त साल 2003 में बना था। दिवाली पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। ▪

14 नवंबर को ही होगा महालक्ष्मी पूजन

इस साल अमावस्या तिथि 14 नवंबर से प्रारंभ होकर 15 नवंबर को सुबह 10 बजकर 36 मिनट तक रहेगी। ऐसे में दिवाली 14 नवंबर को मनाई जाएगी। चूंकि दीपावली अमावस्या तिथि की रात और लक्ष्मी पूजन अमावस्या की शाम को होता है, इसलिए 14 नवंबर को ही महालक्ष्मी पूजन किया जाएगा।

दिवाली 2020 पर लक्ष्मी पूजन शुभ मुहूर्त

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:28 से शाम 7:24 तक।

सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:49 से 6:02 बजे तक।

प्रदोष काल मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:33 से रात 8:12 तक।

वृषभ काल मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:28 से रात 7:24 तक।

लक्ष्मी पूजा 2020 : चौघड़िया मुहूर्त

दोपहर : 14 नवंबर की दोपहर 02:17 से शाम को 04:07 तक।

शाम : 14 नवंबर की शाम को 05:28 से शाम 07:07 तक।

रात्रि : 14 नवंबर की रात 08:47 से देर रात 01:45 तक।

प्रातःकालः 15 नवंबर को सुबह 05:04 से 06:44 तक।

गृहस्थों के लिए लक्ष्मी पूजा 2020 मुहूर्त

सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:49 से 6:02 बजे तक।

प्रदोष काल मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:33 से रात्रि 8:12 तक।

वृषभ काल मुहूर्त : 14 नवंबर की शाम 5:28 से रात्रि 7:24 तक।

सिंह लग्न मुहूर्त : 14 नवंबर की मध्य रात्रि 12:01 से देर रात 2:19 तक।

व्यापारियों के लिए लक्ष्मी पूजा मुहूर्त

सर्वश्रेष्ठ अभिजीत मुहूर्तः दो.12:09 से शाम 04:05 तक।

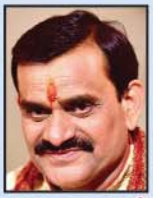

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री एम.एल. रैकवार (शा.प्र. पिपल्या सड़क)
श्री मणिशंकर नागर (शा.प्र. हाटपीपल्या)
श्री रामेश्वर भंडारी (पर्य. हाटपीपल्या)
श्री अकेसिंह सोलंकी (शा.प्र. भौंरासा)
श्री नंदकिशोर बोडाना (शा.प्र. डबल चौकी)
श्री आयुष पाटनी (शा.प्र. देवगढ़)
श्री हुकुमसिंह सोलंकी (पर्य. देवगढ़)
श्री कमलसिंह झोरड़ (शा.प्र. बरोठा)
श्री अनिल दुबे (पर्य. बरोठा)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री चंद्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री के.एन. त्रिपाठी (बैंक सीईओ)

सेवा सह. संस्था मर्या. पिपल्या सड़क, जि.देवास श्री राम चौधरी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. डबल चौकी, जि.देवास** श्री राधेश्याम बोडाना (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. टोंक कला, जि.देवास श्री दीपेन्द्र सिंह (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. नारियाखेड़ा, जि.देवास** श्री कैलाश केलवा (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. आलरी, जि.देवास श्री छीतूसिंह भंडारी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. अकबरपुर, जि.देवास** श्री संतोष नामलिया (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा सोमा, जि.देवास श्री विक्रमसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. भौंरासा, जि.देवास** श्री तेजसिंह राजपूत (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. रतनखेड़ी, जि.देवास श्री राकेश पटेल (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. पोलाय जागीर, जि.देवास** श्री बोन्दरसिंह यादव (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. अरलावदा, जि.देवास श्री मानसिंह सिकरवार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. बौलासा, जि.देवास** श्री राकेश सिंह बैस (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. हाटपीपल्या, जि.देवास श्री भरत कुमार सेन्धव (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. संवरसी, जि.देवास** श्री विक्रमसिंह चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. मानकुंड, जि.देवास श्री कुंजीलाल आनपा (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. बरोठा, जि.देवास** श्री नंदकिशोर नागर (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. नेवरी, जि.देवास श्री बिहारीसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. सन्नौगढ़, जि.देवास** श्री विष्णु मुकाती (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. देवगढ़, जि.देवास श्री हुकुमसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. सोकरिया, जि.देवास** श्री नरहरिसिंह राजपूत (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. बड़िया मांडू, जि.देवास श्री जसवंतसिंह सायल (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. सिरोलिया, जि.देवास** श्री प्रहलाद चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. आमला ताज, जि.देवास श्री भीमसिंह परिहार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. कैलोद, जि.देवास** श्री बनेसिंह देवड़ा (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. टप्पा सुकलिया, जि.देवास श्री भीमसिंह परिहार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. पटाड़ी, जि.देवास** श्री मदनलाल चौधरी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ○ खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ○ कृषि यंत्र के लिए ऋण ○ दुग्ध डेयरी योजना

सौजन्य से :
- श्री बालकृष्ण सोलंकी (शा.प्र. बदनावर)
- श्री विनायक शर्मा (पर्यवेक्षक बदनावर)
- श्री उदयेन्द्रसिंह राठौर (शा.प्र. नागदा)
- श्री ओम नरेन्द्रसिंह सिसोदिया (शा.प्र. कानवन)
- श्री कमल पाटिल (शा.प्र. राजवाड़ा धार)
- श्री पन्नालाल सिसोदिया (पर्यवेक्षक राजवाड़ा धार)
- श्री कुन्दन प्रजापति (शा.प्र. राजगढ़)
- श्री यशवंत सिंह (शा.प्र. सरदारपुर)

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बदनावर, जि.धार श्री वरदीचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गाजनोद, जि.धार** श्री सदाशिव पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. काछी बड़ौदा, जि.धार श्री विनायक शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रेशमगारा, जि.धार** श्री ओमप्रकाश चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. संदला, जि.धार श्री कांतिलाल पाटीदार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नौगाँव, जि.धार** श्री पन्नालाल सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धारसीखेड़ा, जि.धार श्री ओमप्रकाश दशोरे (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तोरनोद, जि.धार** श्री जितेन्द्र यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढोलाना, जि.धार श्री विनायक शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सलकनपुर, जि.धार** श्री दीपक सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घटगारा, जि.धार श्री गोपाल सिसोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहनपुर, जि.धार** श्री अन्तरसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कठोड़िया, जि.धार श्री शंकरदास बैरागी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. राजगढ़, जि.धार** श्री सुनील जायसवाल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बखतगढ़, जि.धार श्री धनपालसिंह चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिंगनोद, जि.धार** श्री नंदकिशोर सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नागदा, जि.धार श्री उदयेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिरला, जि.धार** श्री सुरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मनासा, जि.धार श्री राधेश्याम यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दत्तीगाँव, जि.धार** श्री प्रहलाद वैष्णव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पलवाड़ा, जि.धार श्री उदयेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सरदारपुर, जि.धार** श्री कैलाश मारू (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कानवन, जि.धार श्री ओमप्रकाश चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जोलाना, जि.धार** श्री अनूप मंडलोई (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)

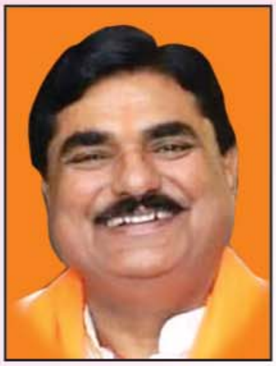

श्री कमल पटेल
(कृषिमंत्री)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की
10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान भाइयों से अपील

नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के
पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही
अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ
और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।

श्री वीरेन्द्र कटारे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री के.डी. अग्निहोत्री
(सचिव)

सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति धार, जि.धार

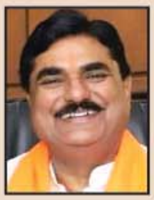

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज

मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ

आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण

कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट

मासिक पत्रिका
'हरियाली के रास्ते'
की 10वीं वर्षगाँठ
पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री विनोद सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.पी. हजारी
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : भोपाल को-ऑपरेटिव सेंट्रल बैंक लि., भोपाल

बढ़ें, पोषण करें और साथ रहें

देविंदर शर्मा » *कृषि विशेषज्ञ*

इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस पर संयुक्त राष्ट्र का संदेश है- बढ़ें, पोषण करें और साथ रहें। कोरोना वायरस के माहौल में दुनिया को समझ में आया है कि भोजन कितनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है और इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने 'बढ़ें, पोषण करें और साथ रहें' पर ध्यान केंद्रित किया है। अब हमें दुनिया में एक ऐसा तंत्र बनाना होगा, जो न केवल कृषि को संकट से निकाले, बल्कि खाद्य तंत्र को उस दिशा में ले चले, जहां सबके लिए पोषण-भोजन का प्रबंध हो सके।

कोरोना के समय पूरी दुनिया को कृषि क्षेत्र एक आधार के रूप में नजर आया है। भारत में देखा गया है, जब इकोनॉमिक ग्रोथ माइनस 23.9 प्रतिशत था, तब कृषि ही सकारात्मक विकास दर को बरकरार रख सकी। कृषि में आपदा के समय भी 3.4 प्रतिशत की विकास दर देखी गई। इस क्षेत्र का महत्व लोगों को पता चल गया। कृषि की इस देश में सिलसिलेवार अनदेखी हुई है, जबकि यह क्षेत्र इस देश की रीढ़ है। दशकों से देश की नीति रही है कि उद्योग जगत के लिए कृषि से समझौता किया जाए। सोच की यह नाकामी आपदा के समय सामने आई है। अब जरूरी है कि हम खेती-किसानी को इतना संपन्न बनाएं कि किसानों की आय बढ़े। फूड ऐंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल क्यू डोंग्यू ने कहा है, 'आज तक हम सोचते थे कि अमीर आदमी के पास पैसा आएगा और वह उसे नीचे पहुंचाएगा, लेकिन यह सोच नाकाम हो चुकी है। अब समय बदल गया है, हमें अपनी सोच को बदलना होगा'।

आज बेशक, दुनिया का ध्यान कृषि क्षेत्र की ओर जाना चाहिए। इसके दो-तीन कारण हैं। भारत में अगर देखें, तो कृषि सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है। 50 प्रतिशत जनसंख्या कृषि से जुड़ी है। 70 प्रतिशत ग्रामीण घर खेती से जुड़े हैं। अब समय आ गया है, हम कृषि को सबके हित में पटरी पर लाएं। कृषि क्षेत्र में इतनी क्षमता है कि उसे हम 'पावर हाउस ऑफ ग्रोथ' बना सकते हैं। कोरोना वायरस के समय यह संदेश साफ उभरकर सामने आया है।

कई दशकों से हमारे देश में जो सोच रही है और जिसे विश्व बैंक और आईएमएफ ने आगे बढ़ाया है कि खेती से लोगों को निकालकर शहर में लाना है। जब लॉकडाउन हुआ, तो लाखों लोग घर वापस गए, सबको पता चला, इतनी बड़ी संख्या में लोगों को शहर लाना गलत नीति थी। अब वापस कोशिश हो रही है कि लोगों को गांव में ही रोका जाए, लेकिन यह काम झटके में संभव नहीं है। गांवों को धीरे-धीरे इस योग्य बनाना होगा कि वे अपने लोगों को संभालकर रख पाएं। इसके लिए गांवों में कृषि को मजबूत करना सबसे जरूरी है। किसी एक गांव या एक राज्य के करने से यह नहीं होगा। हमें मिल-जुलकर एक ऐसा तंत्र बनाना होगा कि हम मिलकर आगे बढ़ें और सबका पोषण करने में कामयाब हों।

ओईसीडी अर्थात ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन ऐंड डेवलपमेंट की एक स्टडी बताती है, वर्ष 2000

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से
श्री प्रमोद पुरोहित
(शा.प्र. पिपरिया)
श्री भगवानदास पाराशर
(शा.प्र. बनखेड़ी)
श्री राजकुमार वर्मा
(शा.प्र. उमरधा)

श्री बी.एस. शुक्ला (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री बी.एस. परते (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.के. दुबे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
श्री राजीव रिछारिया (वित्त प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. देवगाँव पि., जि.होशंगाबाद श्री राजेश शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. चांदोन, जि.होशंगाबाद श्री लक्ष्मीनारायरण पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. तरोनकलां, जि.होशंगाबाद श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पलिया पिरिया, जि.होशंगाबाद श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गाड़ाघाट, जि.होशंगाबाद श्री नारायण पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ईशरपुर, जि.होशंगाबाद श्री सुरेश रघुवंशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रामपुर, जि.होशंगाबाद श्री राघवेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. डगरहाई, जि.होशंगाबाद श्री दामोदरदास बैरागी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सेमरीतला, जि.होशंगाबाद श्री सुनील पुरोहित (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. महुआखेड़ा, जि.होशंगाबाद श्री राजेश शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सांडिया, जि.होशंगाबाद श्री महेन्द्रसिंह पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. दहलवाड़ा, जि.होशंगाबाद श्री सीताराम राय (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. धनासरी, जि.होशंगाबाद श्री राजेन्द्र पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पुरैनाकलां, जि.होशंगाबाद श्री हेमराज पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. खापरखेड़ा, जि.होशंगाबाद श्री राकेश पुरोहित (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. अन्हाई, जि.होशंगाबाद श्री बालमुकुंद पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बनखेड़ी, जि.होशंगाबाद श्री रामगोपाल चौकसे (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मलकजरा, जि.होशंगाबाद श्री किशोर शुक्ला (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. माल्हनवाड़ा, जि.होशंगाबाद श्री दिनेश पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. उमरधा, जि.होशंगाबाद श्री राकेश बसेड़िया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री परमानंद यादव (शा.प्र. देपालपुर)
श्री कैलाश ठाकुर (पर्य. देपालपुर)
श्री राधेश्याम ठाकुर (पर्य. देपालपुर)
श्री हीरालाल यादव (शा.प्र. गौतमपुरा)
श्री नरेन्द्रसिंह परमार (पर्य. गौतमपुरा)

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री बबलू सातनकर (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एस.के. खरे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. छोटी कलमेर, जि.इंदौर
श्री भँवरसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खजराया, जि.इंदौर
श्री कैलाश ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चान्देर, जि.इंदौर
श्री संजय मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लिम्बोदापार, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोकलपुर, जि.इंदौर
श्री गिरधर चन्देल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सगड़ोद, जि.इंदौर
श्री बाबूलाल मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जलोदिया पंथ, जि.इंदौर
श्री मनोहर मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देपालपुर, जि.इंदौर
श्री पर्वतसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बनेड़िया, जि.इंदौर
श्री भवानीशंकर चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. जलोदिया ज्ञान, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्र सिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बछोड़ा, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाश बैरागी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भील बड़ोली, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गिरोता, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. छड़ौदा, जि.इंदौर
श्री हेमसिंह दयाल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अत्याणा, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गौतमपुरा, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेढकवास, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

और 2016 के बीच में किसानों को 45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इससे पता चलता है, किसानों से जुड़ी अर्थव्यवस्था पर हमने जान-बूझकर प्रहार किया है। हर साल किसानों को 2.64 लाख करोड़ रुपये का नुकसान सहना पड़ता है। भारत में किसानों का रोष इसलिए भी बार-बार उभर आता है, क्योंकि किसानों की कमाई या उनका हित सुनिश्चित नहीं है।

किसानों की आय बढ़ाना जरूरी है। दशकों से किसानों की आय कम रही है और किसानों की आय को लगातार कम रखने की कोशिश होती रही है। किसान लगातार मांगते रहे हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को अनिवार्य कर दिया जाए या इस संबंध में एक नया अधिनियम लेकर आया जाए, जिसके तहत कोई भी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे नहीं हो, यह केवल धान और गेहूं के लिए नहीं हो। यह सभी फसलों पर लागू हो। इससे किसानों की आय बढ़ सकती है। दूसरा रास्ता है, कृषि में सार्वजनिक निवेश दशकों से घट रहा है, इसे बढ़ाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट बताती है, साल 2012-2018 के बीच कृषि में सार्वजनिक निवेश 0.3 से 0.4 के बीच में रहा है और इतनी धीमी गति से निवेश होगा, तो कृषि से चमत्कार की उम्मीद गलतफहमी ही होगी। इसे समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि कॉरपोरेट को हर साल जीडीपी का छह प्रतिशत कर रियायत के रूप में दिया जाता है, यही पैसा अगर कृषि में निवेश किया जाता, तो आज हम देखते कि कृषि का रूप ही दूसरा होता।

आज दो चीजें करनी जरूरी हैं। एक तो किसानों की आय बढ़ाने की जरूरत। दूसरी, कृषि-निवेश बढ़ाने की जरूरत। अगर ये दोनों कार्य किए जाएं, तो मुझे लगता है, 'सबका साथ-सबका विकास' के दरवाजे खुल जाएंगे। आत्मनिर्भर होने का रास्ता भी कृषि से होकर जाता है। 60 प्रतिशत लोगों के हाथों में पैसा होगा, तो उससे मांग बढ़ेगी, अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की अर्थव्यवस्था को कृषि आधारित बनाने की जरूरत है, ताकि अन्न या भोजन का अभाव दुनिया के किसी कोने में न रहे। यह माना जा रहा है कि कोरोना वायरस के समय में भूखे लोगों की अतिरिक्त तादाद करीब 15 करोड़ हो जाएगी। भूख के उपचार के बारे में पूरी दुनिया सोच रही है, अब केवल ऊपरी मदद से काम नहीं चलने वाला, जरूरतमंदों को निचले या बुनियादी स्तर पर ही मजबूत करना होगा। आज हाशिये पर खड़े लोगों का हाथ थामना जरूरी है। दुनिया में कोई कमी नहीं है। अगर आज दुनिया में 7.5 अरब लोग रहते हैं, तो करीब 14 अरब लोगों के लिए भोजन उपलब्ध है। यह अलग बात है कि 30 से 40 प्रतिशत के बीच भोजन हर साल बरबाद हो जाता है। अगर कहीं कमी है, तो राजनीतिक सोच या दृष्टिकोण की कमी है।

भूख के मद्देनजर हमारे देश को ज्यादा सजग होना है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2020 बताता है कि दक्षिण एशिया के जितने भी देश हैं, वे भारत से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत 119 देशों के बीच 102वें स्थान पर है। इससे पता चलता है, भारत को अभी बहुत कुछ करना है। विडंबना है, भारत में जो अन्न भंडार हैं, धान और गेहूं, हमारी जरूरत से कहीं ज्यादा हैं। इतना अन्न होने के बावजूद हमारी रैंकिंग अगर 102 आती है, तो यह चिंता का विषय है। कहीं न कहीं भोजन का प्रबंधन खराब हो रहा है। यहां खाना भी अतिरिक्त है और दुनिया के सबसे ज्यादा भूखे भी यहीं हैं, तो हमें सोचना ही पड़ेगा। ■

कोरोना की दूसरी लहर का कहर

राहुल जैकब » *आर्थिक शोधकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार*

कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करना ऐसी दुर्गम सार्वजनिक चुनौती हो गई है कि सरकारी घोषणाएं अक्सर चुनावी घोषणा पत्र की तरह लगने लगी हैं। मार्च में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन विज्ञान के साथ चलने का वायदा कर रहे थे, लेकिन उन्होंने क्या किया? कुछ हफ्तों से वहां शीर्ष वैज्ञानिक 14 दिन के लॉकडाउन की वकालत कर रहे हैं, लेकिन बोरिस जॉनसन उनकी सलाह की अनदेखी करने में लगे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है, एक 'सर्किट ब्रेकर' की जरूरत है, ताकि अस्पतालों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

भारत में विभिन्न प्रकार के आकलन हैं। सितंबर के मध्य में इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा था, 'हमने कोरोना कर्व को इस तरह से संभाला है कि ...हमारे यहां बड़े चरम की स्थिति बिल्कुल नहीं है'। यह बयान आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से दिया गया हो सकता है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास को भी दर्शाता है। जैसा कि हम नव वर्ष पर निजी रूप से कोई संकल्प लेते हैं और फिर बाद में उसे हल्के में लेने लगते हैं, ठीक इसी तरह से हमने शारीरिक दूरी बरतने संबंधी अपने संकल्प को भी हल्के से ले लिया है।

यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में एक बार फिर कोरोना संक्रमण में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका में पिछले सप्ताह 5,00,000 नए मामले दर्ज हुए हैं। टेक्सास की सीमा के पार बसे मैक्सिको के एक शहर की मेयर अमेरिका से आने वालों पर अस्थाई प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही हैं। फिर भी यह विडंबना ही है कि ज्यादातर रिपोर्ट में कुछ तथ्यों का हवाला नहीं है। टेक्सास के अल पासो में अस्पताल पूरी तरह से भर गए हैं और मरीजों को वहां से एयरलिफ्ट करना पड़ रहा है। उधर, फ्रांस ने फिर लॉकडाउन लगा दिया है। इटली ने एक बार फिर सिनेमा हॉल, सभागारों और जिम को बंद करने के आदेश दे दिए हैं। यह हालत तब है, जब उत्तरी गोलार्द्ध में अभी तक कड़ाके की सर्दी की शुरुआत नहीं हुई है।

शारीरिक दूरी बरतने के प्रति उदासीनता असली अपराधी है। यूरोप में गर्मियों में बिना मास्क छुट्टियाँ मनाते लोगों की तस्वीरें सबने देखी हैं। लॉन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच जून में बेलग्रेड के एक नाइट क्लब में मौज-मस्ती करते समूह का नेतृत्व कर रहे थे। यह वही इलाका है, जहां कोरोना की दूसरी लहर कहर ढा रही है।

लेकिन अब कोलकाता से लेकर बेंगलुरु तक के बाजारों से भीड़ की तस्वीरें आ रही हैं, जो आशंकाओं को जन्म दे रही हैं। यह भीड़ अत्यधिक संक्रामक साबित हो सकती है। जैसा कि अशोका यूनिवर्सिटी में महामारी विज्ञानी व प्रोफेसर गौतम मेनन बताते हैं, बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान बरती गई ढिलाई के नतीजे कुछ हफ्ते बाद सामने आएंगे, अस्पताल में दाखिले बढ़ेंगे और गंभीर मामलों में वृद्धि होगी। दिवाली के दौरान भी ऐसी ही स्थिति बनने की आशंका है। फिर भी, भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य

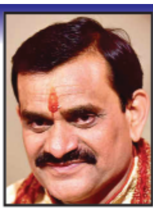

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)

श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री डी.आर.सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : श्री देवेन्द्र मिश्रा (शा.प्र. पेटलावद) श्री भगवानसिंह चौहान (शा.प्र. बामनिया) श्री विक्रम बैरागी (पर्य. बामनिया) श्री कर्मेन्द्र सोलंकी (शा.प्र. झकनावदा) श्री देवीसिंह कलमे (शा.प्र. रायपुरिया) श्री लालसिंह डोडियार (पर्य. रायपुरिया) श्री मनोज शुक्ला (शा.प्र. सारंगी) श्री वरसिंह चौहान (पर्य. सारंगी) श्री पी.एस. मुनिया (शा.प्र. थांदला) श्री गुलाबसिंह निनामा (पर्य. थांदला) श्री राधेश्याम वारिया (शा.प्र. कल्याणपुरा)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पेटलावद, जि.झाबुआ श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मठमठ, जि.झाबुआ श्री वरसिंह चौहान (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. टेमरिया, जि.झाबुआ श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोड़ायता, जि.झाबुआ श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बामनिया, जि.झाबुआ श्री भेरूलाल पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरवेट, जि.झाबुआ श्री अन्नूसिंह गामड़ (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. करवड़, जि.झाबुआ श्री रमेश सोलंकी (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. थांदला, जि.झाबुआ श्री राजू देवदा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खवासा, जि.झाबुआ श्री संतोष पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. परवलिया, जि.झाबुआ श्री अर्जुनसिंह हाड़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भामल, जि.झाबुआ श्री चैनसिंह राठौर (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. हरिनगर, जि.झाबुआ श्री शिवराम श्रीवास्तव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. झकनावदा, जि.झाबुआ श्री दिनेश खतेड़िया (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खजूरी, जि.झाबुआ श्री निहालसिंह कन्नौज (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बौलासा, जि.झाबुआ श्री रतनलाल (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़ी धामनी, जि.झाबुआ श्री राजेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रायपुरिया, जि.झाबुआ श्री लालसिंह डोडिया (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. काकनवानी, जि.झाबुआ श्री गुलाबसिंह निनामा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बेकल्दा, जि.झाबुआ श्री भँवरसिंह चौहान (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कल्याणपुरा, जि.झाबुआ श्री देवीसिंह सिंघल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मोहनकोट, जि.झाबुआ श्री रमेशचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)	आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खेड़ा, जि.झाबुआ श्री नटवरसिंह नायक (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सारंगी, जि.झाबुआ श्री मनोहर वर्मा (प्रबंधक)	समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.) | श्री के. पाटनकर (उपायुक्त सहकारिता) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री ए.के. हरसोला (वरिष्ठ महाप्रबंधक) | श्री गजेन्द्र अत्रे (वित्त प्रबंधक)

सौजन्य से

श्री चम्पालाल यादव (शा.प्र. खण्डवा कृषि) | श्री आर.सी. गंगराड़े (पर्य. खण्डवा कृषि) | श्री चम्पालाल कास्डे (शा.प्र. पंधाना) | श्री शोभाराम मेहरा (पर्य. पंधाना) | श्री पुरुषोत्तम दलाल (शा.प्र. पुनासा) | श्री हरिशंकर शर्मा (पर्य. पुनासा)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बगमार, जिला खंडवा श्री दीपक पटेल (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. अहमदपुर, जिला खंडवा श्री गोकुल पटेल (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. सैय्यदपुर, जिला खंडवा श्री बाबूलाल पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिर्रा, जिला खंडवा श्री राजेश बामटे (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. टेमीकलां, जिला खंडवा श्री मिश्रीलाल पटेल (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. धमनगाँव, जिला खंडवा श्री चुन्नीलाल सोले (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. जसवाड़ी, जिला खंडवा श्री अशोक सोनी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. नाहल्दा, जिला खंडवा श्री विजय लाड़ (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुनासा, जिला खंडवा श्री हरिशंकर शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भागमढ़, जिला खंडवा श्री नानकराम राठौर (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. घाटाखेड़ी, जिला खंडवा श्री धनसिंह परिहार (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. रीछफल, जिला खंडवा श्री हरिशंकर शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ागाँव गूजर, जिला खंडवा श्री अनिल जोशी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. आरूद, जिला खंडवा श्री तेजसिंह चौहान (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़केश्वर, जिला खंडवा श्री हरिशंकर शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. रामेश्वर, जिला खंडवा श्री शरीफ खाँ मंसूरी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. दीवाल, जिला खंडवा श्री शोभाराम मेहरा (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. दौलतपुरा, जिला खंडवा श्री चुन्नीलाल सोले (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ागाँव माली, जिला खंडवा श्री विजय लाड़ (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. पंधाना, जिला खंडवा श्री शोभाराम मेहरा (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. सक्तापुर, जिला खंडवा श्री चुन्नीलाल सोले (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जागरूकता बढ़ी है। हाथ धोने और मास्क पहनने के बारे में सब लोग जानते हैं। सरकार के संचार माध्यमों और दिशा-निर्देशों ने यह कामयाबी हासिल की है, लोग मास्क पहनते हैं, लेकिन मुश्किल यह है कि मुंह और नाक पर मास्क पहनने की जरूरत पर किसी ने जोर नहीं दिया है। जुगाड़-शैली में ज्यादातर लोग मुंह के नीचे या गर्दन के नीचे मास्क बांधे या लटकाए रह रहे हैं। अपरिहार्य फोन संदेशों पर भी लोगों को यह नहीं बताया गया है कि वातानुकूलित कार्यालय या घर में बंद रहना ज्यादा जोखिम भरा है और एक कमरे में सभी खिड़कियां खुली रखकर पंखे की हवा में रहने में कम जोखिम है। अभी भी एक पार्क में या छत पर दोस्तों से मिलने के बजाय कमरे में मिलना खतरनाक हो सकता है।

पिछले सप्ताह मैंने सुना, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के प्रबंधक अपने ग्राहकों के सामने आरोग्य सेतु जैसे विवादास्पद एप को डाउनलोड करने की जरूरत को जोर-शोर से साबित करने में लगे थे, इसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का भी निर्देश बता रहे थे। कोरोना से बचाव के लिए ज्यादा बेहतर होता कि वह अपने बैंक कार्यालय की खिड़कियों को खुली रखवाते, बैंककर्मियों की कुर्सियां-मेज बड़े व खुले उस गलियारे में लगवाते, जो एक तरफ सड़क की ओर खुलता है।

मैंने महामारी के शुरुआती महीनों में ही उबर की कारों में ड्राइवर और सवारी के बीच प्लास्टिक की शीट देखी थी, ताकि दोनों परस्पर संपर्क से बचें, लेकिन ऐसी कोशिशें नाकाफी हैं। देश की मालदार कंपनियों को अपने कर्मचारियों व अपने ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए और अधिक उपाय करने चाहिए।

दुनिया भर में कोरोना की दूसरी लहर चल रही है, हम सावधान न हुए, तो एक वैक्सीन के आने के बाद भी इस वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर रहेगी। पहली पीढ़ी के वैक्सीन के 100 प्रतिशत कारगर होने की उम्मीद नहीं है। लंबी सर्दियों के उस पार बढ़ते संक्रमण से वैक्सीन अभियानों को जूझना पड़ेगा। पिछले महीनों के अनुभव यही बताते हैं कि जैसे ही वैक्सीन का आगमन होगा, शारीरिक दूरी के प्रति उदासीनता बढ़ जाएगी।

मैंने कोरोना प्रजाति की बीमारी सार्स को देखा और रिपोर्ट किया है, जब 2003 के वसंत में हांगकांग में इस बीमारी का प्रकोप हुआ था। नतीजतन, मुझे इस कोविड महामारी की शुरुआत से ही विश्वास था कि मास्क पहनना और शारीरिक दूरी बनाए रखना सबसे कारगर उपाय होगा। पूर्वी एशिया के देशों में लोग पिछले एक-डेढ़ दशक से मास्क पहनने के रिवाज का पालन कर रहे हैं। भले ही उन्हें सामान्य रूप से जुकाम हुआ हो, लेकिन वे मास्क पहनते हैं। और, इसलिए यह महामारी कोरिया से ताइवान और यहां तक कि बहुत कम विकसित वियतनाम में ज्यादा नहीं फैली है। ये कई वजहों से चमत्कारी एशियाई अर्थव्यवस्था वाले देश कहलाते हैं, क्योंकि यहां सामाजिक अनुशासन पुख्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर है। ■

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

306/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

कोविड महामारी, आत्मनिर्भर भारत और सहकारिता

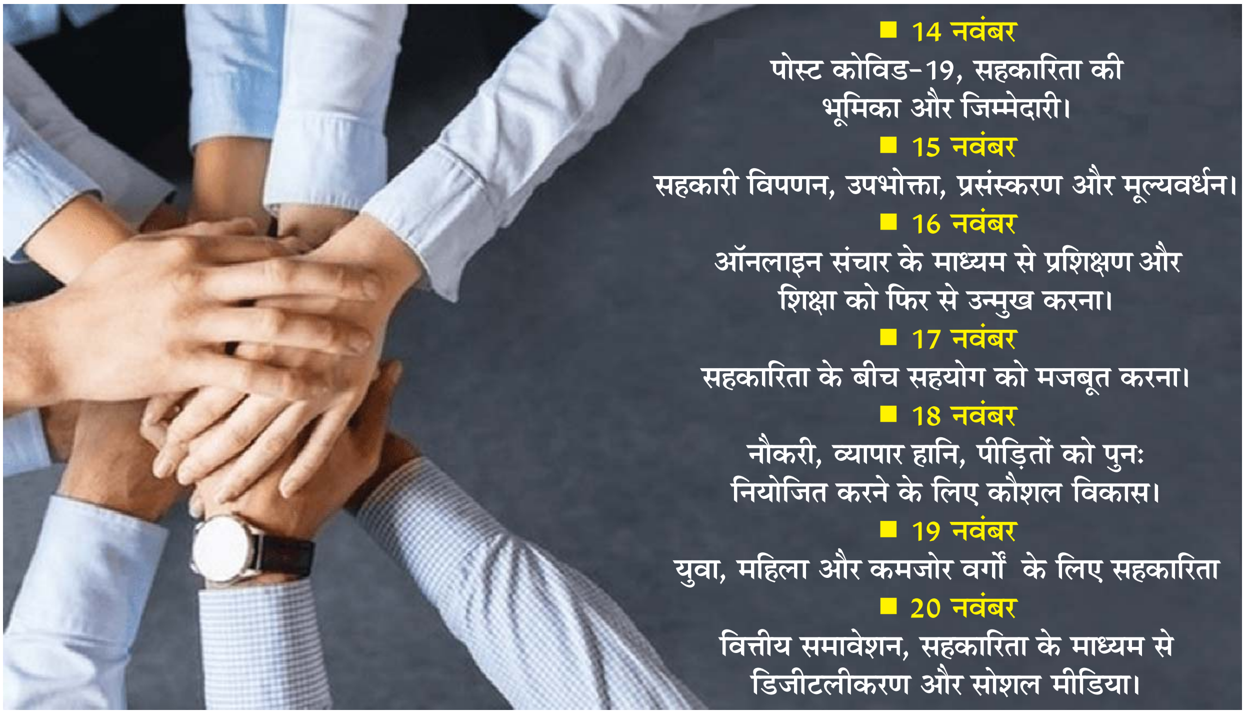

67वाँ अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह 14 से 20 नवम्बर, 2020 तक मनाया जायेगा। इस वर्ष सहकारी सप्ताह का विषय होगा- 'कोविड महामारी, आत्मनिर्भर भारत और सहकारिता'। इस अवसर पर सहकारी कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार एवं सहकारी आन्दोलन के प्रति जागृति हेतु विचार गोष्ठियॉं, सामान्य निकाय की बैठक, सहकारिता से सम्बन्धित वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ द्वारा 67वाँ अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह दिनांक 14 से 20 नवंबर 2020 तक मनाया जा रहा है। सहकारी समितियों में सप्ताह भर चलने वाले समारोहों में उनकी सफलता की कहानियों को उजागर करने, उनकी उपलब्धियों और परियोजना के लिए अवसर, भविष्य की कार्य योजना को चाक-चौबंद करने का प्रयास किया जाएगा जो सहकारी विकास को एक नई दिशा प्रदान कर सके। प्रतिवर्ष सहकारी सप्ताह में विभिन्न कार्यशालाओं / सेमिनारों / प्रतियोगिताओं और अन्य कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है जो विभिन्न सहकारी संगठनों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इससे जनसामान्य के बीच सहकारी जागरूकता उत्पन्न होती है और सहकारी आंदोलन के साथ जनता जुड़ती है।

इस वर्ष के सहकारिता सप्ताह समारोह का विषय है- 'कोविड-19 महामारी, आत्मानिर्भर भारत और सहकारिता। इस वर्ष पूरी दुनिया ने कोरोना महामारी का दृढ़तापूर्वक सामना किया। साथ ही बाढ़, टिड्डी हमला, भूकंप जैसी चुनौतियाँ भी हमारे समक्ष थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा दिया जो हमें इन संकटों से उबारने में सहायता करेगा। इस नारे के साथ संकट को अवसर में बदलना होगा। आत्मनिर्भर भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा है। आत्मनिर्भर भारत के लिए सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए 20 लाख करोड़ का आत्मनिर्भर पैकेज जारी किया था, जिससे अर्थव्यवस्था में सुधार किया जा सके।

आत्मनिर्भर भारत के मिशन को पूरा करने के लिए सहकारी समितियों महत्वपूर्ण भूमिका

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

दीपावली की शुभकामनाएँ

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री भारत सिंह चौहान (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक) | श्री जगदीश पाटीदार (शा.प्र. कयामपुर) | श्री माँगीलाल कमलवा (शा.प्र. शहर शाखा) | श्री अरविंद रावल (शा.प्र. भावगढ़) | श्री गोपाल राठौड़ (शा.प्र. नाहरगढ़)

श्री रामप्रसाद मालवीय (पर्य. कयामपुर) । श्री विजय कुमार गुप्ता (पर्य. शहर शाखा) । श्री दशरथ भटेवरा (पर्य. भावगढ़) । श्री कैलाशचंद दरौदा (पर्य. नाहरगढ़)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढिकोला, जि.मंदसौर
श्री विजय कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नांदवेल, जि.मंदसौर
श्री हरिओम बैरागी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आलोट, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर कुमावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सूठी, जि.मंदसौर
श्री राकेश चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुजरदा, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर कुमावत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नाहरगढ़, जि.मंदसौर
श्री पवन जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रेवास देवड़ा, जि.मंदसौर
श्री श्यामलाल साहू (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पि. कराड़िया, जि.मंदसौर
श्री मनोज शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुल्तानपुरा, जि.मंदसौर
श्री गोविंदसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिल्लोद, जि.मंदसौर
श्री कैलाश दशोरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खिलचीपुरा, जि.मंदसौर
श्री विजय कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपल्या जोधा, जि.मंदसौर
श्री कैलाश दशोरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.नरसिंहपुरा , जि.मंदसौर
श्री अनिल पालीवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कयामपुर, जि.मंदसौर
श्री मदनलालजी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घरियाखेड़ी, जि.मंदसौर
श्री भेरूलाल प्रजापति (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरी गौड़, जि.मंदसौर
श्री मदनलालजी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भावगढ़, जि.मंदसौर
श्री दशरथ भटेवरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नाटाराम, जि.मंदसौर
श्री रामप्रसाद मालवीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेहपुर, जि.मंदसौर
श्री वीरेन्द्र सिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ऐरा, जि.मंदसौर
श्री देवीलाल नीमा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री पी.के. सिद्धार्थ
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अखिलेश निगम
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री पंकज गुप्ता
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.सी. पटले
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. नरसिंहपुर

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एस. शुक्ला
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री बी.एस. परते
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.के. दुबे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
श्री राजीव रिछारिया
(वित्त प्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. होशंगाबाद

निभा सकती हैं। सहकारिता के माध्यम से कोविड महामारी में मौद्रिक सहायता, सामाजिक कार्य, भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सहकारिता का विचार हमारे देश में आज से लगभग 100 वर्ष पूर्व अपनाया गया तथा महसूस किया गया था कि इसके द्वारा अनेक ग्रामीण तथा शहरी समस्याओं को हल किया जा सकेगा। देश को स्वतंत्र हुए 73 वर्ष हो चुके हैं, परन्तु सहकारिता के संबंध में हमारी उपलब्धियां केवल आलोचनाओं एवं बुराइयों तक ही सीमित रह गयी हैं, जबकि लक्ष्य इसके विपरीत था। आखिर ऐसी कौन सी बात है जिससे हमें यह प्रतिफल दिखाई दे रहा है। सन 1904 में सर्वप्रथम यह विचार अपनाया गया। उस समय देश परतंत्र था। अतः विदेशी शासकों नए अपने हितों को ध्यान में रखकर इसे ज्यादा पनपने नहीं दिया। परन्तु स्वतंत्रता प्राप्ती के बाद हमारे देशवासियों को ही यह कार्य-भार सौंपा गया। फिर भी अभी तक अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके हैं। अत् इस पर गम्भीरता से विचार करने कि आवश्यकता है। सर्वप्रथम तो यह तय करना होगा कि सहकारिता को वास्तविक रूप से हम ग्रामीण जीवन में उतारना चाहते हैं या घोषणा पत्रों तथा सरकारी एवं सहकारी दिखावे के रूप में इसे कार्यालयों तक ही सीमित रखना चाहते हैं। वास्तव में सहकारिता कोई सैधांतिक बात नहीं है, बल्कि इसका गहरा संबंध तो सामान्य व्यक्ति कि भावना से है जहां निश्चित रूप से यह अपने उद्देश्यों में सफल हो सकती है।

हमारे देश के सर्वागीण विकास कि दो प्रमुख धाराएँ हैं :- (1) ग्रामीण विकास (2) शहरी विकास। ग्रामीण विकास का सम्बन्ध देश कि 70 प्रतिशत जनसंख्या से है, जबकि शहरी विकास ला सम्बन्ध देश की 30 प्रतिशत जनसंख्या से है। यातायात एवं संचार की सुविधाओं नए देश में शहरीकरण को बहुत अधिक प्रोत्साहित किया है। हर व्यक्ति किसी न किसी बड़े शहर में रहना चाहता है, भले ही वहां का जीवन कष्टपूर्ण हो। अत् हमें विकास की दिशा को पूर्णत ग्रामीण क्षेत्रों की ओर मोड़ना होगा, और इस कार्य के अंतर्गत हमें गाँवों में शहरीकरण को प्रोत्साहन देना होगा, अर्थात वे सब सुविधाएँ जिनके कारण व्यक्ति गाँवो से शहर की ओर भाग रहा है, गाँवों में उपलब्ध करनी होगी। इस महत्वपूर्ण कार्य को सहकारिता के माध्यम से ही संपन्न किया जा सकता है। गाँधी जी भी कहा करते थे- 'बिना सहकार नहीं उद्धार'।

लेकिन सहकारिता आन्दोलन मुख्यतः सरकारी नीतियों तथा कारवाइयों का परिणाम है। एक लम्बे समय तक सरकार ने इस पर अपना नियन्त्रण रखा, जिसके फलस्वरूप स्वतंत्रता के पश्चात केवल वही नेता समितियों पर अपना वर्चस्व कायम रख सके जिन्होनें सरकार पर कुछ प्रभाव डालने का प्रयास किया।

भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था सहकारियों का कार्यक्षेत्र

सहकारिता और उसके उद्देश्य को देखते हुए ऐसा लगता है कि भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का जो ढाँचा एवं क्षेत्र है; वह सम्पूर्ण विकास कि दृष्टि में सिर्फ सहकारिता का ही कार्यक्षेत्र हो सकता है।

आज भारत कि आर्थिक व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण विकास पर आधारित है। भारत कि लगभग 70 प्रतिशत आबादी भारत के लगभग 6 लाख ग्रामों में रहती है जो कृषि तथा कृषि पर आधारित उद्योगों पर आश्रित है। शेष 30 प्रतिशत लोग शहरों में निवास करते हैं। भारत भौगोलिक क्षेत्रफल में लगभग 90न्न भूमि का उपयोग किया जाता है। वन 6.57 करोड़ हेक्टेयर में फैले हैं तथा बोई गई भूमि का क्षेत्रफल 13.94 करोड़ हेक्टेयर है और फसलें 16.40 करोड़ हेक्टेयर में उगाई जाती हैं, किन्तु सिंचित क्षेत्रफल केवल 23 प्रतिशत (फसली क्षेत्र का)है। आज भी सम्पूर्ण देश में 7.05 करोड़ कृषि जोते हैं और औसत जोत का क्षेत्रफल 2.06 प्रति हेक्टेयर आता है। खाद्यान फसलों का

उत्पादन 80 प्रतिशत तथा अन्य फसलें 20 प्रतिशत उत्पादित कि जाती हैं। राष्ट्रीय आय में कृषि उत्पादन से होने वाली आय लगभग 48 प्रतिशत है।

परम्परागत रूप से चली आ रही भारत कि भौगोलिक, सामाजिक व्यवस्था में यह बात निर्विवाद हो चली है कि आरम्भ से ही ह एक कृषि प्रधान देश है और भविष्य में भी यह आधार बना रहेगा; ऐसी धारणा सभी की है। इसलिए ग्रामों का देश भारत सहकारिता के लिए व्यापक कार्यक्षेत्र है। जहाँ सहकारिता अपने सभी उद्देश्यों को ग्रामीण विकास प्रक्रिया में सहज ही प्राप्त कर सकती है।

ग्रामीण विकास : श्रेष्ठतम आधार

देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या का विकास करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र को विकसित करना अनिवार्य ही नहीं वरन एकमात्र श्रेष्ठतम विकल्प है। रास्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने राजनीतिक

आंदोलन के साथ ही ग्रामीण विकास का नारा दिया था; क्योंकि, ÷ भारत ग्रामों में निवास करता है÷। ग्राम उनके विकास कार्यक्रम का आधार है। भारत के प्रत्येक व्यक्ति को खाना, कपड़ा, रोजगार उपलब्ध कराना गाँधी का एकमात्र लक्ष्य था। गांधीजी के विचारानुसार आदर्श ग्राम पूर्णतया स्वावलम्बी होना चाहिए, घरों में प्रयाप्त प्रकाश एवं हवा की व्यवस्था होनी चाहिए, वे सभी स्थानीय साधन सामग्री से सम्पन्न होने चाहिए। उनमें पानी की उचित व्यवस्था के साथ-साथ आपसी भेद-भाव मिटाने के लिए सार्वजानिक मिलन-स्थल भी होनी चाहिए। सार्वजनिक चरागाह, दुग्धशाला, शिक्षा संस्थाएँ, जिनमें ओद्योगिक शिक्षा उपलब्ध हो तथा अपनी पंचायत प्रत्येक ग्राम में होनी चाहिए, रक्षा के लिए ग्रामरक्षक भी होना चाहिए- ऐसी थी गांधीजी की कल्पना जिसे हम व्यावहारिक स्वरूप में परिवर्तित करने का सतत प्रत्यन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सहकारी नीति संकल्प

राज्यों के सहकारिता मंत्रियों ने 1978 में हुए सम्मेलन में राष्ट्रीय आयोजन तथा विकास में सहकारी आन्दोलन की भूमिका और सहकारी आन्दोलन के लोकतंत्री स्वरूप तथा सहकारी संस्थाओं की व्यापार कुशलता को बढ़ावा देने व् बनाये रखने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, ग्रामीण विकास के लिए निम्न संकल्प किए :-

1. सहकारी समितियों का निर्माण विकेन्द्रित, श्रम प्रधान ग्रामोन्मुख आर्थिक विकास के एक प्रमुख साधन के रूप में किया जायगा।

2. सहकारी आन्दोलन का विकास 'निर्बलों की ढाल' के रूप में किया जाएगा। छोटे और सीमान्त किसानों तथा खेतिहर मजदूरों, ग्रामीण कारीगरों और मध्यम तथा निम्न आय वर्गों के साधारण उपभोक्ताओं की सहकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ज्यादा मौका दिया जायगा।

3. सम्पूर्ण तथा व्यापक ग्रामीण विकास के लिए ऋण, कृषि निवेश की आपूर्ति, डेयरी, कुक्कुट पालन, मछली पालन, सूअर पालन सहित कृषि उत्पादों, आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं के विपणन और वितरण में सम्बन्ध बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में एक मजबूत, जीवन तथा समन्वित सहकारी प्रणाली बनाई जायगी।

4. सहकारी कृषि संसाधनों और औद्योगिक इकाइयों का (प्रत्येक स्थान-ग्राम एवं शहर में) जल बिछाया जायेगा जिससे उत्पादकों तथा उपभोक्ताओ के बीच लाभकर आर्थिक सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।

5. उपभोक्ता सहकारी आन्दोलन का निर्माण इस प्रकार किया जायेगा जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली (शहर तथा ग्राम दोनों में) मजबूत हो और उपभोक्ता संरक्षण को सहारा मिले, तथा वह मूल्य स्थिरीकरण का साधन बन सके।

सहकारिता की परिधि के अन्तर्गत सभी प्रकार के आर्थिक कार्यक्रम आते हैं, चाहे वे कृषि, विपणन,आपूर्ति, उद्योग, प्रक्रिया अथवा अन्य किसी भी सम्बन्धित क्रिया से जुड़े हों। कहने का तात्पर्य यह है कि सहकारिता के लिए 'जहाँ न आये रवि वहां जाये कवि÷ वाली कल्पना साकार होती है। इतना ही नहीं ग्राम से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक, प्रत्येक स्तर पर सहकारी संगठन कार्यरत ही नहीं, निरंतर बढ़ते चले जा रहे हैं। अतएव ग्रामीण विकास कार्यक्रम, एक प्रकार से सहकारिता का ही एक अंग माना जा सकता है क्योंकि सहकारिता के क्षेत्र ग्राम से भी आगे हैं।

वास्तविक रूप से सहकारिता आन्दोलन का प्रादुर्भाव ग्रामवासियों की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए ही हुआ। सहकारिता ने भारत में 90 प्रतिशत ग्रामों से अधिक की अपनी कार्य परिधि कार्यक्षेत्र में लिया है। औसतन प्रत्येक चार ग्रामों की बीच एक ग्रामीण सहकारी समिति कार्यरत है। सहकारी सिध्दान्तो के अनुसार कार्य करने से ग्राम जन-समुदाय अपने आप ही सहकारिता की प्रगति को ग्रामीण विकास मानने लगा है। सहकारिता की मुख्य रणनीति स्थानीय संसाधनों को विकसित कर उनका जनता के लिए उपभोग करना है जो ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अनुरूप है। नियोजकों तथा विशेषज्ञों के साथ एक कमी रही है कि उन्होंने सहकारिता सहकारी इकायों जो मात्र ÷इनपुट÷ प्रदान करने वाली संस्था समझा, जबकि वास्तविक रूप से ये संस्थाएं सभी प्रकार का कार्य करने में न केवल सक्षम है वरन कर भी रही है और इस प्रकार ये ग्रामीण विकास के ÷मुख्य केन्द्र÷ के रूप में काम कर रही हैं। इनकी क्षमता का पूर्ण उपयोग करना वर्तमान स्तिथि में आवश्यक ही नहीं अनिवार्य हो गया है। सहकारिता का संगठनात्मक ढाँचा, कार्यप्रणाली, सिध्दान्त, जन-समुदाय कि साझेदारी, वित्तीय सुदृढता, विस्तार, आदि ऐसे आधार हैं जिनसे ग्रामीण विकास का मुख्य तथा एकमात्र साधन 'सहकारिता' ही सिद्ध किया जा सकता है। ■

दीपावली की शुभकामनाएँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एस. शुक्ला (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री बी.एस. परते (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.के. दुबे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
श्री राजीव रिछारिया (वित प्रबंधक)

सौजन्य से
श्री अशोक दुबे (शा.प्र. होशंगाबाद)
श्री राजेन्द्र पालीवाल (पर्यवेक्षक होशंगाबाद)
श्री कमलेश पटेल (शा.प्र. शोभापुर)
श्री अखलेश द्विवेदी (शा.प्र. सोहागपुर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांद्राखेड़ी, जि.होशंगाबाद
श्री राजेन्द्र पालीवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रायपुर, जि.होशंगाबाद
श्री राजेन्द्र पालीवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जासलपुर, जि.होशंगाबाद
श्री मदन सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निमसाड़िया, जि.होशंगाबाद
श्री मनीष मलैया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बुधवाड़ा, जि.होशंगाबाद
श्री नारायण राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सावलखेड़ा, जि.होशंगाबाद
श्री सुरेश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुनौरा, जि.होशंगाबाद
श्री दुर्गेश गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोहना, जि.होशंगाबाद
श्री मनमोहन शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डोलरिया, जि.होशंगाबाद
श्री चतुर्भुज भाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमरीखुर्द, जि.होशंगाबाद
श्री करतारसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मिसरोद, जि.होशंगाबाद
श्री ज्ञानेश्वर गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नानपा, जि.होशंगाबाद
श्री कमलेश गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शोभापुर, जि.होशंगाबाद
श्री दयाशंकर पुरोहित (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खिड़िया, जि.होशंगाबाद
श्री सेवकराम पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रानी पिपरिया, जि.होशंगाबाद
श्री भारतभूषण दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ठीकरी, जि.होशंगाबाद
श्री संतोष ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सौसरखेड़ा, जि.होशंगाबाद
श्री नरेश व्यास (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माछा, जि.होशंगाबाद
श्री ऋषिवन गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चंदेरी, जि.होशंगाबाद
श्री घनश्याम गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोहागपुर, जि.होशंगाबाद
श्री शिवकुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खपरिया, जि.होशंगाबाद
श्री राजेन्द्र कुमार दीवान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करनपुर, जि.होशंगाबाद
श्री महेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बारंगी, जि.होशंगाबाद
श्री अशोक रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नबलगाँव, जि.होशंगाबाद
श्री रघुवीर ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कामती रंगपुर, जि.होशंगाबाद
श्री रामगोपाल यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टेकापार, जि.होशंगाबाद
श्री वीरेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

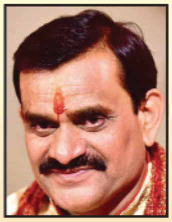

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री एम.के. ओझा
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री करुणेन्द्रसिंह
(अध्यक्ष : सीसीबी छतरपुर)

सौजन्य से
श्री सुरेन्द्र सुलेरे (शा.प्र. बड़ा मलहरा)
श्री लक्ष्मीप्रसाद पटेल (शा.प्र. घुवारा)
श्री विवेक भारती (शा.प्र. ईसानगर)

उपाध्यक्ष : श्री जयकृष्ण चौबे
संचालकगण : श्री मलखान सिंह, श्रीमती विद्या अग्निहोत्री, श्रीमती लक्ष्मी चौबे, श्रीमती कमला वर्मा, श्री गुबंदी सौर, श्री हरिराम यादव

श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री अशोक शुक्ला
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री के.एल. रायकवार
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बड़ा मलहरा, जि.छतरपुर
श्री दुर्गाप्रसाद यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सरकना, जि.छतरपुर
श्री नत्थू खाँ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बंधा, जि.छतरपुर
श्री आशाराम यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सेवार, जि.छतरपुर
श्री चन्द्रप्रकाश जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बीरो, जि.छतरपुर
श्री लखनलाल विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बमनौरा, जि.छतरपुर
श्री हरिराम लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. डिकोली, जि.छतरपुर
श्री हरिओम अग्निहोत्री (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रामटोरिया, जि.छतरपुर
श्री यादवेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सेंधपा, जि.छतरपुर
श्री जाहरसिंह घोष (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ईसानगर, जि.छतरपुर
श्री संतोष पटैरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मैलवार, जि.छतरपुर
श्री बृजेश कुमार दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रामपुर, जि.छतरपुर
श्री हरिशंकर यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कर्री, जि.छतरपुर
श्री रामसुरेश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गहरवार, जि.छतरपुर
श्री राजेश यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. घुवारा, जि.छतरपुर
श्री बाबूसिंह चंदेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सलैया, जि.छतरपुर
श्री शिवपूजन शुक्ला (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पनवारी, जि.छतरपुर
श्री रामप्रसाद लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रनगुवां, जि.छतरपुर
श्री रामविशाल बादल (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भगवां, जि.छतरपुर
श्री अरविन्द सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बंधीकला, जि.छतरपुर
श्री मोहनलाल साहू (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता के पितृ-पुरुष

मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को ऊंचाई तक पहुँचाने के लिए अनेक लोगों का योगदान रहा है। छोटी-छोटी संस्थाओं की इकाई खड़ी करना और उसे दिन रात की मेहनत से दहाई में बदलकर सहकारिता क्षेत्र के कुछ आधार स्तंभों ने मप्र में दूर-दराज के क्षेत्रों तक विकास को ले जाने का काम किया है। हम प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए काम करने वाले ऐसे ही कुछ कर्मवीरों को याद कर रहे हैं जिन्होंने कतार के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने का सपना देखा और उसे साकार भी किया।

स्व.काशीप्रसादजी पांडे

स्व. पं. काशी प्रसादजी पांडे का जन्म 1887 में जानसन गंज (इलाहाबाद) में स्व. जयराम पांडे के घर में हुआ। आपने एम.ए. एल.एल.बी. तक शिक्षा प्राप्त की। पं. काशीप्रसादजी अनेक सहकारी संस्थाओं से संबद्ध रहे। 1922 से 1972 तक आप निरंतर विष्णुदत्त को-ऑपरेटिव बैंक, जबलपुर से जुड़े रहे। स्व. काशीप्रसादजी विष्णुदत्त को- ऑपरेटिव बैंक और राज्य सहकारी बैंक के संस्थापक सदस्य भी रहे। विष्णुदत्त को-ऑपरेटिव बैंक सिहोरा जो बाद में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के रूप में प्रसिद्ध देश की प्रथम सहकारी बैंक के रूप में प्रतिष्ठित हुई। आपका स्वर्गवास 1 मार्च 1984 को हुआ।

पं. रामगोपाल तिवारी

स्व. श्री पं. रामगोपाल तिवारी का जन्म 31 अगस्त 1917 को गणेश चतुर्थी के दिन बिलासपुर जिले में हुआ। आपकी शिक्षा और सहकारिता में गहरी रूचि रही है। 1951 में इन्होंने सहकारी बैंक के उपसचिव निर्वाचित हो सहकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया। 1956-73 के बीच के बिलासपुर जिला सहकारी संघ, उपभोक्ता भंडार एवं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष एवं संचालक आदि पदों पर भी रहे। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के 10 वर्ष तक अध्यक्ष रहे हैं। प्रदेश के सभी सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सहकारिता का प्रदेश व्यापी विस्तार प्रसार हुआ। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ भोपाल के भी 10 वर्ष तक अध्यक्ष रहे हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ मर्यादित (एन.सी.सी.एफ.), नई दिल्ली के निदेशक मंडल एवं कार्यकारिणी समिति के 1973 के सदस्य रहे। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक अद्वितीय सहकारी नेतृत्व के रूप में स्थापित रहे। राष्ट्रीय-उपभोक्ता सहकारी संघ दिल्ली के 1983 में 3 वर्षों के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा उसके गुणात्मक विकास में राष्ट्रव्यापी योगदान दिया। म.प्र. में इसका प्रथम कार्यालय खुलवाया। आपने सहकारिता के क्षेत्र में विश्व का व्यापक रूप से भ्रमण किया है।

स्व. लक्ष्मण प्रसाद भार्गव

उज्जैन ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में कौन नही जानता बहुमुखी प्रतिमा के धनी सुप्रसिद्ध व लब्ध प्रतिष्ठित भार्गव परिवार में जन्मे स्वर्गी पं. राम प्रसादजी भार्गव के पुत्र स्व. श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव को। प्रदेश ही नहीं वरन पूरे देश के सहकारी जगत में श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव का नाम एक कर्मठ व सुयोग्य कार्यकर्ता के रूप में प्रख्यात रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर श्री भार्गव के सेवाओं को मान्यता प्रदान करते हुए भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री देवगोड़ा ने उन्हें 'बेस्ट को-ऑपरेटर' के सम्मान से नवाजा था। इसी प्रकार विधि जगत में श्री लक्ष्मणप्रसाद भार्गव की सेवाओं की मान्यता प्रदान कर बार काउंसिल ऑफ इंडिया का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के प्रारंभ से ही वे सदस्य रहे तथा वर्षों तक उसके उपाध्यक्ष व अध्यक्ष रहे।

दाऊ सरदासिंहजी

स्व. श्री सरदारसिंह बुंदेला (दाऊ साब) का जन्म 9 मार्च 1927 को टीकमगढ़ जिले के ग्राम देवरदा में भुजबलसिंह बुंदेला के घर हुआ। इंटर पास दाऊ साब टीकमगढ़ जिले में सहकारिता आंदोलन के प्रवर्तकों में से थे। रचनाकार प्रथम पुरुष थे। टीकमगढ़ जिले में 1963 में सहकारी बैंक ने कार्य प्रारंभ किया था। हालाँकि 1956 में विंध्य सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. रीवा की एक शाखा की स्थापना की गई थी। बाद में 1959 में अपेक्स बैंक की एक शाखा बुंदेलखंड के नाम से स्थापित की गई थी। जब 1 जुलाई 1963 को बैंक ने विधिवत कार्य प्रारंभ किया तो प्रथम सहकारी बैंक का प्रथम अध्यक्ष स्व.दाऊ साहब को निर्वाचित किया गया था तथा आप वर्ष 1967 से 1977 तक भी बैंक के अध्यक्ष रहे। आप 16 दिसंबर 1982 को असीम में विलीन हो गए।

स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल

स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल का जन्म 1 जुलाई 1932 को अम्बिकापुर में हुआ। आपने हिन्दी व राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर तक शिक्षा ली तथा एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। स्व. श्री ताराचंद अग्रवाल म.प्र. की सहकारिता की अमूल्य धरोहर रहे हैं। आपने प्रदेश की शीर्ष सहकारी संस्थाओं में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आप म.प्र. राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक में 1966 से 1970 तक उपाध्यक्ष रहे तथा बाद में अध्यक्ष बने। आप राज्य सहकारी बैंक व राज्य सहकारी संघ में भी विभिन्न पदों पर आसीन रहे। सरगुजा जिला सहकारी भूमि विकास बैंक, जिला सहकारी संघ तथा विपणन सहकारी संस्था में भी पदाधिकारी रहे हैं।

आनंद नारायण मुशरान

श्री मुशरान सन् 1935 में नरसिंहपुर म्युनिसिपल कमेटी के सचिव, 1936 में लोकल बोर्ड के अध्यक्ष, 1937 में केंद्रीय सहकारी बैंक के संयुक्त मानसेवी सचिव, 1939 से 1942 तक जिला कौंसिल के अध्यक्ष, 1947 से 1952 तक नरसिंहपुर जनपद सभा के अध्यक्ष, 1957 से 63 तक केंद्रीय सहकारी बैंक के सचिव, 1965 से 66 तथा 74 में पुनः केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष, 1975 से 77 तक नरसिंहपुर जिला भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1972 से 75 तक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक भोपाल के उपाध्यक्ष रहें। आपने अंतरराष्ट्रीय सहकारी महासंघ के आमंत्रण पर वर्ष 1974 में लंदन में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया था।

डॉ. नारायणप्रसाद सोनी

माँ नर्मदा नदी के पावन भूमि मंडला मुख्यालय से 20 कि.मी. दूरी पर स्थित ग्राम बम्हनी बंजर में दिनांक 19.3.1923 को डॉ. नारायण प्रसाद सोनी का जन्म हुआ। आप प्रारंभ से ही समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में जुड़े रहे। डॉ. सोनी विपणन सहकारी समिति मर्यादित, मंडला से बैंक का प्रतिनिधित्व करते हुए 11.7.72 को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मंडला के अध्यक्ष पद पर पदासीन हुए तथा 5 वर्षों तक सराहनीय योगदान दिया। श्री सोनी 21.9.77 तक अध्यक्ष पद पर पदासीन रहे। इसी दरम्यान म.प्र. राज्य सहकारी बैंक, भोपाल के संचालक मंडल में संचालक पद पर बैंक का प्रतिनिधित्व किया। 14.8.85 को उनका देहावसान हुआ।

स्व. ठाकुर शिवकुमार सिंह

सहकारिता के विकास को नए आयाम देने वाले स्व. ठा.शिवकुमार सिंह का जन्म 26 जनवरी 1944 को श्री नवलसिंह के घर हुआ। एम.कॉम., एल.एल.बी करने के बाद आपको साहित्य रत्न की उपाधि दी गई। आप 1981से नवलसिंह सहकारी शक्कर करखाना खलकोद के अध्यक्ष रहे तथा 1984 में नवलसिंह सूत मिल खरकौद की स्थापना की तथा संस्थापक अध्यक्ष भी बने तथा 1993 में किसान सहकारी अपारंपरिक विद्युत उत्पादन समिति खदकौल की स्थापना की व संस्थापक अध्यक्ष रहे। आपने बुरहानपुर नगर व जिले की अनेक सामाजिक सांस्कृतिक रहे। आप कृषि की उन्नति के लिए कृत संकल्प थे। ■

बिगड़े वनों का पुनर्स्थापन निजी निवेशकों के जिम्मे देंगे

भोपाल। वनमंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा है कि प्रदेश के बिगड़े वनक्षेत्रों को तेजी से पुनर्स्थापित करने और इनमें सुधार करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा निजी निवेश को जिम्मा सौंपने की अभिनव पहल की गई है। इसका प्रस्ताव भारत सरकार को भेजकर मंजूरी प्राप्त की जाएगी। मंजूरी के बाद निजी निवेश को आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

कुँवर विजय शाह

वनमंत्री कुंवर विजय शाह ने बताया कि प्रदेश में 37420 वर्ग कि.मी. वन क्षेत्र को बिगड़े वन क्षेत्रों के रूप में वर्णीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि निजी निवेश के जरिए बिगड़े वन क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों को आजीविकाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को अल्पीकरण परिस्थितिकीय सेवाओं जैसे जल चक्र आदि के सतत संचालन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वन के आच्छादन को बढ़ाया जा सकेगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राजेश श्रीवास्तव ने इस संबंध में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक और क्षेत्रीय वन मण्डल अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए है कि सभी वनमण्डल अधिकारी क्षेत्रों का चयन कर निरीक्षण करें और जानकारी तैयार कर मानचित्र समेत एक पखवाड़े में प्रधान कार्यालय अनिवार्य रूप से भिजवाएं।

प्रदेश के बिगड़े वन क्षेत्रों में निजी निवेश की सकारात्मक भूमिका को ध्यान में रखकर इस कार्य को हाथ में लिया जाएगा। इससे बिगड़े वन क्षेत्रों की उत्पादकता में अभिवृद्धि के लक्ष्य की प्राप्ति होगी और वानिकी क्षेत्र में पूंजी निवेश तकनीकी एवं प्रबंधकीय कौशल को बढ़ावा मिलेगा।

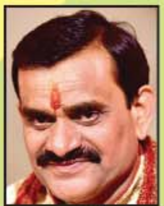

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

दीपावली की शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से
श्री प्रेमसिंह हाड़ा (शा.प्र. खुजनेर)
श्री मेहताबसिंह राजपूत (शा.प्र. तलेन)
श्री मोहनसिंह परमार (शा.प्र. बोड़ा)

श्री नीरज सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री आर.आर. सिंह (संयुक्त आयुक्त)

श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री मुकेश बार्चे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. खुजनेर, जि.राजगढ़ श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. भ्याना, जि.राजगढ़ श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. टिकोद, जि.राजगढ़ श्री मंगलनाथ राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.राजगढ़ श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. तुर्कीपुरा, जि.राजगढ़ श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. बोडा, जि.राजगढ़ श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिडलावनिया, जि.राजगढ़ श्री भारतसिंह नागर (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. नाहली, जि.राजगढ़ श्री विक्रमसिंह मकवाना (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. भैसाना, जि.राजगढ़ श्री रमेशचंद्र यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. पाटक्या, जि.राजगढ़ श्री मथुरालाल नागर (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.राजगढ़ श्री इन्दर सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़ श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. बखेड़, जि.राजगढ़ श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री बिहारीलाल केश (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढाबला, जि.राजगढ़ श्री विक्रमसिंह चावड़ा (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. टूनी, जि.राजगढ़ श्री रोडमल कुम्भकार (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. तलेन, जि.राजगढ़ श्री विक्रमसिंह मकवाना (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. हिनोत्या, जि.राजगढ़ श्री कमलेन्द्र मकवाना (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. लिम्बोदा, जि.राजगढ़ श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. परसूखेड़ी, जि.राजगढ़ श्री विक्रमसिंह मकवाना (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़ श्री बापूलालयादव (प्रबंधक)
प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. संडावता, जि.राजगढ़ श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. पा. आंजना, जि.राजगढ़ श्री जितेन्द्र भारद्वाज (प्रबंधक)	प्रा.कृषि साख सह. संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़ श्री रमेशचंद्र यादव (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनूप जैन
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री भगवान यादव (शा.प्र. भीकनगाँव)
श्री दिनेश यादव (पर्यवेक्षक भीकनगाँव)
श्री जगदीश सेन (शा.प्र. खामखेड़ा)
श्री तुलसीराम पाटीदार (पर्यवेक्षक खामखेड़ा)
श्री शिवराम यादव (शा.प्र. पीपलगोन)
श्री तुलसीराम पाटीदार (पर्यवेक्षक पीपलगोन)
श्री सुधीर डोंगरे (शा.प्र. मंडलेश्वर)
श्री जगदीश पाटीदार (शा.प्र. गोराड़िया)
श्री अब्दुल बहाव शेख (पर्यवेक्षक गोराड़िया)
श्री कैलाश वर्मा (शा.प्र. पिपल्या)
श्री भगवान पाटीदार (शा.प्र. करही)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. भीकनगाँव, जि.खरगोन श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. भटयाण बु., जि.खरगोन** श्री राधेश्याम कानूनगो (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. लालखेड़ा, जि.खरगोन श्री टीकाराम मालाकार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. खामखेड़ा, जि.खरगोन** श्री ओमप्रकाश बिर्ले (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. सन्द्रेल, जि.खरगोन श्री सीताराम देसाई (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. मुलठान, जि.खरगोन** श्री दिनेश शर्मा (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. शकरगाँव, जि.खरगोन श्री दिनेश यादव (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. कमोदवाड़ा, जि.खरगोन** श्री तुलसीराम पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. अमनखेड़ी, जि.खरगोन श्री दिनेश पाटीदार (प्रबंधक)	**सेवा सह. संस्था मर्या. खेड़ी बु., जि.खरगोन** श्री अम्बाराम मालाकार (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. साँईखेड़ी, जि.खरगोन श्री वल्लभ गुप्ता (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. पिपल्या, जि.खरगोन** श्री रमेश कनाड़े (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. गोराड़िया, जि.खरगोन श्री अब्दुल बहाव शेख (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बड़दिया, जि.खरगोन** श्री अमरसिंह चावड़ा (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. शिवना, जि.खरगोन श्री विनोद कुमार बर्वे (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. मंडलेश्वर, जि.खरगोन** श्री सुनील पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. दैवित बु., जि.खरगोन श्री मदन यादव (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. करौंदिया, जि.खरगोन** श्री भँवरलाल पाटीदार (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. पीपलगोन, जि.खरगोन श्री गुलाबचंद मीणा (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. चोली, जि.खरगोन** श्री दौलतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. बाड़ी, जि.खरगोन श्री शिवराम सेन (प्रबंधक)	**आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. करही, जि.खरगोन** श्री सीताराम पंवार (प्रबंधक)
सेवा सह. संस्था मर्या. अमलाथा, जि.खरगोन श्री जितेन्द्रसिंह मंडलोई (प्रबंधक)	**समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से**

गेहूँ उत्पादन की नवीन तकनीक

गेहूँ की खेती के लिए काली, गुमट एवं हल्की जमीन जिसमें पानी की उपलब्धता होना आवश्यक है। अक्टूबर, नवंबर माह में दो-तीन जुताई कर खेत तैयार करें। पर्याप्त नमी के अभाव में आवश्यकतानुसार पलेवा कर खेत की तैयारी करें। यदि प्रति वर्ष संभव न हो तो हर दूसरे तीसरे वर्ष 10-15 टन प्रति हैक्टेयर गोबर की अच्छी सड़ी हुई खाद या कम्पोस्ट अवश्य प्रयोग में लाएँ।

बीज जनित रोगों के बचाव के लिए दो से तीन ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीज को थायरस/ कार्बेंडाजिम से बीज उपचारित करें। पीएसबी कल्चर 5 ग्राम/किलो बीज से उपचारित करने पर फास्फोरस की उपलब्धता बढ़ती है।

बोनी का समय

असिंचित तथा अर्द्धसिंचित गेहूँ की बोवनी 20 अक्टूबर से 10 नवंबर तक एवं सिंचित क्षेत्र में 10 नवंबर से 25 नवंबर तक की जा सकती है। इसके अलावा देर से बोए जाने वाले गेहूँ की दिसंबर तक बोवाई की जा सकती है। गेहूँ की बोवाई में तापमान 20 डिग्री के आसपास हो तो अंकुरण अच्छा होता है।

बीज दर/बोने की विधि

100 किलो प्रति हैक्टेयर। देर से बोए जाने पर बीज दर में 20 से 25 प्रतिशत वृद्धि की जा सकती है। गेहूँ में 1000 दानों में वजन के आधार पर बीज की दर निर्धारित करें। सामान्यतः 1000 दानों का वजन जितने ग्राम आए उतने कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ उपयोग में लाएँ। बोनी किस्मों में 4 से 5 से.मी. गहराई तथा असिंचित किस्मों में 5 से 6 से.मी. गहराई पर बीज की बोवाई करें। कतार से कतार की दूरी 20 से 22 से.मी. रखें।

लागत में कमी (नई तकनीक)

*बीज एवं उर्वरक में महँगे आदान की मात्रा कम करने के लिए मेड़-नाली पद्धति अपनाने से बीज दर 30-35 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। *उर्वरक की खपत में कमी। *नींदा नियंत्रण आसान। *सिंचाई में पानी की कम मात्रा।

जीरो टिलेट तकनीक

धान की पछेती फसल की कटाई के उपरांत खेत में समय पर गेहूँ की बोवनी के लिए समय नहीं बचता और खेत, खाली छोड़ने

मेड़ पर फसल बोने से लाभ

1. बीज, खाद एवं पानी की मात्रा में कमी एवं बचत, मेड़ों में संरक्षित नमी लंबे समय तक फसल को उपलब्ध रहती है एवं पौधों का विकास अच्छा होता है।
2. गेहूँ, उत्पादन लागत में कमी।
3. गेहूँ की खेती नालियों एवं मेड़ पर की जाती इससे फसल गिरने की समस्या नहीं होती। मेड़ पर फसल होने से जड़ों की वृद्धि अच्छी होती है एवं जड़ें गहराई से नमी एवं पोषक तत्व अवशोषित करते हैं।
4. इस विधि से गेहूँ उत्पादन में नालियों का प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता है। यही नालियाँ अतिरिक्त पानी की निकासी की भी सहायक होती है।
5. दलहनी-तिलहनी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है।
6. मशीनों द्वारा निंदाई गुड़ाई भी की जा सकती है।
7. अवांछित पौधों को निकालने में आसानी रहती है।

के अलावा किसान के पास विकल्प नहीं बचता ऐसी दशा में एक विशेष प्रकार से बनाई गई बीज एवं खाद ड्रिल मशीन से गेहूँ की बुवाई की जा सकती है।

जिसमें खेत में जुताई की आवश्यकता नहीं पड़ती। धान की कटाई के उपरांत बिना जुताई किए मशीन द्वारा गेहूँ की सीधी बुवाई करने की विधि को जैसे टिलेज कहा जाता है। इस विधि को अपनाकर गेहूँ की बुवाई देर से होने पर होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है एवं खेत को तैयारी पर होने वाले खर्च को भी कम किया जा सकता है। इस तकनीक को चिकनी मिट्टी के अलावा सभी प्रकार की भूमियों में किया जा सकता है। जीरो टिलेज मशीन साधारण ड्रिल की तरह ही है। इसमें टाइन चाकू की तरह है। यह टाइंस मिट्टी में नाली जैसी आकार की दरार बनाता है जिससे खाद एवं बीज उचित मात्रा एवं गहराई पर पहुँचता है।

जीरो टिलेज तकनीक के लाभ

1. इस मशीन द्वारा बुवाई करने से 85-90 प्रतिशत ईंधन, ऊर्जा एवं समय की बचत की जा सकती है।
2. इस विधि को अपनाने से खरपतवारों का जमाव कम होता है।
3. इस मशीन के द्वारा 1-1.5 एकड़ भूमि की बुवाई 1 घंटे में की जा सकती है। यह कम ऊर्जा की खपत तकनीक है अतः समय से बुवाई की दशा में इससे खेत तैयार करने की लागत 2000-2500 रु. प्रति हैक्टेयर की बचत होती है।
4. समय से बुवाई एवं 10-15 दिन खेत की तैयारी के समय को बचाकर बुवाई करने से अच्छा उत्पादन ले सकते हैं।
5. बुवाई शुरू करने से पहले मशीन का अंशशोधन कर ले जिससे खाद एवं बीज की उचित मात्रा डाली जा सके।
6. इस मशीन से सिर्फ दानेदार खाद का ही प्रयोग करें जिससे खाद एवं बीज की उचित मात्रा डाली जा सके।
7. इस मशीन में सिर्फ दानेदार खाद का ही प्रयोग करें, जिससे पाइपों में अवरोध उत्पन्न न हो।
8. मशीन के पीछे पाटा कभी न लगाएँ।

फरो इरीगेशन रेज्ड बेड (फर्व) मेड़ पर बुवाई तकनीक

मेड़ पर बुवाई तकनीक किसानों में प्रचलित कतार में बोवनी या छिड़ककर बोवनी से सर्वथा भिन्न है। इस तकनीक में गेहूँ को ट्रैक्टर चलित रोजर कम ड्रिल से मेड़ों पर दो या तीन कतारों में बीज बोते हैं। इस तकनीक से खाद एवं बीज की बचत होती है एवं उत्पादन भी प्रभावित नहीं होता है।

खाद-उर्वरक

गेहूँ के लिए सामान्यतः नत्रजन स्फुर एवं पोटाश 4:2:1 के अनुपात में देना चाहिए। मिट्टी परीक्षण अवश्य कराएँ। परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फेट एवं पोटाश की मात्रा का निर्धारण करें। जिंक सल्फेट का प्रयोग 3 फसल के उपरांत 25 कि.ग्रा./हैक्टे. की दर से करें।

(अ) बोवाई के समय स्फुर एवं पोटाश की पूरी तथा नत्रजन की 1/3 मात्रा बोवाई के समय उपयोग करें।

(ब) नत्रजन की शेष मात्रा दो बराबर हिस्सों में बाँटकर पहली तथा दूसरी सिंचाई के साथ दें।

(स) असिंचित खेती में पूरी उर्वरक की मात्रा बोवाई के समय दें तथा असिंचित खेती में नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम सिंचाई कर दें।

सिंचाई

पहली सिंचाई 25 दिनों के अंतराल में अवश्य करें क्योंकि इस समय काऊन रूप बनती हैं जिससे कल्ले ज्यादा होंगे। दूसरी सिंचाई 40 से 45 दिन में, तीसरी सिंचाई 60 से 70 दिन में, चौथी सिंचाई 80 से 90 दिन में, पाँचवीं सिंचाई 90 से 100 दिन में दुग्धावस्था में देने से अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। नई विकसित किस्मों में 5-6 सिंचाई की आवश्यकता नहीं 3-4 सिंचाई पर्याप्त (55-60 क्विंटल उपज) हैं। जहाँ तक संभव हो स्प्रिंकलर का उपयोग करें। एक सिंचाई अवस्था, पूरे कल्ले निकलने पर, दाना बनने के समय, चार सिंचाई : किरीट अवस्था, पूरे कल्ले निकलने पर, फूल आने पर, दुधिया अवस्था।

सिंचाई		नत्रजन	स्फुर	पोटाश
असिंचित खेती		40	20	10
अर्द्धसिंचित	एक सिंचाई	40	30	15
	दो सिंचाई	80	40	20
पूर्ण सिंचित	समय पर बोवाई	120	60	40
	देर से बोवाई	80	40	30

समस्त किसान भाइयों को

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री सुरेश परासिया (शा.प्र. कृषि रतलाम) श्री देवेन्द्र शर्मा (शा.प्र. नामली) श्री निरेन्द्र जागेतिया (शा.प्र. बिलपांक)

श्री विजयसिंह सोनगरा/श्री राहुल केलवा (पर्य. कृषि रतलाम) श्री निहार व्यास (पर्य. नामली) श्री सुरेश जैन (पर्य. बिलपांक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मुंदड़ी, जि.रतलाम श्री विजयसिंह सोनगरा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलेठा, जि.रतलाम** श्री सुनील शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भाटी बड़ोदिया, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सागोद, जि.रतलाम श्री विजयसिंह सोनगरा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नामली, जि.रतलाम** श्री सुनील शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सरवड़, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कुआझागर, जि.रतलाम श्री प्रभुदयाल भूरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. नौगाँवाकलां, जि.रतलाम** श्री सुनील शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. जमुन्या, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नगरा, जि.रतलाम श्री प्रभुदयाल भूरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बागरोद, जि.रतलाम** श्री निहार व्यास (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. ढिकवा, जि.रतलाम** श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कनेरी, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सेमलिया, जि.रतलाम** श्री निहार व्यास (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बिलपांक, जि.रतलाम** श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धामनोद, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बरबोदना, जि.रतलाम** श्री निहार व्यास (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धराड़, जि.रतलाम** श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. राजगढ़, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)	**समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से**	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. प्रितमनगर, जि.रतलाम** श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

सौजन्य से
श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र. आष्टा)
श्री धरमसिंह परमार (पर्य. आष्टा)
श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. कोठरी)
श्री पवन कुमार दास (शा.प्र . मेहतवाड़ा)

श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री भूपेन्द्र सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर श्री विक्रमसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर** श्री मनोहरसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर** श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गवाखड़ा, जि.सीहोर श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बवाली, जि.सीहोर** श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बमूलिया माली, जि.सीहोर** श्री देवसिंह जायसवाल (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर** श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भवरा, जि.सीहोर** श्री धरमसिंह परमार (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकलां, जि.सीहोर श्री मुरलीधर शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर** श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर** श्री माँगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर** श्री रूपचंद वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर** श्री राजराम वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर श्री घीसीलाल वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. खड़ीहाल, जि.सीहोर** श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर** श्री दिलीपसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

उपयुक्त किस्मों का चयन : क्षेत्रवार बोवनी के समय एवं सिंचाई जल उपलब्धता के आधार पर

1. **मालवा अंचल : रतलाम, मंदसौर, इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, धार, देवास, गुना**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1500, एच.आई. 1531, एच.डी. 4672 (कठिया)
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 273, एच.आई. 1544, एच.आई. 8498 (कठिया), एम.पी.ओ. 1215
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी.2864, एच.आई. 1454

2. **निमाड़ अंचल : खंडवा, खरगोन, धार, झाबुआ**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित**:जे.डब्ल्यू.3020,जे.डब्ल्यू. 3173, एच.आई. 1500, जे.डब्ल्यू. 3269
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, एच.आई. 1418
- **सिंचित (देरी से)** : इस क्षेत्र में देरी से बुवाई से बचें। समय से बुआई को प्राथमिकता क्योंकि पकने के समय पानी की कमी। किस्में: जे.डब्ल्यू.1202, एच.आई. 1454

3. **विंध्य पठार : रायसेन, विदिशा, सागर, गुना का भाग**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531, एच.आई. 8627 (कठिया)
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, एच.आई. 1544, जी.डब्ल्यू. 273, जे.डब्ल्यू. 1106 (कठिया), एच.आई. 8498 (कठिया), एम.पी.ओ. 1215 (कठिया)
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी. 2864, डी.एल. 788-2

4. **नर्मदा घाटी : जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531, जे.डब्ल्यू. 3211, एच.डी. 4672 (कठिया)
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जी.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 1201, एच.आई. 1544, जे.डब्ल्यू. 1106, एच.आई. 8498, जे.डब्ल्यू. 1215
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी. 2932

5. **बैनगंगा घाटी : बालाघाट एवं सिवनी क्षेत्र**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 3211,जे.डब्ल्यू.3288, एच.आई. 1544
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, एच.आई. 1544, राज 3067
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, एच.डी. 2932, डी.एल. 788-2

6. **हवेली क्षेत्र : रीवा, जबलपुर, नरसिंहपुर का भाग**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3020, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1500
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1106, जी.डब्ल्यू. 322, एच.आई. 1544
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एच.डी. 2864, एच.डी. 2932

7. **सतपुड़ा पठार : छिंदवाड़ा एवं बैतूल**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531
- **सिंचित (समय से)** : एच.आई. 1418, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1215, जी.डब्ल्यू. 366
- **सिंचित (देरी से)** : एच.डी. 2864, एम.पी. 4010, जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203

8. **गिर्द क्षेत्र : ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया का भाग**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3288, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1531, जे.डब्ल्यू. 3269, एच.डी. 4672
- **सिंचित (समय से)** : एच.आई. 1544, जी.डब्ल्यू. 273, जी.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1106, जे.डब्ल्यू. 1215, एच.आई. 8498
- **सिंचित (देरी से)** : एम.पी. 4010, जे.डब्ल्यू. 1203, एच.डी. 2932, एच.डी. 2864

9. **बुंदेलखंड क्षेत्र : दतिया, शिवपुरी, गुना, टीकमगढ़, छतरपुर एवं पन्ना का भाग**
- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3288, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू.17, एच.आई.1500, एच.आई. 1531
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, राज 3067, एम.पी.ओ. 1215, एच.आई. 8498
- **सिंचित (देरी से)** : एम.पी. 4010, एच.डी. 2864
- **विशेष** : सभी क्षेत्रों में अत्यंत देरी से बुवाई की स्थिति में **किस्में** : एच.डी. 2404, एम.पी. 1202
- **उन्नत कठिया किस्म** : एच.डी. 8713 (पूसा मंगल), एच.आई. 8381 (मालवश्री), एच.आई. 8498 (मालवा शक्ति), एच.आई. 8663 (पोषण), एम.पी.ओ. 1106 (सुधा), एम.पी.ओ. 1215, एच.डी. 4672 (मालव रत्न), एच.आई. 8627 (मालव कीर्ति)
- **सिंचित देर से बुवाई के लिए उपयुक्त किस्में** : जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3173

नींदानाशक रसायनों की मात्रा एवं प्रयोग समय

नींदानाशक	खरपतवार	दर/हे.	प्रयोग का समय
पेंडीमिथेलीन	संकरी एवं चौड़ी	1.0 कि.ग्रा.	बुवाई के तुरंत बाद
सल्फोसल्फूरान	संकरी एवं चौड़ी	33.5 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक
मेट्रीब्यूजिन	संकरी एवं चौड़ी	250 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक
2, 4-डी	चौड़ी पत्ती	.4-.5 किग्रा	बुवाई के 35 दिन तक
आइसोप्रोट्यूरान	संकरी पत्ती	750 ग्रा.	बुवाई के 20 दिन तक
आइसोप्रोट्यूरान + 2, 4-डी	चौड़ी एवं संकरी पत्ती	750 ग्रा.+ 750 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवारों द्वारा 25-35 प्रतिशत तक उपज में कमी आने की संभावना बनी रहती है। यह कमी फसल में खरपतवारों की सघनता पर निर्भर करती है। गेहूँ की फसल में होने वाले खरपतवार मुख्यतः दो भागों में बाँटे जाते हैं।

1. **चौड़ी पत्ती :** बथुआ, सेंजी, दूधी, कासनी, जंगली पालक, अकरी, जंगली मटर, कृष्णनील, सत्यानाशी, हिरनखुरी आदि।

2. **सँकरी पत्ती :** मोथा, कांस, जंगली जई, चिरैया बाजरा एवं अन्य घासें।

रासायनिक विधि से नींदा नियंत्रण को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि इससे समय की बचत होती है एवं आर्थिक रूप से भी लाभप्रद रहता है। इस विधि से नींदा नियंत्रण तालिका में देखें।

पौध संरक्षण

प्रमुख कीटों में निम्नलिखित कीट ज्यादा नुकसान करते हैं :

1. **तना छेदक :** फसल के फूटान के समय इसका प्रयोग होता है। इसके नियंत्रण हेतु क्वीनालफास 25 ईसी एक लीटर दवा को 400 से 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टयर छिड़काव करें।

2. **मकड़ी एवं तेला :** यदि फसल पर लाल मकड़ी दिखाई दे तो डायमेथोएट 30 ईसी या फास्फोमिडान 85 डब्ल्यू.सी. का 300 मि.ली. 300 से 400 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

3. **झुलसा रोग :** फसल पर झुलसा रोग के लक्षण दिखाई दे तो कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से 3 बार छिड़काव करें।

4. **करनॉलबंट/कंडवा (लूस स्मट) :** प्रायः यह रोग म.प्र. में नहीं पाया जाता है। फिर भी यदि लक्षण दिखाई दें तो रोगग्रस्त बालियाँ उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।

5. **गेरुआ रोग :** यह लाल भूरा आदि रंग का होता है। सबसे अधिक हानि काले रस्ट से होती है। ज्यादा रोग फैलने पर दाने राई की तरह हो जाते हैं। पौधा लोहे की जंग के रंग का हो जाता है। नियंत्रण के लिए गंधक चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर से भुरकाव करें या डायथेन एम-45 (0.2 प्रतिशत) का भुरकाव करें। इस रोग पर घुलनशील गंधक (0.2 प्रतिशत) घोल का प्रयोग करें।

फसल के पूरी तरह पकने पर कटे हुए गेहूँ के बंडल सावधानीपूर्वक बनाएँ। ज्यादा सूखने पर दाने झड़ने का अंदेशा रहता है तथा कटाई के तुरंत बाद थ्रेसिंग कार्य करना चाहिए। ■

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

श्री पी.के. सिद्धार्थ (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.आर. कावड़कर (उपायुक्त सहकारिता)

श्री डी.के. राय (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री एम.के. ओझा (संभागीय शाखा प्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अतुल तिवारी (शा.प्र. शाहगढ़)

श्री भागीरथ प्रसाद (शा.प्र. जैसीनगर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहगढ़, जि.सागर
श्री दीपेश कुमार असाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमरमऊ, जि.सागर
श्री राजेन्द्र प्रसाद सेन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हीरापुर, जि.सागर
श्री अशोक असाटी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बगरोही, जि.सागर
श्री दिलीप यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बराज, जि.सागर
श्री विमल कुमार जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कजरावन, जि.सागर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरायठा, जि.सागर
श्री अरुण नामदेव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दलपतपुर, जि.सागर
श्री गणेश प्रसाद पटेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लिधोरा, जि.सागर
श्री रामविशाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रूरावन, जि.सागर
श्री सुमन पटेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गगूराखुर्द, जि.सागर
श्री डेलनसिंह लोधी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जैसीनगर, जि.सागर
श्री कृष्णमुरारी चौबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पनारी, जि.सागर
श्री दामोदर राय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रीछई, जि.सागर
श्री माखनसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हड़ाकदेला, जि.सागर
श्री महेन्द्र बचकैया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करैया, जि.सागर
श्री राजेश ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेमाढ़ाना, जि.सागर
श्री मुन्नासिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सत्ताढ़ाना, जि.सागर
श्री कमलेश जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पडरई, जि.सागर
श्री भगवतशरण चौबे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री बबलू सातनकर (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री एस.के. खरे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भारत सिंह चौहान (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

नवंबर माह के कृषि कार्य

गेहूँ फसल

- कण्डूआ रोग की रोकथाम के लिए कार्बेन्डाजिम अथवा थीरम 2.5 ग्रा./ किग्रा. बीज की दर से बीजोपचार करें। गेहूँ की समय से बुआई के लिए नवम्बर माह उपयुक्त समय है।

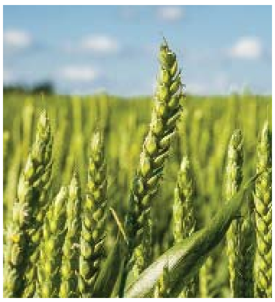

- पूसा 3038 (पूसा गौतमी) एचडी 3059 (पूसा पछेती), एचडी 3042 (पूसा चैतन्य) एचडी 2967 (पूसा सिंधू गंगा), एचडी 2851 (पूसा विशेष) गेहूँ की समय पर बुआई के लिए उपयुक्त किस्में है।

- गेहूँ बुआई के 21 दिन बाद पहली सिंचाई करें।
- गेहूँ में 120:50:40 एनपीके की दर से उर्वरक डालें। बुवाई के समय नाईट्रोजन की आधी तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा आधार खुराक के रूप में डलें।

सब्जियाँ

- टमाटर तथा फूलगोभी की पछेती किस्मों की रोपाई करें।
- रोपाई से पहले खेत में 20-25 टन प्रति हैक्टेअर की दर से गोबर की खाद व 120:100:60 किग्रा नाईट्रोजन फास्फोरस पोटाश प्रति हैक्टेयर भूमि में डालें।

- गाजर, शलजम व मूली की बुवाई करें।
- प्याज की नर्सरी तैयार करें। प्याज की उन्नत किस्में पूसा रेड, पूसा माधवी, पूसा रिद्धी किस्मों की नर्सरी में बुआई करे।
- पालक में यदि सफेद रतुआ के लक्षण दिखाई दें तों म्रैकोजेब या रिडोमिल एमजैड 72 दव का 2.5 ग्रा./लिटर पानी में घोल बनाकर छिडाव करें।

फल फसलें

- आम के पौधों मे जहां गोंद निकलने के लक्षण दिखें उन्हे खुरच कर साफ करे तथा घाव पर वबोरडेक्स दवा का लेप कर दें।
- फलों के पेड पर यदि शाखाओं पर शीर्षरंभी क्षय बीमारी के लक्षण दिखाई दें तो उन शाखाओं को काटकर 0.3 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराईड के घोल का 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- पपीते, मौसम्बी, ग्रेप तथा चकोतरे की तुडाई करें।

दलहनी फसलें

- मध्य अक्टूबर से नवम्बर के पहले सप्ताह तक चने की बुवाई कर दें। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए बीज दर 80 किग्राम/है. तथा मोटे दानों वाली किस्मों के लिए 100 किग्रा/ हैक्टेयर की दर से बुआई करे।

- दलहन की बुवाई के 45 तथा 75 दिन बाद 2 सिंचाई करें।
- बुआई के समय नाईट्रोजन फास्फोरस गंधक जिंक की 20:50:20:25 किग्रा /है. की मात्रा आधार खुराक के रूप में डाले।

- नवम्बर के दूसरे सप्ताह तक मटर की बुआई कर दें। मटर की किस्मे पूसा प्रभात, पूसा प्रगति व पूसा पन्ना की बुआई करें। ■

गुजरात में 'किसान सर्वोदय योजना' की शुरुआत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने किसानों को 16 घंटे बिजली की आपूर्ति करने के लिए किसान सूर्योदय योजना शुरू की। उन्होंने यू. एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर से सम्बद्ध पीडियाट्रिक हार्ट हॉस्पिटल का भी उद्घाटन किया और अहमदाबाद के अहमदाबाद सिविल अस्पताल में टेली-कार्डियोलॉजी के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन जारी किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गिरनार में रोपवे का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने किसान सूर्योदय योजना की बात करते हुए कहा कि पहले ज्यादातर किसानों को केवल रात में सिंचाई के लिए बिजली मिलती थी और पूरी रात जगना पड़ता था। गिरनार और जूनागढ़ में किसान जंगली जानवरों की समस्याओं का सामना करते हैं। किसान सूर्योदय योजना के तहत किसानों को सुबह पांच बजे से रात नौ बजे तक तीन चरणों में बिजली की आपूर्ति मिलेगी और उनके जीवन में एक नई सुबह आएगी।

प्रधानमंत्री ने अन्य मौजूदा प्रणालियों को प्रभावित किए बिना, ट्रांसमिशन की पूरी तरह से नई क्षमता तैयार करके यह काम करने के लिए गुजरात सरकार के प्रयासों की सराहना की। इस योजना के तहत, अगले दो-तीन वर्षों में लगभग 3500 सर्किट किलोमीटर नई ट्रांसमिशन लाइनें बिछाई जाएंगी और आने वाले दिनों में एक हजार से अधिक गांवों में इसे लागू किया जाएगा और इनमें से ज्यादातर गांव आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हैं।

प्रधानमंत्री ने किसानों के निवेश को कम करते और उनकी कठिनाइयों से पार पाते हुए उनकी आय दोगुनी करने में मदद करने के लिए बदलते समय के अनुरूप लगातार काम करने की अपील की। उन्होंने हजारों एफपीओ, नीम कोटिंग यूरिया, मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाने और कई नई पहल शुरू करने जैसी किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सरकार द्वार की गयी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुसुम योजना के तहत, एफपीओ, पंचायत और ऐसे सभी संगठनों को बंजर भूमि पर छोटे सौर संयंत्र स्थापित करने में मदद की जाती है और किसानों के सिंचाई पंप भी सौर ऊर्जा से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पैदा होने वाली बिजली किसानों द्वारा अपनी सिंचाई के लिए इस्तेमाल की जाएगी और वे अधिशेष बिजली बेच सकते हैं।

10 हजार करोड़ रु. की आयुष्मान सहकार योजना शुरू

नई दिल्ली। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत शीर्ष स्वायत्त विकास वित्त संस्थान राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने सहकारी समितियों द्वारा देश में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एक अनूठी योजना तैयार की है।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री परषोत्तम रूपाला द्वारा आयुष्मान सहकार योजना का शुभारम्भ किया गया। श्री रूपाला द्वारा यह घोषणा की गयी कि आने वाले वर्षों में एनसीडीसी 10000 करोड़ रूपये तक के आवधिक ऋण मुहैया कराएगा। उन्होनें कहा कि देश में चल रही महामारी ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए तत्काल आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया है। केंद्र द्वारा किए जाने वाले किसान कल्याण क्रियाकलापों को मजबूत करने की दिशा में यह योजना सहायक होगी। श्री रूपाला ने कहा कि आयुष्मान सहकार योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। उन्होंने मौजूदा सहकारी समितियों को किसानों के लिए एक गतिविधि के रूप में स्वास्थ्य सेवा लेने का आह्वान किया।

श्री संदीप कुमार नायक, एमडी, एनसीडीसी ने यह कहा कि देश में 52 के करीब अस्पताल सहकारी समितियों द्वारा इनकी संचयी शैय्या क्षमता 5,000 से अधिक है। एनसीडीसी निधि सहकारिताओं द्वारा स्वास्थ्य देखभाल सेवा के प्रावधान को मजबूती प्रदान करेगी।

एनसीडीसी की योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अपने सभी आयामों में स्वास्थ्य प्रणालियों को आकार देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य में निवेश, स्वास्थ्य सेवाओं के संगठन, प्रौद्योगिकियों तक पहुंच, किसानों को सस्ती स्वास्थ्य देखभाल इत्यादि को सम्मिलित करती है।

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

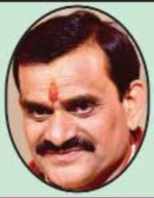

समस्त किसान भाइयों को ब्याज दर पर 0% फसल ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

दीप पर्व की मंगल कामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि टक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री सतीशचंद्र व्यास (शा.प्र. इंगोरिया)
श्री नीरज शर्मा (शा.प्र. कनासिया)
श्री ब्रह्मानंद सुनानिया (शा.प्र. घोंसला)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इंगोरिया, जि.उज्जैन श्री चन्द्रदेव चौधरी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दिलोद्री, जि.उज्जैन** श्री अमृतलाल देथलिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पलसोड़ा, जि.उज्जैन श्री राजेश जयपाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.करेड़ी, जि.उज्जैन** श्री दीपसिंह गुर्जर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुड़ावन, जि.उज्जैन श्री संदीप त्रिवेदी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कनाद्री, जि.उज्जैन** श्री ओमप्रकाश वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दंगवाड़ा, जि.उज्जैन श्री मुकेश जोशी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सामगी, जि.उज्जैन** श्री विजेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. असलावदा, जि.उज्जैन श्री हिम्मतसिंह राणावत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घोंसला, जि.उज्जैन** श्री बालाराम गुजराती (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बलेड़ी, जि.उज्जैन श्री प्रतापसिंह सोलंकी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेड़ा खजुरिया, जि.उज्जैन** श्री कैलाश नायक (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.सुवासा , जि.उज्जैन श्री जगदीश बोरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबलाहर्दू, जि.उज्जैन** श्री आशाराम परमार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिकली, जि.उज्जैन श्री पदमसिंह आंजना (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पाट, जि.उज्जैन** श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुनालजा, जि.उज्जैन श्री अनोखीलाल बारिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.परसौली, जि.उज्जैन** श्री कैलाशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घड़सिंगा, जि.उज्जैन श्री अर्जुन जोशी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.रूपाखेड़ी, जि.उज्जैन** श्री तुकाराम रावल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमनापाती, जि.उज्जैन श्री मुकेश जोशी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रलायताहैवत, जि.उज्जैन** श्री सुमेरसिंह चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री के.के. द्विवेदी
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विनयप्रकाश सिंह
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री सुशील शर्मा (शा.प्र. शमशाबाद)
श्री गुलाबचंद्र अहिरवार (पर्य. शमशाबाद)
श्री अनिल गौर (शा.प्र. सांकलखेड़ा)
श्री मनोज शर्मा (पर्य. सांकलखेड़ा)
श्री राकेश मिश्रा (शा.प्र. पठारी)
श्री बद्रीप्रसाद ठाकुर (पर्य. पठारी)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. शमशाबाद, जि.विदिशा श्री राजेन्द्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सांकलखेड़ाखुर्द, जि.विदिशा श्री रामस्वरूप वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पिपलधार, जि.विदिशा श्री पुरुषोत्तम शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पीपलखेड़ा, जि.विदिशा श्री कैलाश नारायण यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बिछिया, जि.विदिशा श्री गुलाब अहिरवार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सतपाड़ा, जि.विदिशा श्री किशनदयाल द्विवेदी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा, जि.विदिशा श्री बाबूसिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. थान्नेर, जि.विदिशा श्री उधमसिंह मीना (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भगवानपुर, जि.विदिशा श्री सुन्दरसिंह राजपूत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. करारिया, जि.विदिशा श्री डोंगरसिंह जादौन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. डंगरवाड़ा, जि.विदिशा श्री सरबनसिंह धाकड़ (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पठारी, जि.विदिशा श्री प्रीतमसिंह राजपूत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. इमलिया, जि.विदिशा श्री जानकीप्रसाद शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. शहरवासा, जि.विदिशा श्री अरविन्द शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सांगुल, जि.विदिशा श्री केशव त्यागी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. भालबामोरा, जि.विदिशा श्री बद्रीप्रसाद ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सतपाड़ा हाट, जि.विदिशा श्री सुनील भार्गव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. विसराया, जि.विदिशा श्री प्रकाशचन्द्र ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. वर्धा, जि.विदिशा श्री मदनसिंह कुशवाह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रमखिरिया, जि.विदिशा श्री राजेश प्रजापति (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का सपना पहली प्राथमिकता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के सपने को धरातल पर उतारना ही हमारी सबसे पहली और सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यह हमारे लिए कोई कर्मकांड नहीं बल्कि कर्मयोग है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे कि वर्ष 2023 तक आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। सभी विभाग इन लक्ष्यों को समय-सीमा में प्राप्त करने की दिशा में आज से ही कार्य शुरू कर दें। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के क्रियान्वयन के संबंध में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभाग प्रमुखों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए रोडमैप का प्रारूप 5 नवम्बर तक सभी विभाग प्रमुखों को उपलब्ध करा दिया जाए। विभाग प्रमुख रोडमैप में वर्णित लक्ष्यों की समय-सीमा में प्राप्ति हेतु विभागीय रणनीति तैयार कर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुख संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को रोडमैप में वर्णित लक्ष्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेंगे।

वीडियो कान्फ्रेंस में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप को तैयार करने से लेकर क्रियान्वयन की दिशा में अब तक की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का रोडमैप तैयार करने के लिए भारत सरकार के नीति आयोग के सहयोग से गत अगस्त माह में चार विषयों पर वेबिनार आयोजित किए गए थे। इनमें भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य तथा अर्थव्यवस्था एवं रोजगार जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वेबिनार में हुए मंथन के आधार पर शासन द्वारा गठित मंत्री-समूहों में गहन चर्चा हुई और रोडमैप का खाका तैयार कर उसका मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुतीकरण भी किया गया है। उन्होंने बताया कि रोडमैप को अंतिम रूप दिया जा चुका है साथ ही रोडमैप में शामिल सभी गतिविधियों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिये समय-सीमा निर्धारित की गई है। वीडियो कान्फ्रेंस में प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री मनीष रस्तोगी और आयुक्त जनसंपर्क श्री सुदाम खाड़े भी मौजूद थे।

प्रदेश में सिंचाई के लिए 'फ्लेक्सी प्लान' लागू होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में जनता को सिंचाई के लिए भरपूर बिजली प्रदाय करने एवं बिजली की बचत के उद्देश्य से 'फ्लेक्सी प्लान' लागू किया जाएगा। इस योजना के लागू होने से एक तरफ किसानों को उनकी सुविधा अनुसार भरपूर बिजली मिलती रहेगी, वहीं प्रतिदिन लगभग 1.5 हजार मेगावाट बिजली बचेगी, जिससे प्रतिदिन लगभग एक करोड़ रूपए की बचत होगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में ऊर्जा विभाग की उच्च स्तरीय बैठक ले रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, डीजीपी श्री विवेक जौहरी, प्रमुख सचिव ऊर्जा विभाग श्री संजय दुबे आदि उपस्थित थे।

क्या है 'फ्लेक्सी प्लान'

प्रदेश में वर्तमान में 11 के.वी. कृषि फीडरों से सिंचाई की बिजली दिन में 6 घंटे व रात में 4 घंटे प्रदाय की जाती है। 'फ्लेक्सी प्लान' के अंतर्गत इतने ही समय बिजली प्रदाय की जाएगी, परंतु पीक लोड के समय को छोड़कर कम लोड के समय बिजली प्रदाय की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत प्रतिदिन बिजली की अधिकतम मांग 16 हजार मेगावाट से घटकर 14 हजार 766 मेगावाट हो जाना अपेक्षित है। बिजली की मांग घटने से किसानों को अतिरिक्त बिजली दी जा सकेगी तथा अन्य राज्यों को बिजली बेची भी जा सकेगी।

5 लाख किसानों के खातों में 100 करोड़ की राशि अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश सरकार वर्तमान में किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली सब्सिडी की राशि अब उनके खाते में एक मुश्त अंतरित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों को जमीन एवं मकान पर स्वामित्व प्रदान किया जायेगा, जिससे वे उस पर बैंक ऋण आदि सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। आगामी तीन वर्षों में जिनके कच्चे मकान हैं, उन्हें पक्के मकान बनाने के लिये सरकार की ओर से सहायता प्रदान की जायेगी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के पांच लाख किसानों को (उपचुनाव वाले 19 जिलों को छोड़कर) दो-दो हजार रुपए के मान से कुल 100 करोड़ रुपए की राशि का उनके खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष तीन किश्तों में 2-2 हजार रूपये की राशि, कुल 6 हजार रूपये प्रदान की जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत अब उन्हें वर्ष में दो बार 2-2 हजार रूपये की राशि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार प्रति वर्ष किसान के खाते में कुल 10 हजार रूपये की राशि प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार द्वारा धान एवं बाजरे की खरीदी शीघ्र प्रारंभ की जाएगी तथा किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। मक्के के लिए प्रोत्साहन राशि किसानों के खातों में पहुंचाई जाएगी।

मिलेट और मोटा अनाज फसलों के लिये हाई पावर कमेटी

कृषि उत्पादन आयुक्त होंगे मिशन लीडर

भोपाल। राज्य शासन द्वारा मिलेट और मोटा अनाज फसलों (कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं जौ) को बढ़ावा देने, प्रोसेसिंग एवं विपणन आदि के लिये राज्य मिलेट एवं जैविक मिशन को सहायता अंतर्गत हाई पावर कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में कृषि उत्पादन आयुक्त, मिशन लीडर और 15 सदस्य के अलावा 2 नामांकित सदस्य होंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, प्रमुख सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास, प्रमुख सचिव सहकारिता, प्रमुख सचिव आदिम-जाति कल्याण, प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड, सीईओ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, कुलपति/संचालक अनुसंधान सेवाएँ जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, कुलपति/संचालक अनुसंधान सेवाएँ राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर, संचालक कृषि अभियांत्रिकीय, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण और प्रबंध संचालक जैविक प्रमाणीकरण संस्था को सदस्य नामांकित किया गया है। संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास सदस्य सचिव होंगे। इनके अलावा 2 नामांकित सदस्य होंगे।

मिलेट और मोटा अनाज मिशन का उद्देश्य

मिलेट और मोटा अनाज फसलों (कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा एवं जौ) को बढ़ावा देने के लिये किसानों को जागरूक एवं प्रशिक्षित करना, मिलेट एवं मोटा अनाज फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की व्यवस्था, मिलेट एवं मोटा अनाज फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा, प्रोसेसिंग व्यवस्था को बेहतर करने, नये प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना, बेहतर विपणन व्यवस्था एवं मूल्य संवर्धन तथा मिलेट एवं मोटा अनाज की ब्रॉण्डिंग करने जैसे विषय शामिल किये गये हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री भारतसिंह यादव (शा.प्र. पनवाड़ी)
श्री महेश जोशी (पर्यवेक्षक पनवाड़ी)
श्री सुरेश कारपेंटर (शा.प्र. बेरछा)
श्री ईश्वरसिंह जादौन (पर्यवेक्षक बेरछा)
श्री प्रहलादसिंह दसेरिया (शा.प्र. अरनियाकलां)
श्री दूल्हेसिंह सोलंकी (पर्यवेक्षक अरनियाकलां)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पनवाड़ी, जि.शाजापुर
श्री कपिल प्रकाश मेहता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिरगोद, जि.शाजापुर
श्री जगदीश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रसुलपुर, जि.शाजापुर
श्री चंदरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरछा, जि.शाजापुर
श्री शौकीन खाँ मंसूरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोरठा, जि.शाजापुर
श्री राजीव शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अरनियाकलां, जि.शाजापुर
श्री देवकरन वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिंगजपुर, जि.शाजापुर
श्री लखनसिंह कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अरनियाखुर्द, जि.शाजापुर
श्री माखनसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुधाना, जि.शाजापुर
श्री बाबूलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरछा दातार, जि.शाजापुर
श्री कैलाश नारायण खींची (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रथभवर, जि.शाजापुर
श्री संतोष कुमार सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबलाघोसी, जि.शाजापुर
श्री भँवरलाल उमठ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिलावद गोविंद, जि.शाजापुर
श्री अशोक कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पोचानेर, जि.शाजापुर
श्री श्रीकांत देशमुख (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चौसला कुल्मी, जि.शाजापुर
श्री बाबूलाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रनायल, जि.शाजापुर
श्री शिवनारायण चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कमल्याखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री शशिकांत गोठी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रोलाखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री संतोष परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुंदरसी, जि.शाजापुर
श्री साजिद अली (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

समस्त किसान भाइयों को
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त एवं प्रशासक)
श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री डी.आर.सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री आर.आर. सिंह (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

सहकारी क्षेत्र में यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता

भोपाल। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा है कि प्रदेश में सहकारी क्षेत्र के वितरण केन्द्रों में यूरिया एवं डी.ए.पी. की पर्याप्त उपलब्धता है। आज की स्थिति में वितरण/ भंडारण केन्द्रों में 2.21 लाख मीट्रिक टन उर्वरक किसानों को विक्रय के लिये उपलब्ध है। जिसमें 75 हजार टन यूरिया तथा 1.16 लाख टन डी.ए.पी. उर्वरक शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त दिन प्रतिदिन उर्वरक निर्माताओं से रैक के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में यूरिया, डी.ए.पी तथा अन्य रासायनिक उर्वरकों की आवक लगातार जारी है।

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से गत वर्ष में एक अक्टूबर 2019 से 21 अक्टूबर 2019 तक यूरिया, डी.ए.पी. व अन्य रासायनिक उर्वरक सहित कुल मिलाकर 1.19 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया था, जबकि चालू वर्ष में उक्त अवधि में 2.25 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का विक्रय किया जा चुका है, जो कि गत वर्ष की तुलना में लगभग दो गुना है।

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने बताया कि वर्ष 2018-19 में रबी मौसम में एक अक्टूबर से 21 अक्टूबर की अवधि में 51 हजार 940 मीट्रिक टन, वर्ष 2019-20 में एक लाख 11 हजार 822 मीट्रिक टन तथा वर्ष 2020-2021 में एक लाख 37 हजार 828 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में चालू रबी मौसम में 23.26 प्रतिशत अधिक यूरिया का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि सहकारी क्षेत्र के सभी वितरण केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है तथा किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार यूरिया का वितरण किया जा रहा है। सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने बताया कि इसी प्रकार वर्ष 2018-19 में रबी मौसम में एक अक्टूबर से 21 अक्टूबर की अवधि में 70 हजार 572 मीट्रिक टन, वर्ष 2019-20 में 51 हजार 552 मीट्रिक टन तथा वर्ष 2020-21 में 83 हजार 171 मीट्रिक टन डी.ए.पी. का वितरण किया गया है। इस प्रकार प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में 61.33 प्रतिशत अधिक डी.ए.पी. का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि चूँकि यूरिया व डी.ए.पी. पर भारत शासन द्वारा अनुदान की सुविधा है इसलिये किसानों से प्रमाण स्वरूप एक दस्तावेज लिया जाता है। वितरण केन्द्रों पर किसानों को उर्वरकों का सुविधापूर्वक वितरण हो सके, इसलिये व्यवस्था स्वरूप पंक्ति में खड़ा किया जाता है।

कोविड के दौरान कृषि व्यापार 9002 करोड़ के साथ सकारात्मक रहा

नई दिल्ली। कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए लगातार और ठोस प्रयासों का लाभ मिल रहा है। कोविड-19 संकट के बावजूद अप्रैल-सितंबर 2020 की कुल अवधि के दौरान आवश्यक कृषि वस्तुओं के निर्यात में 43.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। अप्रैल-सितंबर 2020 में 53626.6 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 37397.3 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था। अप्रैल-सितंबर 2019-20 के मुक़ाबले अप्रैल-सितंबर 2020-21 के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्ज करने वाले प्रमुख जिंस समूहों में मूंगफली का (35%), परिष्कृत चीनी (104%), गेहूं (206%), बासमती चावल (13%) और गैर-बासमती चावल का (105%) निर्यात किया गया है। आकलन के आधार पर मिले ब्यौरे के अनुसार सितंबर 2020 के दौरान आवश्यक कृषि जिंसों का भारत का कृषि निर्यात, सितंबर 2019 में हुए 5114 करोड़ रुपये के निर्यात के मुकाबले 9296 करोड़ रुपये का रहा है, यानी कि इसमें 81.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पंचायत और ग्रामीण विकास की योजनाओं में भोपाल प्रदेश में प्रथम

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आजीविका मिशन, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, कृषि सिंचाई योजना, वाटर शेड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मध्यान्ह योजना, स्वच्छ भारत मिशन एवं स्ट्रीट वेंडर योजना के क्रियान्वयन में भोपाल संभाग और भोपाल जिले को पहला स्थान अर्जित हुआ है। पंचायत विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति के आंकलन के आधार पर प्रदेश में भोपाल संभाग 3.71 अंक के साथ ए ग्रेड प्राप्त कर प्रथम स्थान पर, उज्जैन संभाग 3.67 अंक के साथ ए ग्रेड प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर एवं चंबल संभाग 3.48 अंक के साथ तृतीय स्थान पर है। इसी तरह प्रदेश के सभी जिलों में भोपाल जिला 4.71 अंक के साथ ए ग्रेड प्राप्त कर प्रथम स्थान पर, मंदसौर जिला 4.57 अंक के साथ ए ग्रेड प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर एवं 4 अंक के साथ ए ग्रेड प्राप्त कर आगर-मालवा जिला तृतीय स्थान पर रहा। प्रमुख सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास ने सभी संभाग आयुक्त एवं जिला कलेक्टर्स से कहा है कि वे अपने संभाग एवं जिलों की योजनाओं की नियमित रूप से समीक्षा करें।

चने की सबसिडी के अग्रिम भुगतान के आदेश

हरदा। प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल ने चना बीज पर दी जा रही सब्सिडी के अग्रिम भुगतान का आदेश दिया है। इस पहल से छोटे किसानों को बड़ी राहत मिली है। प्रदेश में एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 4300 रुपए का चना बीज दिया जाता है, इसमें 3000 हजार रुपए सब्सिडी दी जाती है। कृषि विभाग चना बीज का पूरा पैसा जमा कर सब्सिडी बाद में खातों में ट्रांसफर करता है। चना बीज के लिए एकमुश्त पैसों का इंतजाम नहीं कर पाने के कारण बड़ी संख्या में छोटे, दलित, आदिवासी और वनवासी किसान इसका लाभ नहीं उठा पाते थे, उन्हें बीज के लिए परेशान होना पड़ता था। कृषि मंत्री कमल पटेल ने इस समस्या पर संज्ञान लेते हुए हरदा के उप संचालक कृषि को सब्सिडी के एडवांस भुगतान का आदेश दिया है। पटेल ने बताया कि प्रदेश में सभी जिलों के कृषि उप संचालक को सब्सिडी एडवांस दिए जाने का आदेश दिया जा रहा है जिससे किसानों को पैसे के अभाव बीज से वंचित न होना पड़े। मंत्री पटेल ने कहा कि कृषि को प्रोत्साहित करने और इसे लाभ का धंधा बनाने के लिए जरूरी है कि जहां जो किसान दिक्कत महसूस कर रहे हैं उसे दूर किया जाए। चना बीज पर अग्रिम सब्सिडी के भुगतान से छोटे से छोटे किसान को भी पैसे के इंतजाम के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें आसानी से बीज मिल सकेगा।

कमल पटेल

बालाघाट बैंक में रासायनिक खाद विक्रय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

बालाघाट। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट मुख्यालय में रासायनिक खाद के पीओएस मशीन में भंडारण व विक्रय के संबंध में आनलाइन वी.सी. के माध्यम से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

इस संबंध में एस. के. शुक्ला मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट ने बताया कि रासायनिक खाद के पीओएस मशीन में भंडारण व विक्रय के सबन्ध में शीर्ष स्तर भोपाल से आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान ऑनलाइन प्रशिक्षण में शाखा प्रबंधक आशीष मिश्रा, अशोक भवरे, एस एल तुरकर सहित सभी शाखा प्रबंधक, बैंक समिति प्रबन्धक शामिल हुये। इस अवसर पर आलोक दुबे बैंक प्रशासक व उपायुक्त सहकारिता, एस के शुक्ला मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट, पी जोशी प्रभारी विपणन, राकेश असाटी, प्र. प्रवास राजेश नगपुरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की खरीफ एवं रबी की समीक्षा

होशंगाबाद। खरीफ 2020- 21 एवं रबी फसलों की तैयारियों को लेकर कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नर्मदापुरम एवं भोपाल संभाग की समीक्षा की। जिले के एनआईसी कक्ष में संभागायुक्त श्री रजनीश श्रीवास्तव, कलेक्टर श्री धनंजय सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री मनोज सरियाम एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कृषि उत्पादन आयुक्त ने पशुपालन ,कृषि, उद्यानिकी सहकारिता, जल संसाधन एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि खाद बीज की पर्याप्त उपलब्धता है एवं किसानों को लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने होशंगाबाद जिले में नरवाई जलाने से रोकने के लिए किए गए बेहतर प्रयासों की सराहना की एवं आगामी वर्ष में भी नरवाई जलाने से रोकने हेतु इसी तरह गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए।

उद्यानिकी फसलों के संबंध में उपयोगी सलाह

सीहोर। आंचलिक कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को उद्यानिकी फसल के संबंध में सलाह दी है कि शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गांठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें और टमाटर, बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च आदि लगाने की तैयारी करें। बुआई के पूर्व बीजों को थायरम एक ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

श्री पी.के. सिद्धार्थ (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अखिलेश निगम (उपायुक्त सहकारिता)
श्री पंकज गुप्ता (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.सी. पटले (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

दीप पर्व की मंगल कामनाएँ

सौजन्य से
श्री अश्विनी तिवारी (शा.प्र. नरसिंहपुर)
श्री श्रीकांत अग्रवाल (शा.प्र. बरमान)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करेली, जि.नरसिंहपुर श्री राघवेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिल्हेटी, जि.नरसिंहपुर श्री सुरेन्द्र कौरव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सासबहू, जि.नरसिंहपुर श्री राघवेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लिंगा, जि.नरसिंहपुर श्री जितेन्द्र पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बधुवार, जि.नरसिंहपुर श्री ऊँकारसिंह पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिमरिया, जि.नरसिंहपुर श्री संजय मिश्रा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मडेसुर, जि.नरसिंहपुर श्री सुरेश रघुवंशी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोदसा, जि.नरसिंहपुर श्री रामचरण पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करपगाँव, जि.नरसिंहपुर श्री ऊँकारसिंह पटेल (प्रबंधक)क)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिल्हेरा, जि.नरसिंहपुर श्री कमलेश चौरसिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बारहा, जि.नरसिंहपुर श्री बलराम पटेल (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चांवरपाठा, जि.नरसिंहपुर श्री राजेश कुमार नोरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहद, जि.नरसिंहपुर श्री संदीप पंसारी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केरपानी, जि.नरसिंहपुर श्री राजेश चौरसिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आमगाँव, जि.नरसिंहपुर श्री प्रहलाद नामदेव (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुर्गाखेड़ा, जि.नरसिंहपुर श्री विष्णु अवस्थी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डुंगरिया, जि.नरसिंहपुर श्री द्वारिकाप्रसाद मिश्रा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सगरी, जि.नरसिंहपुर श्री छत्रपाल पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रांकई, जि.नरसिंहपुर श्री भागीरथ रजक (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुआतला, जि.नरसिंहपुर श्री शिवप्रसाद दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहपुर, जि.नरसिंहपुर श्री सत्यनारायण पचौरी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिरनपुर, जि.नरसिंहपुर श्री लालचंद्र अग्रवाल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

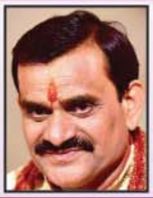

समस्त किसान भाइयों को ब्याज दर पर 0% फसल ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

दीप पर्व की मंगल कामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अरविंद प्रजापति (शा.प्र. तराना)
श्री शेख इरफान (पर्यवेक्षक तराना)
श्री लालसिंह कुशवाह (शा.प्र. माकड़ोन)
श्री करनसिंह तोमर (पर्यवेक्षक माकड़ोन)
श्री ऋषि ज्ञानी (शा.प्र. झार्डा)
श्री मदनसिंह जोशी (पर्यवेक्षक झार्डा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छड़ावदा, जि.उज्जैन श्री किशोर पाटीदार (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूखेड़ी, जि.उज्जैन श्री करनसिंह तोमर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बघेरा, जि.उज्जैन श्री जितेन्द्र रावल (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कड़ोदिया, जि.उज्जैन श्री माखनलाल सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कचनारिया, जि.उज्जैन श्री मदनसिंह चौहान (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोदड़ी, जि.उज्जैन श्री हुकुमसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सालाखेड़ी, जि.उज्जैन श्री मनोज उपाध्याय (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लिम्बादित, जि.उज्जैन श्री अशोक सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबडा राजपूत, जि.उज्जैन श्री भारतसिंह चौहान (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झार्डा, जि.उज्जैन श्री ओमप्रकाश व्यास (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भड़सीमा, जि.उज्जैन श्री शेख इरफान (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लोटिया जुनार्दा, जि.उज्जैन श्री दरियावसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करंज, जि.उज्जैन श्री कैलाश जोशी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कछालिया चाँद, जि.उज्जैन श्री मदनलाल जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नादेड़, जि.उज्जैन श्री जगदीशचंद्र शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोगाखेड़ा, जि.उज्जैन श्री शम्भूसिंह पंवार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डेलची, जि.उज्जैन श्री महेन्द्रसिंह चौहान (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रणायरा पीर, जि.उज्जैन श्री दिनेश पुरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गुराड़िया गुर्जर, जि.उज्जैन श्री सिद्धूसिंह कराड़ा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इन्दौख, जि.उज्जैन श्री धनसिंह चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. माकड़ोन, जि.उज्जैन श्री मुकेश धाकड़ (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरखेड़ा नाऊ, जि.उज्जैन श्री कचरूसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

बाढ़-कीट से प्रभावित किसानों को मिलेगी पूरी सहायता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ एवं कीट-व्याधि से प्रभावित हुए किसानों को हर हालत में पूरी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों को उनकी खराब हुई पूरी फसल का मुआवजा दिलाया जाएगा। यद्यपि प्रदेश में कोविड संकट के चलते अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब है, परंतु किसानों की मदद में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। प्रदेश को पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं अन्य मंत्रीगण से अनुरोध किया गया है। इसके लिए शीघ्र ही प्रदेश के मंत्रियों एवं अधिकारियों का दल केंद्र सरकार में फॉलोअप के लिए भेजा जाएगा। किसानों को यथाशीघ्र पर्याप्त सहायता राशि मिलेगी। किसान बिल्कुल चिंता न करें, मध्यप्रदेश सरकार पूरी तरह से उनके साथ है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में प्रदेश में बाढ़ एवं कीट-व्याधि से फसलों को हुए नुकसान की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव कृषि श्री अजीत केसरी, प्रमुख सचिव राजस्व श्री मनीष रस्तोगी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव राजस्व श्री मनीष रस्तोगी ने बताया कि प्रदेश में बाढ़ एवं कीट व्याधि से लगभग 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं, जिनके लिए लगभग 4000 करोड़ रुपए का मुआवजा संभावित है। गत वर्ष प्रदेश में लगभग 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की फसलें खराब हुई थी तथा किसानों को 2000 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरित किया गया था। प्रदेश में बाढ़ एवं कीट से फसलों का 39 लाख 95 हजार हेक्टेयर रकबा प्रभावित हुआ है। इसमें से 37 लाख हेक्टेयर रकबे में 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है। केंद्र सरकार से 34 लाख 87 हजार हेक्टेयर रकबे में फसलों को हुए नुकसान के लिए 2487 करोड़ 21 लाख रुपए की सहायता राशि की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री ने सहकारिता मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद सिंह भदोरिया को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं हैं। श्री भदोरिया मुख्यमंत्री श्री चौहान से सौजन्य भेंट करने उनके निवास पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया तथा जन्मदिन की अनेकों मंगलकामनाएं दीं।

रबी मौसम 2020-21 में उर्वरक वितरण की नीति

बैतूल। रबी मौसम 2020-21 प्रारंभ हो चुका है। प्रदेश में डीबीटी योजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत उर्वरकों का विक्रय पीओएस मशीन अथवा डेस्कटॉप वर्जन का उपयोग करते हुए किया जाना अनिवार्य है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री के.पी. भगत ने बताया कि उर्वरक डीबीटी के सफल संचालन हेतु भारत सरकार के मार्गदर्शी निर्देशों के बिन्दुओं का भी पालन किया जाना आवश्यक है। जिसके तहत यूरिया डीएपी आदि उर्वरकों का विक्रय पीओएस मशीन अथवा डेस्कटॉप वर्जन का प्रयोग करते हुए ही विक्रय किया जाना बाध्यकारी है।

विक्रेता हेतु भौतिक स्टॉक उपलब्ध होने पर यदि पीओएस मशीन में स्टॉक उपलब्ध नहीं दिख रहा है। मौके पर सभी कृषकों के बायोमैट्रिक सेल करने पर कठिनाई विशेष तौर पर कोविड-19 के सोशल डिस्टेंसिंग के मापदण्डों को पालन कराने पर उत्पन्न होने के कारण की परिस्थिति में नॉन बायोमैट्रिक सेल के प्रावधान का उपयोग किया जा सकता है। जिसके तहत नॉन बायोमैट्रिक सेल क्रेता के बायोमैट्रिक पहचान का उपयोग किए बिना क्रेता के आधार नंबर एवं वोटर आईडी कार्ड अथवा किसान क्रेडिट कार्ड का प्रयोग करते हुए पीओएस मशीन द्वारा उर्वरक का विक्रय किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खरीफ उपार्जन की समीक्षा की

उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता का चावल प्रदाय किया जाए

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उचित मूल्य उपभोक्ताओं को अच्छी गुणवत्ता का चावल प्रदाय सुनिश्चित किए जाने के लिए यह जरूरी है कि मिलों को जिस गुणवत्ता का धान मिलिंग के लिए दिया जाता है, उसी गुणवत्ता का चावल उनसे प्राप्त किया जाए। गुणवत्ता नियंत्रण पर सर्वाधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। कार्य में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में खरीफ वर्ष 2020-21 के उपार्जन कार्य, धान मिलिंग नीति आदि की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव श्री फैज अहमद किदवई, प्रमुख सचिव श्री अजीत केसरी, प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री पी. नरहरि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री बैंस ने बताया कि चावल की गुणवत्ता में गड़बड़ी करने वालों के विरूद्ध आर्थिक अपराध शाखा (ई.ओ.डब्लू.) द्वारा प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। ग्वालियर एवं चंबल संभागों में धान एवं मोटे अनाज (ज्वार, बाजार) की खरीदी प्रारंभ हो गई है, जो क्रमशः 5 जनवरी 2021 एवं 21 नवंबर 2020 तक चलेगी। शेष संभागों में धान की खरीदी 16 नवम्बर से 16 जनवरी तक तथा मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा) की खरीदी 16 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक चलेगी। धान की खरीदी के लिए इस वर्ष 40 लाख मेट्रिक टन का संभावित लक्ष्य रखा गया है। समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए इस वर्ष 1702 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। मोटे अनाज की खरीदी के लिए 134 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं।

धान का समर्थन मूल्य 1868

खरीफ 2020-21 उपार्जन वर्ष में धान का समर्थन मूल्य 1868 रुपये, ज्वार का 2620 रुपए तथा बाजरे का 2150 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

78 लाख किसानों को मिल रहा है किसान कल्याण योजना का लाभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 78 लाख 51 हजार 424 किसानों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें योजना का लाभ दिया जाएगा। इनमें से 12 लाख 45 हजार 278 हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि का भुगतान कर दिया गया है तथा शेष को लाभ दिए जाने की प्रक्रिया जारी है। योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष केन्द्र सरकार द्वारा दिए जाने वाली 6 हजार रूपए की राशि के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 4 हजार की राशि दी जाती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव श्री अजीत केसरी उपस्थित थे।

किसानों को मिले पर्याप्त यूरिया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश को गत वर्ष की तुलना में इस बार 2 गुना से अधिक यूरिया प्राप्त हुआ है। गत वर्ष भारत सरकार से इस अवधि तक 3.08 लाख मीट्रिक टन यूरिया मिला था, जबकि इस वर्ष अभी तक 6.09 लाख मीट्रिक टन यूरिया प्रदेश को प्राप्त हो गया है। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर यूरिया प्रदाय सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में प्रदेश में यूरिया प्रदाय की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। प्रदेश में सहकारी क्षेत्र में 4800 विक्रय केन्द्र बनाए गए हैं, जहां से सहकारी समितियों, विपणन संघ, एम.पी. एग्रो के माध्यम से किसानों को यूरिया का नगद वितरण किया जा रहा है। इस वर्ष प्रदेश में सहकारी एवं निजी क्षेत्र में यूरिया के वितरण का अनुपात 70:30 रखा गया है। किसानों को यूरिया का प्रदाय पीओएस मशीन द्वारा किया जा रहा है।

सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सौजन्य से
श्री अशोक चौहान (शा.प्र. सोम.शाजापुर)
श्री शिवलाल चांदना (पर्यवेक्षक सोम. शाजापुर)
श्री राजेन्द्रसिंह बैस (शा.प्र. खोखराकलां)
श्री कृष्णकांत शर्मा (पर्यवेक्षक खोखराकलां)
श्री राजपाल सिंह सिसोदिया (शा.प्र. अवंतीपुर बड़ोदिया)
श्री जगन्नाथसिंह राघव (पर्यवेक्षक अवंतीपुर बड़ोदिया)
श्री एम.एस. राठौर (शा.प्र. मक्सी)
श्री भगवानसिंह यादव (पर्यवेक्षक मक्सी)

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनेरा, जि.शाजापुर
श्री मेहरबानसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खोखराकलां, जि.शाजापुर
श्री मुकेश पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांजा, जि.शाजापुर
श्री कैलाश कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैसायगढ़ा, जि.शाजापुर
श्री बोन्दरसिंह चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिछोदा, जि.शाजापुर
श्री बबलू दरबार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री कृष्णकांत शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धाराखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री शिवलाल चांदना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरदोनकलां, जि.शाजापुर
श्री प्रेमनारायण शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दिल्लौद, जि.शाजापुर
श्री हरनाथसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खरदोनखुर्द, जि.शाजापुर
श्री अनीष अंसारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़ा, जि.शाजापुर
श्री मुन्ना पठान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अवंतीपुर बड़ोदिया, जि.शाजापुर
श्री जगन्नाथ सिंह राघव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेरखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री सजनसिंह सोनगरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवली (पो.कला), जि.शाजापुर
श्री रामसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिरपुर टेका, जि.शाजापुर
श्री शिवनारायण पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मक्सी, जि.शाजापुर
श्री मनोज कुमार पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पतौली, जि.शाजापुर
श्री संजय पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झोकर, जि.शाजापुर
श्री भगवानसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोपीपुर, जि.शाजापुर
श्री दयाराम गुर्जर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री भूपेन्द्र सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री अर्जुनसिंह यादव (शा.प्र. इटावा) श्री कैलाश तिवारी (शा.प्र. शाहगंज) श्री रघुवीर मालवीय (शा.प्र. रेहटी) श्री राधेश्याम प्रजापति (शा.प्र. बकतरा)
श्री कमलसिंह ठाकुर (पर्य. इटावा) श्री दशरथसिंह यादव (पर्य. शाहगंज) श्री सुखराम वर्मा (पर्य. रेहटी) श्री हरप्रसाद भार्गव (पर्य. बकतरा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बालागाँव, जि.सीहोर
श्री विनोद यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छीपानेर, जि.सीहोर
श्री पुष्पेन्द्र सैनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डोभी, जि.सीहोर
श्री अशोक गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इटारसी, जि.सीहोर
श्री ओमप्रकाश जिनोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निमोटा, जि.सीहोर
श्री मोहनलाल मालवीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाईबोड़ी, जि.सीहोर
श्री अशोक शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहगंज, जि.सीहोर
श्री दशरथ यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बनेटा, जि.सीहोर
श्री नीरज पांडे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सत्रामऊ, जि.सीहोर
श्री राजू मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सरदार नगर, जि.सीहोर
श्री नेमीचंद शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जवाहरखेड़ा, जि.सीहोर
श्री रघुराज चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रेहटी, जि.सीहोर
श्री तेजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरदी, जि.सीहोर
श्री माधव सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मांझरकुई, जि.सीहोर
श्री राजराम जाट (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मरदानपुर, जि.सीहोर
श्री सुखराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयत, जि.सीहोर
श्री विक्रमसिंह तेकाम (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चकल्दी, जि.सीहोर
श्री गजेन्द्र कुलकर्णी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बकतरा, जि.सीहोर
श्री पवन चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुमराखेड़ा, जि.सीहोर
श्री मनीराम विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नादनेर, जि.सीहोर
श्री मेघराज चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गादर, जि.सीहोर
श्री रमेश कुमार चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ग्रामीण विकास के द्वार खोले प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ने

हरदा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि बेहतर नीति और सही नीयत से ही गांव, प्रदेश और देश का विकास होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ने गांव के विकास के द्वार खोल दिए हैं। मंत्री श्री पटेल कलेक्ट्रेट सभाकक्ष हरदा में योजना के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। स्वामित्व योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से किया गया।

राष्ट्रव्यापी योजना के शुभारंभ अवसर पर मध्यप्रदेश के हरदा और डिंडोरी जिले में भी योजना का शुभारंभ हुआ। इस योजना में 6 राज्यों के चुनिंदा जिलों को पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना गया। इनमें हरदा, सीहोर और डिंडोरी सम्मिलित हैं। हरदा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने जिले के 12 हितग्राहियों अजब सिंह ग्राम जिजगांव कला, अशोक ग्राम नाहड़िया, नर्मदा प्रसाद राठौड़ ग्राम पिड़ गांव, ताराचंद ग्राम पिड़गांव, आनंद भाटी ग्राम झाड़पा, भागीरथ ग्राम मझली, शिव कुमार ग्राम अबगांव खुर्द, राजेश ग्राम देवतालाब, लूणाराम ग्राम कालंबा, ओमप्रकाश ग्राम अब गांवकला, कमल ग्राम अतरसमा तथा नानकराम ग्राम नीमचाखुर्द को ड्रोन द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर भू अधिकार अभिलेख प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस योजना द्वारा गांव के विकास के द्वार खुल गए हैं। इस योजना से गांव की दिशा और दशा बदलेगी। श्री पटेल ने कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्र के हर संपत्ति धारक को संपत्ति का प्रमाण पत्र एवं भूमि स्वामित्व प्राप्त होगा जिससे वह बैंक से ऋण लेकर अपने लिए रोजगार के नवीन अवसर सृजित कर सकेंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत हो सकेगी। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई के ग्रामीण विकास के सपनों को प्रदेश और केंद्र की सरकार पूरा कर रही है। श्री वाजपेई ने ग्रामीण विकास के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, किसान क्रेडिट कार्ड एवं फसल बीमा योजना जैसी महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया था। उसी तर्ज पर स्वामित्व योजना द्वारा संपत्ति धारक को उनका अधिकार दस्तावेज के रूप में प्राप्त हुआ है, जिससे ग्रामीण आबादी को मालिकाना हक मिला है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं महात्मा गांधी जी का सपना था कि गांव के विकास से ही देश का विकास संभव होगा और असली भारत गांवों में बसता है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन द्वारा बताया गया कि इस योजना का आधार तत्कालीन राजस्व मंत्री श्री कमल पटेल द्वारा रखा गया था, जिसका प्रस्ताव मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री को दिया गया एवं यही प्रस्ताव आज स्वामित्व योजना के रूप में लागू हुआ है।

भारत और भूटान के बीच कृषि समझौता

नई दिल्ली। भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन (एनपीपीओ), भूटान राजकीय सरकार के कृषि और वन मंत्रालय के तहत भूटान कृषि और खाद्य नियामक प्राधिकरण (बीएएफआरए) तथा भूटान में भारतीय दूतावास के बीच एक अधिसूचना जारी की गयी है, जिसके तहत भूटान के सेब, आलू, संतरा, अदरक और सुपारी के लिए भारतीय बाज़ार तथा भारत के टमाटर, प्याज और भिन्डी के लिए भूटान के बाजार खोले जायेंगे।

सागर संभाग के 4 जिलों में खरीफ और रबी की तैयारियों की समीक्षा

सागर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के .सिंह ने भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा सागर संभाग के चार जिलों दमोह, टीकमगढ़ ,पन्ना और निवाड़ी की कृषि, उद्यानिकी,दुग्ध उत्पादन, मछली पालन, पशुपालन विभाग की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। खरीफ 2020 तथा रबी 2020-21 की तैयारियों की भी जिलेवार समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गए। समीक्षा बैठक में सागर से सम्भागीय आयुक्त श्री मुकेश शुक्ला भी शामिल हुए। लगभग साढ़े चार घण्टे चली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपर मुख्य सचिव पशुपालन श्री जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मत्स्य विकास श्री अश्विनी कुमार राय,प्रमुख सचिव कृषि श्री अजीत केसरी, प्रमुख सचिव उद्यानिकी श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, प्रबन्ध संचालक बीज निगम श्रीमती प्रियंका दास, संचालक कृषि श्रीमती प्रीति मैथिल नायक, संचालक पशुपालन डॉ. आर. रोकड़े सहित सम्बंधित जिलों के कलेक्टर और अन्य विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

साँची के उत्पाद अब मंदिरों में भी इस्तेमाल हों

उज्जैन। प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उज्जैन संभाग के सभी जिलों की खरीफ-2020 एवं रबी 2020-21 की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी, कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित संस्थाएं, उद्यानिकी, सहकारिता एवं मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग में अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सांची का दूध मात्र 25 प्रतिशत ही उज्जैन में सेल होता है। 34 हजार लीटर दूध प्रतिदिन बिकता है, जो कि काफी कम है। इसके कारण सांची को अपने दूध को पावडर में परिवर्तित करना पड़ता है। उन्होंने जिले में सांची के पार्लर की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये और कहा कि महाकाल मन्दिर एवं अन्य मन्दिरों में सांची के दूध, घी एवं प्रसाद के रूप में पेड़े का उपयोग किया जाये।

प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री जे.एन. कंसोटिया ने कहा कि कोविड-19 एवं विभिन्न शादी-ब्याह कम होने के चलते दूध की खपत कम हुई है। इसके चलते दुग्ध संघ को 20 करोड़ रुपये का लोन विभिन्न बैंकों से लेना पड़ा है और आठ करोड़ रुपये की सहायता शासन द्वारा दी गई है। उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिये कि 50 लीटर वाली दुग्ध सहकारी समिति एवं उससे नीचे वाली दुग्ध समितियों को समाप्त किया जाये।

संभागायुक्त श्री आनन्द कुमार शर्मा ने कृषि उत्पादन आयुक्त को अवगत कराया कि उन्होंने संभाग में चार-पांच गौशाला देखी हैं। वर्तमान में गोमूत्र से फिनाइल बनाने का कार्य लिया है। गौशाला के आसपास की खाली जमीनों का उपयोग भी किया जा रहा है, ताकि अतिक्रमण न हो सके।

प्रमुख सचिव सहकारिता श्री उमाकान्त उमराव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहकारिता विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संभागायुक्त श्री आनन्द कुमार शर्मा एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह को सहकारिता के क्षेत्र में किये गये कार्यों के लिये बधाई दी एवं वसूली में अपेक्षित प्रगति लाने पर दोनों की भरपूर सराहना की और कहा कि संभाग की सहकारिता की टीम ने तारीफ के लायक कार्य किया है।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की कमिश्नर श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव ने संभाग में औषधिय, मसाला एवं फलोत्पादन की खेती में हुई प्रगति की समीक्षा की और कहा कि मसाला, औषधीय एवं फलोद्यान में उज्जैन संभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जिले की एनआईसी कक्ष में संभागायुक्त श्री आनन्द कुमार शर्मा, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अंकित अस्थाना सहित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बड़वानी कलेक्टर ने शासकीय नर्सरी का निरीक्षण किया

बड़वानी। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ऋतुराज सिंह ने विकासखण्ड राजपुर के ग्राम सनगॉव पहुंचकर वहॉ पर संचालित शासकीय नर्सरी का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारी द्वय ने मनरेगा के तहत महिला स्व सहायता समूह द्वारा तैयार किये जा रहे फलो के पौधो के कार्य का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश संबंधितो को दिये।

कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान उपसंचालक उद्यानिकी श्री अजय चौहान ने बताया कि इस नर्सरी में मनरेगा अंतर्गत स्वसहायता समूह को 3 साल के लिये पौध उत्पाद कार्य से संलग्न किया गया है। इसके तहत इन महिलाओं से प्रथम वर्ष में सवा लाख पौधे तैयार करवाये जायेंगे। जबकि दूसरे एवं तीसरे वर्ष 25-25 हजार पौधे तैयार करवाये जायेंगे । प्रथम वर्ष में अभी तक महिलाओं द्वारा लगभग 10 हजार पौधो को पॉलीथिन में स्थानांतरित कर विक्रय हेतु तैयार कर लिया गया है, वहीं लगभग 60 से 70 हजार पौधे जमीन में तैयार हो रहे है। इन्हें भी शीघ्र ही पन्नी में स्थानांतरित कर विक्रय हेतु तैयार कर लिया जायेगा। इससे स्वसहायता समूह की महिलाओं को सतत 3 वर्षो तक रोजगार एवं प्रशिक्षण उपलब्ध होगा ।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

दीप पर्व की मंगल कामनाएँ

सौजन्य से

श्री दीपेन्द्र दवे (शा.प्र. रिंगनोद) श्री राधेश्याम सोनी (पर्य.)
श्री रामेन्द्रसिंह राठौर (शा.प्र. ढोढर) श्री कन्हैयालाल परमार (पर्य.)
श्री आनंद गौर (शा.प्र. कालूखेड़ा) श्री जयसिंह सिसोदिया (पर्य.)
श्री प्रहलाद पायल (शा.प्र. शिवपुर) श्री वीरेन्द्रसिंह राठौर (पर्य.)
श्री राजू सिलावट (शा.प्र. सैलाना) श्री प्रेमसिंह रावत (पर्य.)

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रिंगनोद, जि.रतलाम श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मामटखेड़ा, जि.रतलाम श्री जयसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. माण्डवी, जि.रतलाम श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रियावन, जि.रतलाम श्री जयसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बिनोली, जि.रतलाम श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. शिवपुर, जि.रतलाम श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. असावती, जि.रतलाम श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. नोगाँवा, जि.रतलाम श्री प्रभुदयाल भूरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गोदीशंकर, जि.रतलाम श्री राधेश्याम सोनी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. लुणेरा, जि.रतलाम श्री शिवकुमार सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रोला, जि.रतलाम श्री कारूलाल सावलिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. रिंगनिया, जि.रतलाम श्री प्रभुदयाल भूरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ढोढर, जि.रतलाम श्री कन्हैयालाल परमार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सैलाना, जि.रतलाम श्री प्रेमसिंह रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पिंगराला, जि.रतलाम श्री कन्हैयालाल परमार (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. शिवगढ़, जि.रतलाम श्री संतोष पुरोहित (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. चिकलाना, जि.रतलाम श्री फकीरचंद्र कटारिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सरवन, जि.रतलाम श्री संतोष पुरोहित (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कलालिया, जि.रतलाम श्री फकीरचंद्र कटारिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कांगसी, जि.रतलाम श्री प्रेमसिंह रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. कालूखेड़ा, जि.रतलाम श्री मनीष मेहता (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गराड़, जि.रतलाम श्री प्रेमसिंह रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मावता, जि.रतलाम श्री मनीष मेहता (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. बेड़दा, जि.रतलाम श्री संतोष पुरोहित (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री संजय आर्य (उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. खरगोन

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. शाजापुर

अधिकारियों को नवाचार के कार्य करने के निर्देश

झाबुआ। झाबुआ जिले में इस वर्ष रबी सीजन में 102295 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसले बुआई का लक्ष्य है। जिसमें गेहूँ 75 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में, चना 18 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में, जौं एवं अन्य 7 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में, मसूर 20 हेक्टेयर क्षेत्र में, मटर 140 हेक्टेयर क्षेत्र में, अन्य दलहन 10 हेक्टेयर क्षेत्र में, सरसों 30 हेक्टेयर क्षेत्र में, अलसी 60 हेक्टेयर क्षेत्र में, अन्य तिलहन 25 हेक्टेयर क्षेत्र में, गन्ना 10 हेक्टेयर क्षेत्र में और आलू एवं अन्य रबी फसले 2 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोई जाने का लक्ष्य शामिल है।

यह जानकारी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रोहित सिंह की अध्यक्षता में कृषि आदान व्यवस्था की समीक्षा बैठक में दी गई। श्री सिंह ने रबी सीजन के लिए जिले में बीज, उर्वरक के भण्डारण की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि गेहूँ 23400 क्विंटल के लक्ष्य के विरूद्ध 23750 क्विंटल, चना 4690 क्विंटल के विरूद्ध 6500 क्विंटल उपलब्ध है। इसी प्रकार जिले में 24 हजार 400 टन रासायनिक उर्वरक भण्डारण का लक्ष्य है, जिसके विरूद्ध 6682 टन रासायनिक उर्वरक उपलब्ध है, जिसमें यूरिया 2959 टन, एसएसपी 1823 टन, डीएपी 923 टन, एमओपी 319 टन तथा एनपीके कॉम्पलेक्स 658 टन उपलब्ध है। इस बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, केन्द्रीय सहकारी बैंक की योजनाओं का पावर पाईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। श्री सिंह ने उप संचालक कृषि को निर्देश दिए है कि वे रबी सीजन में रासायनिक खाद तथा बीज का पर्याप्त भण्डारण सुनिश्चित करे।

इस बैठक में वन मण्डलाधिकारी श्री एम.एल. हरित, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, सहायक कलेक्टर श्री आकाश सिंह, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री एन.एस. रावत, परियोजना संचालक आत्मा श्री जी.एस. त्रिवेदी, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डा. विल्सन डावर, उपायुक्त सहकारिता श्री अम्बरीष वैद्य, कृषि वैज्ञानिक श्री तोमर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ओझा, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री विजय सिंह, सहायक संचालक मत्स्य पालन श्री भाटी सहित कृषि विभाग से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस वाहनों को हरी झंडी

अलीराजपुर। दीनदयाल अंत्योदय योजना मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अलीराजपुर के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह संगठन के माध्यम से दूरदराज के इलाके में ग्रामीणों को यातायात की सुलभ व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत कट्ठीवाड़ा के चार संकुल स्तरीय संगठन को चार यात्री परिवहन एवं संचालन करने हेतु वाहनों का शुभारंभ हुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अलीराजपुर श्रीमती संस्कृति जैन ने उक्त वाहनों को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती इंकू बघेल एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि उक्त वाहनों के संचालन से क्षेत्र के दूरदराज के ग्रामीणों को परिवहन सुविधा उपलब्ध होंगी।

मंडी निगरानी के लिए अधिकारी होंगे तैनात

खरगोन। किसान संघ इकाई द्वारा प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने निर्णय लिया है कि कृषि मंडियों में अलग से निगरानी की जाए। श्रीमती अनुग्रहा ने खरगोन सहित भीकनगांव, बड़वाह, सनावद, कसरावद और करही कृषि उपज मंडी में जहां, कपास की खरीदी की जा रही है, वहां पर पृथक से पटवारी और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को तैनात किया है। किसान संघों ने सीसीआई द्वारा किसानों से कपास समर्थन मूल्य से कम दाम तथा अन्य तरह की आ रही समस्याओं के मद्देनजर निगरानी के लिए मांग की थी। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने पृथक से अधिकारियों की ड्यूटी मंडियों में लगाई है।

गौ-शाला परियोजना समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच। कलेक्टर श्री जितेन्द्रसिंह राजे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गौ-शाला परियोजना समन्वय समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष सांगवान, अपर कलेक्टर श्री सुनीलराज नायर, सभी अनुविभागीय अधिकारी, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उप संचालक पशु चिकित्सा श्री एके सिहं एवं अन्य अधिकारी, समिति सदस्य उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री जितेन्द्रसिंह राजे ने प्रस्तावित गौशालाओं का मौका मुआयना करने के निर्देश मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विदयुत वितरण कम्पनी,लोक स्वास्थ्य विभाग व ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को दिए। उप संचालक पशु चिकित्सा श्री ए.के.सिंह ने बताया कि जिले में प्रत्येक विकास खण्ड में 22 कुल 66 गौशालाओं का लक्ष्य प्राप्ता हुआ है। जावद विकास खण्ड में अब तक 15 गौ-शालाओं का निर्माण किया जा चुका है। मनासा में 12 एवं नीमच जिले 16 गौ-शालाओं का निर्माण किया जा चुका है।

नरवाई न जलाएं, पर्यावरण बचाएँ

भोपाल। संयुक्त संचालक कृषि श्री बी.एल.बिलैया ने बताया कि प्रदेश में धान एवं गेहूँ मुख्य फसल के रूप में ली जा रही है। उक्त फसलों की कटाई मुख्य रूप से कम्बाइंड हार्वेस्टर के माध्यम से की जाती है। कटाई के उपरांत फसलों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी होती है साथ ही पर्यावरण भी गम्भीर रूप से प्रभावित होता है। उन्होंने बताया कि फसलों की कटाई में उपयोग किये जाने वाले कंबाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेण्ट सिस्टम (एसएमएस) के उपयोग को अनिवार्य किया जाना आवश्यक है। गेंहू की नरवाई से कृषक भूसा प्राप्त करना चाहते है। कृषकों की मांग को देखते हुए स्ट्रा मैनेजमेण्ट सिस्टम के स्थान पर स्ट्रा रीपर के उपयोग को अनिवार्य किया जाये। अर्थात् कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ एसएमएस अथवा स्ट्रा रीपर में से कोई भी एक मशीन साथ में रहना अनिवार्य रहेगा।

कृषक चौपाल का आयोजन

रतलाम। आलोट जनपद पंचायत में कृषक चौपाल का आयोजन अध्यक्ष जनपद पंचायत आलोट श्री कालूसिंह परिहार एवं एसडीएम श्री शुक्ला के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुई। चौपाल मे ताल एवं आलोट शाखाओ के 50 किसानों ने हिस्सा लिया। एल.डी.एम. श्री राकेश गर्ग ने बताया कि इसका उद्देश्य विभिन्न सरकारी गैर सरकारी विभागों को एक मंच पर लाकर उनके अनुभव साझा करना है तथा किसान भाइयों को भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की किसान कल्याणकारी योजनाओं एवं ऋण योजनाओ के बारे में अवगत कराना है।

श्री परिहार ने बताया कि सेंट्रल बैंक की किसानों को सम्मानित करने की अनूठी पहल है इसकी सभी को मुक्तकंठ से सराहना करनी चाहिए। एसडीएम आलोट श्री शुक्ला ने कोरोना के बारे में सभी को सजग रहने की हिदायत दी। नोडल अधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय श्री इंडेरिया ने विभिन्न कृषि ऋण योजनाओ की जानकारी प्रदान की। डीडीएम नाबार्ड ने भी नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अतिथियो द्वारा ताल एवं आलोट शाखा के 25 कृषकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। चौपाल में आलोट जनपद सीईओ एवं एनआरएलएम प्रबंधक भी उपस्थित थे।

कीटनाशक गुण नियंत्रण दल गठित

नीमच। प्रदेश में गुण नियंत्रण के लिए सघन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। उर्वरक,बीज एवं कीटनाशक के गुण नियंत्रण हेतु जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय दल का गठन किया गया है। यह दल जिले में सतत भ्रमण कर जिले के पंजीकृत उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं के परिसरों का निरीक्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित करेगें। सहायक संचालक कृषि श्री ओ.एस.बर्मन, को दल प्रभारी बनाया गया है। इस दल में सहायक संचालक कृषि श्री ओ.एस.बर्मन, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नीमच श्री एम.एल.व्यास, सहायक संचालक कृषि श्री रमेश चौहान, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जावद श्री एस.एस.बघेल, सहायक संचालक कृषि श्री संदीप परमार, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मनासा श्री टी.ए.शेख को शामिल किया गया है।

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम

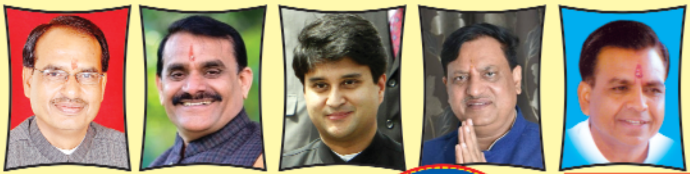

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भारत सिंह चौहान (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
श्री अश्विनी शर्मा (शा.प्र. नीमच सिटी)
श्री कैलाशचंद पलाश (शा.प्र. महागढ़)
श्री इलियास कुरैशी (शा.प्र. रतनगढ़)
श्री शंकरलाल धाकड़ (शा.प्र. सिंगोली)

श्री हिम्मत जैन (पर्य. नीमच सिटी) । श्री दशरथसिंह राजपूत (पर्य. महागढ़) । श्री विनोद कुमार शर्मा (पर्य. रतनगढ़) । श्री दिनेश सोलंकी (पर्य. सिंगोली)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. महागढ़, जि.नीमच श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शहनातलाई, जि.नीमच** श्री जगदीशचंद्र सोनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुण्डला, जि.नीमच श्री गोपाल गेहलोत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झातला, जि.नीमच** श्री रतनलाल धाकड़ (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलखेड़ा, जि.नीमच श्री सत्यनारायण राठौर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धारड़ी, जि.नीमच** श्री दिनेश सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरी, जि.नीमच श्री सुंदरलाल भँवर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नीमच सिटी, जि.नीमच** श्री प्रकाशचंद जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आत्री, जि.नीमच श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गिरदौड़ा, जि.नीमच** श्री विष्णु नागदा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.चपलाना , जि.नीमच श्री दशरथसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालसोड़ा, जि.नीमच** श्री गोविन्द व्यास (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रतनगढ़, जि.नीमच श्री विनोद शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलोन, जि.नीमच** श्री केशरसिंह परिहार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांकरिया तलाई, जि.नीमच श्री विनोद शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मनावती, जि.नीमच** श्री मदन पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आलोरी गरवान, जि.नीमच श्री गोपालकृष्ण शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावी, जि.नीमच** श्री हिम्मतसिंह जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जाट, जि.नीमच श्री गोपालकृष्ण शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नेवड़, जि.नीमच** श्री हरिसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंगोली, जि.नीमच श्री दिनेश सोलंकी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कानाखेड़ा, जि.नीमच** श्री सुरेश नागदा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

रबी सिंचाई का रकबा कम नहीं होगा : कलेक्टर

खरगोन। नगरीय निकायों में पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं द्वारा रबी की फसल के लिए जल संसाधन विभाग और एनव्हीडीए द्वारा पानी की उपलब्धता के आधार पर जल बंटवारा किया गया है। जल उपयोगिता और उपलब्धता को लेकर स्वामी विवेकानंद सभागृह में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी की अध्यक्षता में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री पी.के. ब्राह्मणे ने बताया कि जिले में संचालित 154 तालाब योजनाओं से 55 हजार 372 रबी क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा खरगोन शहर के लिए देजला देवड़ा स्थित तालाब से 8 एमसीएम पानी शहर की पेयजल को उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य शासन द्वारा निर्देश प्राप्त हुए कि जल संसाधन विभाग इस वर्ष किसानों की रबी फसल में रकबा कम न होने दे। जबकि वाटरिंग में कमी कर सकता है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गौरव बेनल, नपा सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल, कृषि उप संचालक एमएल चौहान, उद्यानिकी उप संचालक केके गिरवाल, एमपीईबी कार्यपालन यंत्री श्रीकांत बारसकर व अनुप जोषी सहित जल संसाधन विभाग के समस्त संभागों के एसडीओ उपस्थित रहे।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री और एनव्हीडीए के कार्यपालन यंत्री श्री परस्ते द्वारा अवगत कराया गया कि किसानों से सिंचाई जलकर बकाया है, जिसके कारण मेंटेनेंस में भी समस्या आती है। जल संसाधन विभाग द्वारा 500 रूपए प्रति हेक्टेयर और एनव्हीडीए द्वारा 5 हजार रूपए प्रति हेक्टेयर सिंचाई जलकर वसूलता है, जिसका दोनों विभागों में काफी बकाया है। नपा खरगोन द्वारा जल संसाधन विभाग को अब तक पिछला बकाया नहीं दिया गया है। जल संसाधन कार्यपालन यंत्री श्री ब्राह्मणे ने कहा कि नपा से अब भी 5 करोड़ 68 लाख रूपए की राषि प्राप्त नहीं हुई है। बैठक में उपस्थित कसरावद विधायक श्री सचिन यादव के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित श्री पटेल ने तालाबों से किसानों को गाद निकालने की अनुमति के लिए बात रखी। विभाग ने बताया कि शासन द्वारा गाद निकालने की अनुमति नहीं दी गई है। शासन द्वारा इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है।

रासायनिक खाद की हेराफेरी करने वाले कर्मचारी निलम्बित

उज्जैन। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अनुविभागीय अधिकारी खाचरौद द्वारा रासायनिक खाद की हेराफेरी के सम्बन्ध में प्रस्तुत किये गये प्रतिवेदन के आधार पर जिला विपणन संघ के गोदाम प्रभारी मोहन निगम, मुकादम नाहरू खां व वाजिद खां को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। जिला विपणन अधिकारी को उक्त तीनों कर्मचारियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने एवं उसकी प्रतिलिपि कलेक्टर कार्यालय को भेजने के भी निर्देश दिये हैं। अनुविभागीय अधिकारी खाचरौद द्वारा प्रतिवेदित किया गया था कि गोदाम प्रभारी मोहन निगम रासायनिक खाद वितरण नहीं करते हैं व गोदाम पर ताला लगाकर एवं मोबाइल बन्द कर कर्तव्य से अनुपस्थित रहते हैं। नायब तहसीलदार खाचरौद द्वारा गोदाम में रखी रासायनिक खाद का भौतिक सत्यापन करने पर 362.07 मैट्रिक टन यूरिया, 367.5 मैट्रिक टन डीएपी एवं 287.35 मैट्रिक टन 12/32/16 रासायनिक खाद कम पाई गई। गोदाम प्रभारी एवं अन्य दोनों कर्मचारी जिम्मेदार पाये गये और इन्हें निलम्बित कर कार्रवाई की गई।

उपसंचालक कृषि ने चना फसल पर कीट नियंत्रण के उपाय बताए

रतलाम। उपसंचालक कृषि श्री जी.एस. मोहनिया ने बताया कि रतलाम जिले में 48 हजार 565 हेक्टेयर में चने की फसल का रकबा बोया जा रहा है। वर्तमान में जिन किसान भाइयों ने चने की फसल में बोवनी कर दी है उसमें कीटों का प्रकोप दिखाई दे रहा है। चने की फसल पर लगने वाले कीटों में फलीभेदक या चने की इल्ली सबसे बडी खतरनाक कीट है। इस कीट के प्रकोप से चने की उत्पादकता में 20 से 30 प्रतिशत तक की हानि होती है। भीषण प्रकोप की अवस्था में चने की फसल में 70 से 80 प्रतिशत क्षति होती है। इस कीट बचाव के लिए खेती में टी आकार की लकडी की खूंटियां पक्षियों के बैठने के लिए एक एकड में 10 से 12 स्थानों पर लगाएं। फैरोमेन ट्रेप एक एकड में 4 स्थानों पर लगाएं। इसके अलावा गेंदा फूल के पौधे, चना फसल के आसपास लगाने से इस इल्ली की रोकथाम की जा सकती है। इसके अलावा रासायनिक दवाईयों में प्रोपेनाफास 50 ईसी 1.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।

कृषकों ने सीखा कृषि यंत्रो का संचालन

बालाघाट। कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव, बालाघाट एवं केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुधनी के संयुक्त तत्वाधान में बेरोजगार युवाओं एवं किसानों के लिए कृषि मशीनरी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। इस प्रशिक्षण में 8 ग्रामों के 40 कृषक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत ने प्रशिक्षार्थियों को कृषि संबंधित उपकरणों जैसे ट्रेक्टर की देखभाल एवं रख-रखाव, सीड ड्रील का उपयोग एवं रीपर का विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

केन्द्र के वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति ने जानकारी दी कि मशीनों के प्रयोग से कृषि में उपयोग वाले आदानों में बचत होती हैं, जैसे कि बीज एवं खाद में 15-20 प्रतिशत की कमी, समय एवं श्रम में 20-30 प्रतिशत की कमी तथा साथ में उचित बीज जमाव से फसल घनत्व में 5-20 प्रतिशत अधिकता होती हैं। इस प्रकार मशीनरी के उपयोग से 10-15 प्रतिशत उत्पादकता में बढ़ोत्तरी होती हैं और आर्थिक रूप से अधिक बचत होती हैं। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.के. जाटव द्वारा रबी की फसलें जैसे -चना, गेहूं एवं अलसी की बुवाई में प्रयोग होने वाले सीड ड्रील मशीन के महत्व की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के धमेन्द्र आगाषे, सुखलाल वास्केल, जितेन्द्र मर्सकोले एवं जितेन्द्र नगपुरे ने अपना-अपना सराहनीय योगदान दिया।

उच्च गुणवत्ता का गेहूं बीज उपलब्ध

भोपाल। म.प्र. राज्य बीज एवं फर्म विकास निगम के स्थित बीज विक्रय केन्द्र में किसानों के लिये रोग प्रतिरोधी क्षमता और उच्च गुणवत्ता युक्त गेंहू बीज की नई किस्में उपलब्ध है। उच्च गुणवत्ता युक्त बीज का प्रयोग कर किसान भाई अधिक फसलोत्पादन ले सकेंगे। चूंकि गेंहू की पुरानी किस्मों में वंशानुगत, भूमिजनित बीमारियों का प्रकोप ज्यादा होता है, जिस कारण इन किस्मों का उत्पादन भी कम प्राप्त होता है एवं अधिक रोग लगने के कारण कृषकों का उत्पादन व्यय बढ़ता है। शासन की मंशानुसार बीज निगम द्वारा नई किस्मों का उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन का प्रमाणित बीजों की किस्में एचआई 8759 (तेजस), एचआई 8713 (मंगला), जेडब्ल्यू 3382, जेडब्ल्यू 3288, एमपी 3211, एमपी 1201, एमपी 1202, एचआई 8737, एमपीओ 1215, एचआई 1544 आदि किस्मों का बीज विक्रय केन्द्र जबलपुर पर उपलब्ध है। किसान भाई निगम के प्रक्रिया केन्द्र, सेवा सहकारी समितियों से बीज निगम का उच्च गुणवत्ता का बीज प्राप्त कर सकते है।

उर्वरकों, बीजों की कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करें

शाजापुर। उर्वरको, दवा एवं बीजों को तय मूल्य से अधिक दाम पर बेचने की समाचार पत्रों एवं आमजनता के माध्यम से प्राय- शिकायतें प्राप्त हो रही है। उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास तथा सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उर्वरको, दवा एवं बीजों की कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान उर्वरको, खाद, बीज, दवा की आपूर्ति एवं उपलब्धता की समीक्षा करते हुए दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती मिशा सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शैली कनाश, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर श्री एसएल सोलंकी व शुजालपुर श्री प्रकाश कस्बे, डिप्टी कलेक्टर श्री अजीत श्रीवास्तव, सुश्री प्रियंका वर्मा व श्रीमती जूही गर्ग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
समस्त किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री नीरज सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री आर.आर. सिंह (संयुक्त आयुक्त)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री एम.के.बार्चे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. राजगढ़

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ
दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ
श्री बी.एस. शुक्ला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री के.व्ही. सोरते (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. बैतूल

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

दीपावली की शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री आर.आर. सिंह (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

सुश्री मीना डाबर (उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एन.यू. सिद्दीकी (प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से

श्री जी.के. सक्सेना (शा.प्र. गैरतगंज) | श्री घनश्याम व्यास (पर्यवेक्षक गैरतगंज) | श्री योगेश सोनी (शा.प्र. बेगमगंज) | श्री बिहारीलाल विश्वकर्मा (पर्यवेक्षक बेगमगंज)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गढ़ी, जि.रायसेन श्री कैलाश तिवारी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रजपुरा, जि.रायसेन श्री श्यामबाबू शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चांदोनीगढ़ी, जि.रायसेन श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेगमगंज, जि.रायसेन श्री विनोद सक्सेना (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गैरतगंज, जि.रायसेन श्री शिवकुमार शर्मा (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढिलवार, जि.रायसेन श्री प्रवीण दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अगरियाकलां, जि.रायसेन श्री राधेलाल धाकड़ (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुल्तानगंज, जि.रायसेन श्री राजेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आलमपुर, जि.रायसेन श्री कन्छेदीलाल साहू (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चंदोरिया, जि.रायसेन श्री बृजेन्द्र सिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रमपुराकलां, जि.रायसेन श्री घनश्याम व्यास (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पंडरभटा, जि.रायसेन श्री बिहारी विश्वकर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोडरपुर, जि.रायसेन श्री मुन्नालाल दुबे (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पांडाझिर, जि.रायसेन श्री वृंदावनसिंह ठाकुर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. समनापुर, जि.रायसेन श्री चन्द्रभान गौर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनेहरा, जि.रायसेन श्री बिहारी विश्वकर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंहपुर, जि.रायसेन श्री रामसिंह यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनवाहा, जि.रायसेन श्री बिहारी विश्वकर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बम्हौरी गोदड़, जि.रायसेन श्री कमलसिंह गुर्जर (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुमेर, जि.रायसेन श्री नारायण पटेल (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चाँदपुर, जि.रायसेन श्री मुकेश लोधी (प्रबंधक)	प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहपुर, जि.रायसेन श्री राजकुमार साहू (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

किसानों की आय बढ़ोत्तरी पहला लक्ष्य : श्री लवानिया

भोपाल। कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया ने खेत पाठशाला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा है कि किसान इस देश का अन्नदाता है, किसान सोच ले, पूरा करके ही रहता है। किसान खेत पाठशाला में सभी किसान भाई शपथ ले कि नरवाई को नहीं जलाएंगे, नरवाई के बेहतर उपयोग के लिए जिला-प्रशासन द्वारा तहसील स्तर पर एक समूह का भी गठन किया जाएगा जिसमें किसानों को नरवाई के बेहतर उपयोग के लिए सलाह और मदद भी उपलब्ध कराई जाएगी। नजीराबाद में किसान खेत पाठशाला में जिला पंचायत सीईओ श्री विकास मिश्रा, एसडीएम श्री राजीव नदन अन्य विभागों के अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कृषक भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री लवानिया ने कहा है कि किसानों की आय में वृद्धि के लिए किसानों को फसल चक्र अपनाना चाहिए, लगातार एक ही फसल नहीं लेना चाहिए, उन्नत किसानों द्वारा लगातार फसल चक्र अपनाया जा रहा है। इससे उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे सभी किसान भाई जो बड़े शहरों के आस-पास रहते हैं उनको शहरों की जरूरत के हिसाब से सब्जी और अन्य जरूरत की फसल की खेती करना चाहिए। जिससे उन फसलों को बेचकर आय में वृद्धि की जा सके। फसल चक्र अपनाने से बड़े शहरों में फसल का सही दाम मिलता है। किसान भाइयों द्वारा उन्नत तकनीक से खेती की जाने पर आय में वृद्धि होगी। इसके लिए आसपास के किसान भाइयों को ऐसे उन्नत खेती करने वाले किसानों से सलाह लेना चाहिए और आपसी विचार-विमर्श फसल चक्र अपनाकर कृषि आय में वृद्धि की जा सकती है। कलेक्टर श्री लवानिया ने नजीराबाद ग्राम पंचायत भवन में महिला स्व-सहायता समूह के प्रतिनिधियों और सदस्यों से भी चर्चा की। किसान खेत पाठशाला में किसान क्रेडिट कार्ड का भी वितरण किया गया। इसके साथ ही कृषि यंत्रों के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए।

विदिशा में किसान खेत पाठशाला का आयोजन

विदिशा। विदिशा जिले के कृषकों को कृषि संबंधी अद्यतन तमाम जानकारियां सुगमता से ग्राम पंचायत में ही उपलब्ध हो सकें इसके लिए जिले में नवाचार किसान खेत पाठशाला के माध्यम से किया गया है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री पीके चौकसे ने किसान खेत पाठशाला आयोजन के तहत उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु क्रियान्वित रणनीति के अनुसार कार्यो के सम्पादन हेतु हर रोज 54 ग्राम पंचायतों में दल के सदस्य पहुंचकर प्रत्येक ग्राम पंचायत में मौजूद किसानों को मिट्टी का परीक्षण, बीजोपचार, कीटव्याधि से बचाव के उपाय, सिंचाई के प्रबंध के अलावा आधुनिक तरीको से कृषि, उद्यानिकी फसलो को लेने के अलावा आमदनी में वृद्धि हो इसके लिए पशुधन को बढ़ावा देने के प्रबंधो से अवगत कराया जा रहा है। हर ग्राम पंचायत में प्रथम चरण में संवाद स्थापित कर जानकारी दी जाती है और किसानो की शंकाओं का समाधान किया जाता है। इसके पश्चात् ग्राम के किसी एक कृषक के यहां आधुनिक कृषि के संबंध में बताई गई

जानकारियों के अनुसार प्रेक्टिकल अवगत कराया जाता है जैसे कि किसानबंधु अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण कराने के लिए किस प्रकार मिट्टी को इकट्ठा करें। बीजोपचार से होने वाले फायदे, बुआई कराने के उपयोग में लाए जाने वाले उपकरण खरपतवार से बचाव के उपाय तथा सिंचाई के प्रबंधन इत्यादि की जानकारी दी जा रही है। इसी प्रकार फलोद्यान को बढावा देने के लिए उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा उद्यानिकी फसलों की पैदावार से होने वाले मुनाफो को अवगत कराया जा रहा है वही उन्नत नस्ल के गाय, भैस पालन से होने वाले दुग्ध उत्पादन की वृद्धि तथा देशी नस्ल के गौवंशीय पशुओं की नस्ल सुधार हेतु विभाग के माध्यम से योजनाओं के तहत लाभ लेने के उपायों से अवगत कराया जा रहा है।

सीहोर के 70 ग्राम पंचायतों में हुआ किसान खेत पाठशाला का आयोजन

सीहोर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास उपसंचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की समस्त 497 पंचायतों में किसान खेत पाठशाला का आयोजन 9 नवंबर तक किया जाएगा जो कि 29 अक्टूबर से शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि 2 नवंबर को किसान खेत पाठशालाओं में सीहोर विकासखंड की 21 ग्राम पंचायत इछावर, नसरुल्लागंज एवं बुधनी क 10-10 ग्राम पंचायत तथा आष्टा के 19 ग्राम पंचायत कुल मिलाकर 70 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें 3690 भाग लिया। अभी तक 203 ग्राम पंचायतों में पाठ शालाओं का आयोजन संपन्न किया जा चुका है किसान खेत पाठशाला में मास्टर ट्रेनर द्वारा रबि फसल का पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई पशुपालन एवं कृषि महाविद्यालय अधिकारी उपस्थित थे।

अमानक जिंक सल्फेट प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा। उप संचालक कृषि श्री जे.आर.हेड़ाऊ द्वारा निर्माता कंपनी उत्तम ऑर्गेनिक फर्टिचेम प्रा.लि. निमरानी खरगौन का छिन्दवाड़ा जिले के बिछुआ विकासखंड के ग्राम मोया के विक्रेता मेसर्स आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित से पाया गया जिंक सल्फेट उर्वरक के नमूने का विश्लेषण अमानक स्तर का पाये जाने पर इस अमानक उर्वरक के संबंधित लॉट/बैच नंबर-264/स्ढ्क्ष-20 का जिले में क्रय, विक्रय, भंडारण और स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उन्होंने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बिछुआ को निर्देश दिये है कि अमानक उर्वरक स्कंध की बोरियों पर लाल स्याही से अमानक लिखकर और क्रॉस का चिन्ह लगाकर बचत स्कंध की मात्रा एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही कर जिला कार्यालय को अवगत कराये।

मनासा जनपद सीईओ का प्रभार श्री डामोर को

नीमच। कलेक्टर श्री जितेन्द्रसिंह राजे ने द्वारा अतिरिक्त जनपद पंचायत मनासा के सीईओ का प्रभार अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अरविंद डामोर को सौंपा गया है। जनपद मनासा के सीईओ श्री लक्ष्मण सिंह डिडोंर दो सप्ताह के चिकित्सा अवकाश पर है।

समान काम समान वेतन पर बैंकों से जानकारी मँगाई जाएगी

भोपाल। समान काम समान वेतन पर सभी जिला बैंकों से जानकारी मँगाई जाएगी उसके बाद निर्णय लिया जावेगा। सहकारी संस्थाओं में केडर लागू करने के संबंध में कुछ विषय लंबित है जिनके लिए सहकारिता मंत्री से चर्चा की जाएगी। यह बात

डॉ. एम.के. अग्रवाल

सहकारिता आयुक्त डॉ. एम.के. अग्रवाल ने मध्यप्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष कही। फेडरेशन अपनी 10 सूत्री माँगों को लेकर सहकारिता आयुक्त डॉ. एम.के. अग्रवाल से मिला। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री अरविंद सेंगर, अपेक्स बैंक के एमडी श्री प्रदीप नीखरा, उपायुक्त सहकारिता श्री एच.एस. वाघेला भी मौजूद थे। मध्यप्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाइज फेडरेशन की ओर से महासचिव श्री जी.आर. निमगांवकर, उपाध्यक्ष श्री विमल दुबे, श्री सुरेश लोहाना एवं अनिल बावनिया उपस्थित रहे। सहकारिता आयुक्त के साथ फेडरेशन की हुई चर्चा काफी सकारात्मक रही जिसमें कुछ माँगों पर शीघ्र आदेश देने का आश्वासन दिया गया।

प्रदेश के समस्त सहकारी बैंको के कर्मचारियों को पदोन्नति, समयमान वेतनमान, तृतीय वेतनमान वेतनवृद्धि पर आयुक्त महोदय ने शीघ्र आदेश जारी करने की सहमति प्रदान की। अब सभी जिला बैंकों के कर्मचारी तृतीय समयमान वेतनमान के पात्र हो गए हैं। केरल पेंशन योजना के इस संबंध में शासन स्तर पर कार्रवाई जारी है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में अनुकम्पा नियुक्ति में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को 8वीं उत्तीर्ण को भी पात्र दी जाएगी। सहकारिता आयुक्त ने फेडरेशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपका फेडरेशन कर्मचारियों की मांगो के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है। फेडरेशन के उपकोषाध्यक्ष योगेन्द्र महावर ने बताया कि समस्त सहकारी बैंकों के साथियों की ओर से आयुक्त महोदय को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ भी दी गई।

पंचायत चुनाव हेतु मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त

श्योपुर। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल के निर्देशानुसार नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2020-21 के लिए जिला एवं नगरीय निकायों/ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति की दिशा में आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2020-21 के अंतर्गत जिला स्तरीय एवं नगरीय निकाय स्तरीय/ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर नियुक्त कर दिये गये है।

समस्त किसान भाइयों को
दीपावली की
शुभकामनाएँ
मासिक पत्रिका
'हरियाली के रास्ते'
के 11वें वर्ष में
प्रवेश पर बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
श्री जगदीश कन्नौज
(बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.)
श्री के. पाटनकर
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री ए.के. हरसोला
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
श्री गजेन्द्र अत्रे
(वित्त प्रबंधक)
सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. खंडवा

समस्त कृषक भाइयों को
दीपोत्सव की शुभकामनाएँ
सहकारिता विशेषांक
के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसान भाइयों को
0% ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री पी.के. सिद्धार्थ
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री जी.एस. डेहरिया
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री पंकज गुप्ता
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री के.के. सोनी
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
मासिक पत्रिका
'हरियाली के रास्ते'
की 10वीं वर्षगाँठ
पर हार्दिक बधाइयाँ
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छिंदवाड़ा

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन) | मत्स्य पालन हेतु ऋण | स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

दीपावली की शुभकामनाएँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

श्री अशोक तिवारी (शा.प्र. बिड़वाल)
श्री वीरेन्द्र शर्मा (शा.प्र. डही)
श्री बद्रीलाल मारू (शा.प्र. राजोद)
श्री भोलेसिंह राणा (शा.प्र. बाग)
श्री रामलाल चौहान (पर्य. बाग)
श्री सुरेश पाटीदार (शा.प्र. दसई)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिड़वाल, जि.धार
श्री महेश उपाध्याय (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बालोदा, जि.धार
श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कोद, जि.धार
श्री अशोक तिवारी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खिलेड़ी, जि.धार
श्री दुलेसिंह गोयल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कड़ोदकलां, जि.धार
श्री ओमप्रकाश डालिया(प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बाग, जि.धार
श्री इकबाल खान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. डही, जि.धार
श्री वीरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. टाण्डा, जि.धार
श्री रामलाल चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बड़वान्या, जि.धार
श्री वीरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लोंगसरी, जि.धार
श्री लखनसिंह वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. फिफेड़ा, जि.धार
श्री सुनील पाण्डे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लावरिया, जि.धार
श्री गोवर्धन पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. राजोद, जि.धार
श्री भागीरथ धनोतिया (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुक्षी, जि.धार
श्री यशपाल पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. चंदरपुरा, जि.धार
श्री राजेन्द्र दुबे (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. गिरवान्या, जि.धार
श्री शरीफ खान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नालछा, जि.धार
श्री यशवंतसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. धूलसर, जि.धार
श्री रामलाल राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सागौर, जि.धार
श्री महेन्द्रसिंह शेखावत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. लोहारी, जि.धार
श्री भेरूलाल भायल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरमंडल, जि.धार
श्री बद्रीलाल गोयल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. अम्बाड़ा, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाण्डेय (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. दसई, जि.धार
श्री महेश शुक्ला (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. आंवली, जि.धार
श्री तेजसिंह मुजाल्दा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

भोपाल में किसान खेत पाठशाला का आयोजन

भोपाल। संभाग आयुक्त श्री कवीन्द्र कियावत ने किसान खेत पाठशाला के मास्टर ट्रेनर्स सहित अन्य विभागों के समन्वय में अधिकारियों से कहा है कि इस अभियान की अवधारणा के अनुरूप किसानों को नई तकनीक की जानकारी, कृषि की लागत में कमी और उत्पादकता बढ़ाकर आय में वृद्धि के लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि कृषि भूमि के शत-प्रतिशत उपयोग के साथ ही अन्य उत्पादक गतिविधियों को बढ़ाकर अतिरिक्त आय में वृद्धि करने की सीख किसानों को दी जाए। कृषि अनुसंधान संस्थान नवी बाग में संपन्न कार्यशाला में कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया, जिला पंचायत सीईओ श्री विकास मिश्रा सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी, पशु पालन, कुक्कुट पालन विभाग के अधिकारी, बैंकर्स, किसान और वैज्ञानिक उपस्थित थे। कार्यशाला में लगभग 100 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया।

श्री कियावत ने कहा कि किसान खेत पाठशाला का यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। अभी रबी और जायद फसलों के लिए यह अभियान है, इसी तरह प्रत्येक सीजन के लिए यह टीम काम करेगी। श्री कियावत ने कहा कि खेती में महिलाओं के योगदान के दृष्टिगत उन्हें भी शिक्षित किया जाए। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स से कहा है कि वे किसानों में भरोसा पैदा करें और उन्हें अपना मित्र बनाएं जिससे किसानों की हर बात शासन प्रशासन तक भी पहुंच सके।

कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया ने मास्टर ट्रेनर्स से कहा कि वे अपने प्रभार के गांवों की विशेषता देखकर किसानों को कोई एक-दो फसलें क्लस्टर के रूप में लेने के लिए तैयार करें, जिससे मार्केटिंग के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में अच्छी पंचायतों का चयन कर मॉडल के रूप में विकसित करें। कार्यशाला को सीईओ श्री विकास मिश्रा ने भी संबोधित किया। उन्होंने कस्टम हायर सेंटर को बढ़ावा देने और बड़े गांव में तकनीकी के प्रदर्शन कराने की बात कही। उन्नत कृषक श्री भोरूलाल पाटीदार ने भी अपनी विकास यात्रा बतायी। संयुक्त संचालक कृषि श्री बी एल बिलैया सहित कृषि वैज्ञानिकों, पशु पालन, मछली पालन, उद्यानिकी आदि विभागों के अधिकारियों ने मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया।

उन्नत कृषि यंत्रों के लिए ऑनलाइन एप

भोपाल। फार्मस एप (फार्म मशीनरी सॉल्यूशन) एप्लीकेशन कृषकों के लिए लांच किया गया है। यह एप्लीकेशन सिर्फ भारत के 6 राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत लांच किया जिसमें मध्यप्रदेश भी शामिल है। इसका उद्देश्य कृषकों को उन्नत कृषि यंत्र ऑनलाइन उपलब्ध कराना है। अतः जिले के समस्त कस्टम हायरिंग हितग्राही एवं हाईटेक कस्टम हायरिंग हितग्राही एवं वह कृषक जो कृषि उद्यम के क्षेत्र में जुड़े हैं, बे उन्नत कृषक जिनके पास में ट्रैक्टर आदि यंत्र उपलब्ध है। गूगल प्ले स्टोर पर जाकर इस एप्लीकेशन को डाउनलोड किया जा सकता है। जिले के समस्त कृषको से अनुरोध किया गया है कि इस एप्लीकेशन पर अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर अपना पंजीयन करने का कष्ट करें, जिससे जरूरतमंद कृषकों को मशीनरी हेतु एक नया प्लेटफार्म उपलब्ध हो सके।

25 दिसम्बर तक कीटनाशक गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम जारी रहेगा

मुरैना। संचालक कृषि विभाग भोपाल ने प्रदेश के सभी जिलों के उप संचालकों को निर्देश दिए है कि 25 अक्टूबर से 25 दिसम्बर की अवधि में कीटनाशक गुणवत्ता नियंत्रण के लिए सघन अभियान चलाया जायें। इस दौरान कीटनाशी निरीक्षकों के माध्यम से कीटनाशी विक्रय केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण करवाया जायें तथा अमानक स्तर का कीटनाशक पाए जाने पर कीटनाशी अधिनियम के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। इस अभियान के प्रभावी संचालन के लिए कृषि अधिकारियों का एक दल बनाया जायेगा, जो कि कीटनाशी की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रयास करेगा तथा अमानक कीटनाशक के विक्रय को प्रभावी तरीके से रोकेगा।

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

श्री चंद्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.एन. त्रिपाठी (बैंक सीईओ)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' की 10वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री प्रकाश शर्मा (शा.प्र. खातेगाँव)
श्री राजेन्द्रसिंह राजावत (पर्य. खातेगाँव)
श्री लखनलाल यादव (पर्य. खातेगाँव)
श्री सत्यनारायण अग्रवाल (शा.प्र. कन्नौद)
श्री छगनसिंह वर्मा (पर्य. कन्नौद)
श्री मनोज कुमार तोमर (पर्य. कन्नौद)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. खातेगाँव, जि.देवास
श्री दिनेश चौहान (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. अजनास, जि.देवास
श्री सुरेशचंद जोशी (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.देवास
श्री महेन्द्रसिंह राजावत (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. जियागाँव, जि.देवास
श्री बृजमोहन वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.देवास
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. पीपल्या नानकर, जि.देवास
श्री कैलाश मीणा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. हरणगाँव, जि.देवास
श्री गजानंद शुक्ला (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. विक्रमपुर, जि.देवास
श्री दिनेशचंद शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पटरानी, जि.देवास
श्री कमलसिंह अरोरा (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. खल, जि.देवास
श्री महेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. मुरझाल, जि.देवास
श्री मनोहर पंवार (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. कांकरिया, जि.देवास
श्री संतोष जायसवाल (प्रबंधक)

उन्नत सेवा सह. संस्था मर्या. संदलपुर, जि.देवास
श्री रमेशचंद यादव (प्रबंधक)

वृह.सेवा सह. संस्था मर्या. नेमावर, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कन्नौद, जि.देवास
श्री सुभाष तिवारी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कुसमानिया, जि.देवास
श्री दिलीप भारतीय (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. डोकाकुई, जि.देवास
श्री हरेन्द्रसिंह सेंधव (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. डोगराखेड़ा, जि.देवास
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. ननासा, जि.देवास
श्री संतोष व्यास (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.देवास
श्री मोतीलाल मीणा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पानीगाँव, जि.देवास
श्री मनोज जाट (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बिजवाड़, जि.देवास
श्री सतीश जोशी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. कलवार, जि.देवास
श्री ओमप्रकाश जोनवाल (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. खारपा, जि.देवास
श्री संतोष शर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. थूरिया, जि.देवास
श्री पुरुषोत्तम चौबे (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राशिफल

आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

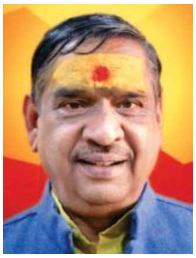

मेष

यह माह अत्यधिक खर्च और व्यर्थ की भागदौड़ के साबित होगा। आपकी परिवार के लोगों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में उन्नति और धनलाभ के योग बनेंगे। अधिकारियों से संभल कर व्यवहार करें।

वृषभ

विपरीत समय में परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। मेहनत व परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। किसी अप्रिय घटना की आशंका है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। यात्रा का जोखिम न लें।

मिथुन

कार्यस्थल पर स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का कार्य में सहयोग मिलेगा। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। शुभ प्रवास होगा।

कर्क

घर परिवार में सुख शांति रहेगी। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद बना रहेगा। साझेदारी में लाभ मिल सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नवीन वस्त्र क्रय करने का मन बनेगा। सेहत से समझौता न करें।

सिंह

धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा।

कन्या

दैनिक कार्य आसानी से हो जाएंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्नता देगी। वाहन सुख प्राप्त होगा। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रतिस्पर्धी निराश होंगे। वित्तीय पक्ष उत्तम।

तुला

सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। आवक बढ़ेगी। तय किए गए लक्ष्य प्राप्त होंगे। सरकारी कर्मचारी लाभ प्राप्त करेंगे। कामकाज के नए अवसर मिलेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

वृश्चिक

राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य संबंध मधुर बनेंगे। मित्रों के सहयोग से योजना सफल होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देना होगा। दुर्घटना का भय है।

धनु

बनते काम रुक सकते हैं। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु हावी हो सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय उपयुक्त है। सरकारी कामकाज बनेंगे। भूमि, भवन क्रय करने की योजना बनेगी। प्रवास शुभ।

मकर

नौकरी के कार्य से यात्रा हो सकती है। आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगा। युवा वर्ग समय का सदुपयोग करेंगे। पुराने मित्र से मिलने पर मन प्रसन्न होगा। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। वाहन चलाने में सावधानी रखें।

कुम्भ

विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम है। प्रतिभा के बल पर सफलता के नित नए आयाम को स्पर्श करेंगे। धन की आवक खुलेगी। वाणी माधुर्य का लाभ मिलेगा। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

मीन

आलस्य का अनुभव करेंगे। नकारात्मकता को हावी न होने दें। कार्यों में अवरोध पैदा होंगे। पिता के स्वास्थ्य से परेशानी हो सकती है। व्यापार में उतार चढ़ाव बना रहेगा। पत्नी का सहयोग मिलेगा।

शाहरुख ने 2 साल से साइन नहीं की कोई फिल्म

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने 2 नवंबर को अपना 55वां जन्मदिन मनाया। शाहरुख खान पिछली बार 2018 में रिलीज जीरो फिल्म में लीड रोल में नजर आए थे। उसके बाद से उन्होंने कोई फिल्म साइन नहीं की है। यही सवाल 2019 में उनके बर्थडे के वक्त उठा था। तब फैन्स ने इसकी वजह पूछी थी, तो किंग खान ने चालाकी से जवाब दिया था, 'मैं ही बॉलीवुड हूं।' बहरहाल, शाहरुख भले ही तब सवाल टाल गए हों और बच निकले हों, लेकिन 2020 में भी यह प्रश्न किया जा रहा है। फैन्स पूछ रहे हैं कि जब आमिर खान और सलमान खान फिल्में कर रहे हैं तो शाहरुख ने इतना लंबा ब्रेक क्यों लिया है। शाहरुख खान अभी दुबई में है जहां आईपीएल खेला जा रहा है। शाहरुख खान ने भारत में अपने प्रशंसकों से अपील की है कि वे हर साल की तरह इस साल उनके बंगले मन्नत पर इकठ्ठा न हो। शाहरुख ने कहा कि अभी देश में कोरोना महामारी फैली है, जिसके मद्देनजर एक स्थान पर कई लोगों का जमा होना खतरनाक है। वहीं शाहरुख ने बर्थडे पर साढ़े पांच हजार कोविड किट दान करने का फैसला किया है।

पिता के नक्शे कदम पर जेमी लीवर

जाने-माने अभिनेता जॉनी लीवर बॉलीवुड के ऐसे कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने कॉमेडियन के तौर पर इंडस्ट्री में अपनी ख़ास पहचान बनाई है। जॉनी लीवर की तरह ही अब उनकी बेटी जेमी लीवर भी उनके ही नक्शे कदम पर चल रही हैं। जेमी साल 2015 में कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'किस-किस को प्यार करूं' और फिर 'हाउस फुल 4' में नज़र आई थीं। उन्होंने फिलहाल दो ही हिंदी फिल्में की हैं, लेकिन स्टैंडअप कॉमेडी में अपना एक अलग मुकाम बनाने में वो कामयाब रहीं हैं। बाप-बेटी की ये जोड़ी ना केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी कई स्टेज शोज भी कर चुकी है. और ये बेहद कामयाब भी रहे हैं। जेमी अपने पिता के बारे में कहती हैं कि स्टेज पर वो मेरे पिता नहीं बॉस होते हैं और जब वो मेरे बॉस होते हैं तो बहुत सख्त बन जाते हैं और उन्हें काम में कोई लापरवाही पसंद नहीं है। पापा ने कई साल लगा दिया अपनी एक पहचान बनाने में और मुझे डर रहता है कि मुझसे स्टेज पर कोई गलती ना हो इसलिए मैं स्टेज पर जाने से पहले दोगुनी मेहनत करती हूँ।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री बबलू सातनकर
(प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री जगदीश बड़वाया (शा.प्र. बेटमा)
श्री राजेश चौधरी/श्री कैलाशचंद्र सोनगरा (पर्य. बेटमा)
श्री अशोक तंवर (शा.प्र. अजनोद)
श्री प्रकाश मंडलोई (पर्य. अजनोद)
श्री घनश्याम डाबी (शा.प्र. आगरा)
श्री रामचंद्र चौहान (पर्य. आगरा)

मासिक पत्रिका 'हरियाली के रास्ते' के 11वें वर्ष में प्रवेश पर बधाइयाँ

सहकारिता विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
चितौड़ा, जि.इंदौर
श्री हरिसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
नागपुर, जि.इंदौर
श्री हृदयेश कुमार व्यास (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
रोलाय, जि.इंदौर
श्री कल्याणसिंह पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
मेठवाड़ा, जि.इंदौर
श्री कैलाशचंद सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
टाकुण, जि.इंदौर
श्री महेन्द्र गोस्वामी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
माचल, जि.इंदौर
श्री महेश शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
काली बिल्लौद, जि.इंदौर
श्री बद्रीलाल सिसोदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
आगरा, जि.इंदौर
श्री खुमानसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
बेटमा, जि.इंदौर
श्री कैलाशचंद सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
घाटा बिल्लौद, जि.इंदौर
श्री चतरसिंह दरबार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
अटावदा, जि.इंदौर
श्री गोपालसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
औरंगपुरा, जि.इंदौर
श्री त्रिलोकचंद परमार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
धतुरिया, जि.इंदौर
श्री प्रकाश मंडलोई (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
मूरखेड़ा, जि.इंदौर
श्री जगदीश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
धन्नड़, जि.इंदौर
श्री राजेश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
पोटलोद, जि.इंदौर
श्री हरिसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
सूमठा, जि.इंदौर
श्री राजेश राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
रंगवासा, जि.इंदौर
श्री सीताराम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
कांकरिया पाल, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
कराड़िया, जि.इंदौर
श्री प्रदीप नरवरिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
दौलताबाद, जि.इंदौर
श्री इन्दरसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
कछालिया, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या.
नेवरी, जि.इंदौर
श्री सीताराम सिसोदिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 306-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17